बालाघाट
मंगलवार 17 मार्च 2026
चैत्र कृष्ण 14 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 171
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

सेंसेक्स	–	75,502.85
निफ्टी	–	23,408.80
सोना	–	1,57,420
चांदी	–	2,70,000
डॉलर	–	92.27

खास खबर

6 राज्यों में भारी बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। मौसम विभाग ने देश के उत्तर, पूर्वोत्तर, दक्षिण के 25 राज्यों में आंधी-बारिश का अलर्ट जारी किया है। हालांकि उत्तराखंड, यूपी, बिहार, झारखंड, बंगाल और ओडिशा में भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। इन राज्यों में 40-50 किमी की रफ्तार से हवा चल सकती है। साथ ही ओले भी गिर सकते हैं। हिमाचल प्रदेश के लाहौल स्पीति में बर्फ देखने गए टूरिस्ट पूरी रात अटल टनल रोहतांग में फंसे रहे। बर्फबारी के कारण सड़क पर फिसलन बढ़ने से ट्रैफिक रोक दिया गया था। टनल में करीब हजार गाड़ियां थीं। इधर, सिक्किम के कई इलाकों में देर शाम तूफान के साथ मूसलाधार बारिश हुई। कई जगहों पर बड़े-बड़े पेड़ और बिजली पोल तक गिर गए। रकडोंग कापर इलाके में पेड़ गिरने से एक महिला की मौत हो गई। ओडिशा के मयूरभंज जिले में भी एक बवंडर ने भारी तबाही मचाई। इसमें दो लोगों की मौत हो गई, जबकि 25 से ज्यादा लोग घायल हो गए। तेज तूफान के कारण 70 से ज्यादा घरों को नुकसान पहुंचा है।

डिजिटल अरेस्ट मामलों की सुनवाई अगले सप्ताह

नई दिल्ली। देशभर में बढ़ते डिजिटल अरेस्ट के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वत: संज्ञान लिया है। इस मसले पर सुप्रीम कोर्ट एक हफ्ते बाद सुनवाई करेगा। सीजेआई सूर्यकांत की बेंच से अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने कहा कि इस मामले में हमने एक स्टेटस रिपोर्ट फाइल की है, जिसे कोर्ट पढ़ ले, इसके बाद मामले पर आगे की सुनवाई करें। पिछली सुनवाई में कोर्ट ने देश भर में डिजिटल अरेस्ट के मामलों में जांच का जिम्मा सीबीआई को सौंपा था। साथ ही केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भी कोर्ट को बताया था कि डिजिटल अरेस्ट के मामलों से निपटने के लिए एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है। गृह मंत्रालय के विशेष सचिव (आंतरिक सुरक्षा) इस समिति के अध्यक्ष हैं। इसके पहले 9 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट मामले में सुनवाई के दौरान कहा था कि ऐसे घोटालों में बैंक अधिकारी भी आरोपियों के साथ मिले हुए पाए गए हैं। खासकर वरिष्ठ नागरिक इसकी चपेट में आ रहे हैं। एक रिटायर्ड दंपति का उदाहरण देते हुए कोर्ट ने बताया कि उनकी पूरी जिंदगी की जमा-पूंजी ठगों ने छीन ली। अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणि ने केंद्र सरकार की ओर से स्टेटस रिपोर्ट पेश कर बताया था कि डिजिटल अरेस्ट से निपटने के लिए अब काफी व्यापक एसओपी (स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर) तैयार की गई है। कोर्ट ने इसे प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए जरूरी निर्देश जारी करने की बात कही थी।

कुछ ना कहना

राज्यसभा में एलपीजी संकट पर हंगामा

खड़गे बोले- सरकार को पहले से पता था, इंतजाम क्यों नहीं किया; टीएमसी सांसदों का वॉकआउट

नई दिल्ली। एजेंसी।

बजट सत्र के दूसरे फेज में सोमवार को लोकसभा में पहली बार प्रश्नकाल बिना किसी हंगामे के पूरा हुआ। इधर राज्यसभा में एलपीजी सिलेंडर के संकट को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाए। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राज्यसभा में कहा कि पेट्रोलियम मंत्री ने लोकसभा में दावा किया कि एलपीजी की कोई कमी नहीं है, लेकिन जमीनी हकीकत सरकारी दावों को गलत साबित कर रही है। अगर सरकार समय रहते इंतजाम कर लेती, तो हालात इतने खराब नहीं होते। इस पर भाजपा सांसद जेपी नड्डा ने खड़गे को टोका। उन्होंने कहा कि कांग्रेस आपदा में भी राजनीति कर रही है। इसके बाद भी खड़गे ने बोलना जारी रखा। संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि कांग्रेस नेता जवाब नहीं सुनते हैं। तृणमूल कांग्रेस ने राज्यसभा से वॉकआउट किया। पार्टी ने चुनाव आयोग के बंगाल के शीर्ष अधिकारियों को हटाने के फैसले का विरोध किया।

लोकसभा में बिना हंगामे के प्रश्नकाल

लोकसभा में सदन की कार्यवाही शुरू होते ही कुछ विपक्षी सांसदों ने अपने मुद्दे तुरंत उठाने की मांग की। इस पर स्पीकर ओम बिरला ने कहा कि उन्हें दोपहर 12 बजे प्रश्नकाल खत्म होने के बाद बोलने का मौका दिया जाएगा। प्रश्नकाल के दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया और गजेंद्र सिंह शेखावत ने सांसदों के सवालों के जवाब दिए। राज्यसभा में कार्यकाल पूरा होने पर रंजन गोगोई को विदाई दी गई।

एलपीजी संकट पर सरकार जिम्मेदार

आप सांसद संजय सिंह ने राज्यसभा में विनियोग विधेयक 2026 पर चर्चा के दौरान एलपीजी की कमी का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री को स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर पैदा हो रहे संकट की पहले से जानकारी थी। इसके बावजूद सरकार ने ईरान के साथ अपने संबंधों को मजबूत नहीं रखा, जिसकी वजह से अब देश में एलपीजी सिलेंडरों की कमी और ईंधन संकट का डर पैदा हो गया है। भारत अपनी करीब 60 प्रतिशत कच्चे तेल की जरूरत पश्चिम एशिया से होर्मुज जलडमरूमध्य के रास्ते पूरी करता है। 2019 तक भारत के ईरान के साथ अच्छे संबंध थे और चाबहार पोर्ट में करोड़ों का निवेश भी किया गया था। लेकिन हाल की घटनाओं पर सरकार की चुप्पी के कारण हालात बिगड़े हैं। संजय सिंह ने आरोप लगाया कि मौजूदा ईंधन और एलपीजी संकट के लिए सरकार की नीतियां जिम्मेदार हैं।

एलपीजी संकट पर सरकार को घेरा

कांग्रेस सांसद शक्ति सिंह गोहिल ने राज्यसभा में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अनुपूरक अनुदान मांगों पर चर्चा की शुरुआत करते हुए एलपीजी संकट का मुद्दा उठाया और सरकार को घेरा। उन्होंने प्रधानमंत्री का नाम लिए बिना उन पर तंज भी किया। गोहिल ने कहा कि संविधान निर्माताओं ने तय किया था कि दो देशों के झगड़े में भारत नहीं पड़ेगा और गुटनिरपेक्ष रहेगा। उन्होंने सवाल किया कि फिर इजरायल जाने की क्या जरूरत थी। उन्होंने कहा कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज भारत की सप्लाई चेन के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह भी कहा कि वित्त मंत्री ने इस डिमांड में गैस की चिंता जताई है। गोहिल ने तंज करते हुए कहा कि एक नॉन-बायोलॉजिकल साइंटिस्ट ने कहा था कि बर्तन में छेद कर नाले में पाइप डालो, उससे निकलने वाली गैस से चाय बन जाएगी। वित्त मंत्री को इस ओर भी ध्यान देना चाहिए।

राज्यसभा में टीएमसी का वॉकआउट

पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस ने सोमवार को राज्यसभा से पूरे दिन के लिए वॉकआउट किया। पार्टी ने चुनाव आयोग की ओर से विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के कुछ ही घंटे बाद राज्य के शीर्ष अधिकारियों को हटाने के फैसले के खिलाफ यह कदम उठाया। शून्यकाल से ठीक पहले टीएमसी सांसद डेरेक ओ'ब्रायन ने यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि चुनाव आयोग ने देर रात राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ा फेरबदल किया है। उन्होंने कहा कि आधी रात में मुख्य सचिव, प्रधान सचिव और गृह सचिव को हटा दिया गया। चुनाव आयोग के पास ऐसा करने का अधिकार है, लेकिन हम इसके विरोध में आज के लिए सदन से वॉकआउट कर रहे हैं।

अगले हफ्ते शनिवार-रविवार को भी संसद की बैठक होगी

संसद में अगले हफ्ते शनिवार और रविवार को भी बैठक होगी। राज्यसभा में सभापति सीपी राधाकृष्णन ने सोमवार को शून्यकाल शुरू होने से पहले यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस हफ्ते गुरुवार और शुक्रवार, यानी 19 और 20 मार्च को सदन में अवकाश रहेगा। इसकी भरपाई के लिए अगले हफ्ते शनिवार और रविवार, यानी 28 और 29 मार्च को संसद की बैठक होगी।

बिहार में NDA ने सभी 5 राज्यसभा सीटें जीती

महागठबंधन के 4 विधायक नहीं पहुंचे, भाजपा को फायदा; वोट विवाद पर हरियाणा में काउंटिंग रुकी

नई दिल्ली। हरियाणा, बिहार और ओडिशा की 11 राज्यसभा सीटों के लिए सोमवार को मतदान हुआ। NDA ने बिहार की सभी पांचों राज्यसभा सीटों पर जीत दर्ज की है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने ऐलान किया है। इस जीत के साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन राज्यसभा पहुंच गए हैं। तीनों राज्यों में कुल 14 उम्मीदवार मैदान में हैं। ओडिशा में काउंटिंग जारी है। हरियाणा में राज्यसभा चुनाव के लिए मतदान के दौरान दो कांग्रेसी विधायकों के वोटों पर आपत्ति के बाद काउंटिंग रोक दी गई। बीजेपी के गौरव गौतम और किशन बेदी ने इन दोनों वोटों पर आपत्ति जताई। बिहार और ओडिशा में मतदान के दौरान कांग्रेस विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की। बिहार में NDA के सभी 202 विधायकों ने, जबकि महागठबंधन की तरफ से 37 विधायकों ने वोट डाले। कांग्रेस के तीन और आरजेडी के एक विधायक नदारद रहे। वहीं, हरियाणा में 90 विधायक में से 88 विधायकों ने वोट डाला। इंडियन नेशनल लोकदल (INLD) के दोनों विधायक अर्जुन चौटाला और आदित्य देवीलाल वोटिंग से दूर रहे।

भाजपा ने जारी की 144 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट

सीएम ममता के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे सुवेंदु अधिकारी

कोलकाता। भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए 144 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी कर दी है। पार्टी ने नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी को नंदीग्राम के अलावा भवानीपुर से भी चुनाव लड़ाने का फैसला किया है, जहां से ममता बनर्जी चुनाव लड़ती हैं और वर्तमान में यहां से विधायक भी हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी ने नंदीग्राम सीट पर सुवेंदु अधिकारी के खिलाफ चुनाव लड़ने का फैसला किया था। लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। उसके बाद भवानीपुर से टीएमसी विधायक सोवनदेब चट्टोपाध्याय ने ममता के लिए अपनी सीट छोड़ने का फैसला किया था और यहां से वह उपचुनाव में जीतकर बंगाल विधानसभा में पहुंची थीं।

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी की बेटी ने 10 करोड़ का मानहानि केस किया

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी की बेटी हिमायनी पुरी ने दिल्ली हाईकोर्ट में 10 करोड़ का मानहानि मुकदमा दायर किया है। उन्होंने कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ याचिका दायर कर अपने खिलाफ सोशल मीडिया पर प्रसारित सामग्री हटाने की मांग की है। याचिका में कहा गया है कि इंटरनेट पर कुछ पोस्ट, वीडियो और खबरों में उन्हें अमेरिकी यौन अपराधी जेफ्री एप्सटीन और उसके नेटवर्क से जोड़ते दिखाया गया है। पुरी ने आरोप लगाया कि ये दावे झूठे, दुर्भावनापूर्ण और बिना किसी फैक्ट के हैं। उन्होंने अदालत से सोशल मीडिया कंपनियों एक्स, गूगल, मेटा और लिंक्डइन को निर्देश देने की मांग की है कि ऐसे सभी मानहानिकारक कंटेंट को हटाया जाए और भविष्य में भी इस तरह की सामग्री सामने आने पर तुरंत कार्रवाई की जाए। याचिका में यह भी कहा गया है कि 22 फरवरी से सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ कई आरोप लगाए गए, जिनमें दावा किया गया कि उनका एप्स्टीन या उसके कारोबार से किसी तरह का संबंध है। पुरी ने इन आरोपों को पूरी तरह गलत और मनगढ़ंत बताया है। मामले की सुनवाई दिल्ली हाईकोर्ट में जल्द सूचीबद्ध होने की संभावना है।

बंगाल में चुनाव से पहले मुख्य सचिव-डीजीपी को हटाया

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के दूसरे ही दिन चुनाव आयोग ने 6 अफसरों का तबादला कर दिया। आयोग ने पीयूष पांडे की जगह सिद्धनाथ गुप्ता को डीजीपी बनाया है। वहीं, आयोग ने राज्य की मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती को पद से हटा दिया है। उनकी जगह 1993 बैच के आईएएस दुष्यंत नारियाला को नया मुख्य सचिव नियुक्त किया है। सुप्रतिम सरकार की जगह अजय कुमार नंद को कोलकाता पुलिस कमिश्नर बनाया गया है। साथ ही राज्य के गृह सचिव जगदीश प्रसाद मीणा की जगह 1997 बैच की आईएएस अफसर संघमित्रा घोष को गृह सचिव बनाया गया है। चुनाव आयोग के आदेश के मुताबिक यह निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। नटराजन रमेश बाबू को सुधार सेवा महानिदेशक बनाया गया है। अजय मुकुंद रानाडे को अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक और आईजी(कानून-व्यवस्था) का पद दिया गया है। आदेश में कहा गया है कि जिन अधिकारियों का ट्रांसफर किया गया है, उन्हें चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक किसी भी चुनाव से जुड़े पद पर तैनात नहीं किया जाएगा।

जज बदलने की हाईकोर्ट में याचिका खारिज

अब केजरीवाल ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल और आप नेता मनीष सिसोदिया ने दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश द्वारा सीबीआई के उत्पाद शुल्क नीति मामले की याचिका को न्यायमूर्ति स्वर्ण कांत शर्मा की पीठ से किसी अन्य न्यायाधीश को स्थानांतरित करने से इनकार करने के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। दोनों ने 11 मार्च को मुख्य न्यायाधीश देवेंद्र कुमार उपाध्याय को दिए गए एक आवेदन के बाद निष्पक्षता को लेकर गंभीर आशंका व्यक्त की, जिसे मुख्य न्यायाधीश ने खारिज कर दिया और कहा कि मामला न्यायालय के कार्यसूची के अनुरूप है और पुनर्निर्धारित के लिए कोई प्रशासनिक आधार नहीं है। सीबीआई की याचिका, जो सोमवार को न्यायमूर्ति शर्मा के समक्ष सूचीबद्ध है, शराब लाइसेंसधारियों को तरजीह देने से जुड़े घोटाले में केजरीवाल, सिसोदिया और 21 अन्य को निचली अदालत द्वारा 27 फरवरी को बरी किए जाने को चुनौती देती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 2021 की दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति, जिसे अब रद्द कर दिया गया है, का उद्देश्य राजस्व वृद्धि के लिए शराब की बिक्री का निजीकरण करना था, लेकिन अनियमितताओं, रिश्वतखोरी और सरकारी खजाने को हुए नुकसान के आरोपों का सामना करना पड़ा, जिसके चलते उपराज्यपाल के आदेश पर सीबीआई और ईडी ने जांच की। निचली अदालत ने सीबीआई के कुछ निष्कर्षों की आलोचना करते हुए आरोपियों को बरी कर दिया, लेकिन न्यायमूर्ति शर्मा ने 9 मार्च को सभी 23 प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया, सीबीआई जांचकर्ता के खिलाफ विभागीय कार्रवाई पर रोक लगा दी, निचली अदालत की टिप्पणियों में प्रथम दृष्टया त्रुटियों को उजागर किया और संबंधित पीएमएलए कार्यवाही को स्थगित कर दिया।

सकल घरेलू उत्पाद के आँकड़ों पर अंतरराष्ट्रीय विवाद

मनमोहन सिंह के समय घटाया गया मोदी के समय बढ़ाया गया

नई दिल्ली । एजेंसी।

भारत के अर्थव्यवस्था की वास्तविक स्थिति और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर को लेकर नया विवाद सामने आया है। अंतरराष्ट्रीय शोध संस्था ने पीटरसन इंस्टिट्यूट फॉर इंटरनेशनल इकोनॉमिक्स की रिपोर्ट में भारत के सकल घरेलू उत्पाद के आँकड़ों पर गड़बड़ियों का दावा किया गया है। भारतीय अर्थव्यवस्था की वास्तविक स्थिति और सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के आधिकारिक आँकड़ों को लेकर नया विवाद सामने आया है।

अंतरराष्ट्रीय शोध संस्था के प्रकाशित शोध पत्र में दावा किया गया है। पिछले दो दशकों में भारत की आर्थिक वृद्धि दर को लेकर सुनयोजित तरीके से गलत आंकड़े पेश किए गए हैं। शोध पत्र का शीर्षक भारत में बीस वर्षों के सकल घरेलू उत्पाद के गलत आकलन के नए प्रमाण है। इसे अर्थशास्त्री अरविंद सुब्रमण्यम तथा अभिषेक आनंद तथा जोश फेलमन द्वारा तैयार की है। अरविंद सुब्रमण्यम भारत सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार रह चुके हैं। उन्होंने पहले भी जीडीपी के आँकड़ों पर सवाल उठाए थे।

दो अलग-अलग अवधियों में अलग स्थिति

अध्ययन के अनुसार वर्ष 2005 से 2011 के बीच भारत की आर्थिक वृद्धि दर को कम करके आंका गया था। उस समय आधिकारिक रूप से औसत वृद्धि दर लगभग 6.9 प्रतिशत बताई गई थी, जबकि शोधकर्ताओं के अनुसार वास्तविक वृद्धि दर इससे लगभग 1 से 1.5 प्रतिशत अधिक, यानी करीब 8 से 8.5 प्रतिशत के आसपास हो सकती थी। वहीं 2012 से 2023 के बीच स्थिति इसके उलट बताई गई है। अध्ययन के मुताबिक इस अवधि में आर्थिक वृद्धि दर को वास्तविक स्थिति से अधिक दिखाया गया। जहाँ आधिकारिक आँकड़ों में औसत वृद्धि दर लगभग 6 प्रतिशत बताई गई, वहीं शोधकर्ताओं का अनुमान है कि वास्तविक वृद्धि दर करीब 4 से 4.5 प्रतिशत के आसपास रही होगी। शोध में यह भी कहा गया है कि 2012 से 2019 के बीच वृद्धि दर के आकलन में अधिक अनुमान लगाया गया, जबकि कोरोना महामारी के दौरान 2020 से 2022 के बीच कुछ मामलों में वृद्धि दर को कम करके आंका गया। इसके बाद 2023 से 2025 के बीच फिर से अधिक अनुमान लगाए जाने की संभावना जताई गई है।

भारत में एक साल के अंदर बढ़े 24 अरबपति

नई दिल्ली। फोर्ब्स वर्ल्ड बिलियनेयर्स 2026 की सूची के मुताबिक भारत में एक साल के अंदर 24 अरबपति बढ़े हैं। इनकी संख्या बढ़कर 229 हो गई है। देश के चौथे सबसे अमीर लक्ष्मी मित्तल की संपत्ति में इस साल सबसे तेज उछाल आया। उनकी कंपनी आर्सेलरमित्तल के शेयरों में 80 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी आने से उनकी कुल दौलत 31 अरब डॉलर, यानी 2.87 लाख करोड़ रुपए पर पहुंच गई है। बीते एक साल में उनकी संपत्ति में 20 अरब डॉलर, यानी 1.85 लाख करोड़ रुपए का इजाफा हुआ है। इस हिसाब से स्टील किंग मित्तल ने सालभर हर दिन औसतन 274 करोड़ रुपए की रिकॉर्ड कमाई की है। इस सूची में फिजिक्सवाला के फाउंडर्स अलख पांडे और प्रतीक बूंब भी शामिल हैं। सूची में तीसरे नंबर पर ओपी जिंदल ग्रुप की चेयरपर्सन सावित्री जिंदल हैं। वे भारत की सबसे अमीर महिला कारोबारी बनी हुई हैं। सूची में 20 भारतीय महिला अरबपति शामिल हैं। कोटक महिंद्रा बैंक के फाउंडर उदय कोटक इस साल टॉप-10 में शामिल हुए हैं। हाल ही में उन्हें पद्म भूषण मिला था। उनकी एंट्री से डीएलएफ के पीछे रहे प्रॉपर्टी डेवलपर कुशल पाल सिंह 12वें नंबर पर खिसक गए। एडटेक प्लेटफॉर्म फिजिक्सवाला के फाउंडर पांडे और प्रतीक बूंब भी नए अरबपतियों में शामिल हैं। नवंबर में कंपनी के आईपीओ के बाद वे इस क्लब में आए। पेटीएम के फाउंडर विजय शेखर शर्मा तीन साल बाद फिर लिस्ट में लौटे हैं। पेटीएम के शेयर पिछले साल करीब 60 प्रतिशत चढ़े, हालांकि यह अभी भी आईपीओ की करीब आधी प्राइस पर ट्रेड कर रहे हैं। फोर्ब्स इंडिया ने अपनी पहली रिच सूची 2009 में लांच की थी। ये लिस्ट फैमिली और इंडिविजुअल्स से मिली शेयरहोल्डिंग व फाइनेंशियल जानकारी, स्टॉक एक्सचेंज, एनालिस्ट्स और मार्केट डेटा के आधार पर तैयार की जाती है।

सरकारी हॉस्पिटल में आग, 10 मरीजों की मौत

कटक। ओडिशा में कटक के श्रीराम चंद्र भांजा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में रविवार रात करीब 3 बजे आग लग गई। हादसे में 10 मरीजों की मौत हो गई है। इनमें से 7 ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, 3 की मौत इलाज के दौरान हुई। आग पहली मंजिल पर ट्रॉमा केयर के आईसीयू में लगी थी। यहां करीब 23 मरीज भर्ती थे। उन्हें बचाने में अस्पताल के कम से कम 11 कर्मचारी झुलस गए। अनुमान है कि आग शॉर्ट सर्किट से लगी थी। ओडिशा सीएम मोहन चरण मांझी सुबह घायलों को देखने के लिए हॉस्पिटल पहुंचे। उन्होंने मृतकों के परिवारों को 25-25 लाख रुपए मुआवजा देने का ऐलान किया है। साथ ही हादसे की हाई लेवल जांच का आदेश दिया है। श्रीराम चंद्र भांजा मेडिकल कॉलेज कटक का सबसे बड़ा अस्पताल है। यहां पूरे राज्य से लोग इलाज करवाने के लिए आते हैं।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी वाराणसी कोर्ट नहीं पहुंचे: भगवान राम को काल्पनिक बताने पर कोर्ट ने किया था तलब

वाराणसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ सोमवार को वाराणसी की एमपी-एमएलए कोर्ट में दो मामलों की सुनवाई हुई। कोर्ट ने राहुल गांधी को तलब किया था। लेकिन राहुल गांधी कोर्ट में पेश नहीं हुए। भगवान राम को काल्पनिक बताने के मामले में अपर जिला जज एमपी-एमएलए कोर्ट पंचम ने अब 13 अप्रैल को सुनवाई के लिए अगली तिथि निर्धारित की है। न्यायालय ने लोवर कोर्ट से पत्रावली रिकॉर्ड को तलब किया है।

वहीं सितंबर 2024 में अमेरिका यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने सिक्खों को लेकर विवादित बयान दिया था। इस मामले की भी सुनवाई वाराणसी की एसीजेएम एमपी-एमएलए कोर्ट में आज हुई। तिलमापुर के पूर्व प्रधान नागेश्वर मिश्रा ने 173/4 का प्रार्थना पत्र दिया था। कोर्ट के जज यजुवेंद्र विक्रम सिंह की अदालत में मामले की सुनवाई हुई। जिसमें निचली न्यायालय से पत्रावली तलब कर मामले की अगली सुनवाई के लिये 15 अप्रैल की तिथि निर्धारित की गई है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर अमेरिका के न्यूयॉर्क में ब्राउन यूनिवर्सिटी में भगवान राम को काल्पनिक कहने का आरोप है। उन्होंने भगवान श्रीराम को लेकर विवादित बयान दिए थे। उन्होंने भगवान राम को 'पौराणिक' बताया था और उस युग पर बताई जाने वाली कहानियों को काल्पनिक कहा था। मामले में वकील हरिशंकर पांडेय ने पुनरीक्षण याचिका दाखिल की है। राहुल गांधी पिछली तारीख पर भी वाराणसी कोर्ट नहीं पहुंचे थे। कोर्ट ने पिछली सुनवाई में राहुल को अगली तारीख यानी 16 मार्च को न्यायालय में पेश होने का आदेश दिया था। इस बारे में राहुल गांधी को लेकर की गई शिकायत प्रकरण में शिकायतकर्ता वरिष्ठ अधिवक्ता हरिशंकर पांडेय ने बताया कि न्यायालय अपर जिला जज एमपी-एमएलए कोर्ट पंचम ने आज मुकदमा संख्या 486/2025 हरिशंकर पांडेय बनाम राहुल गांधी पर सुनवाई की। कोर्ट ने राहुल गांधी को हाजिर होने के लिए 16 मार्च की तारीख दी थी, लेकिन राहुल गांधी कोर्ट में पेश नहीं हुए। इसके बाद कोर्ट ने अब निचली अदालत से सारी फाइलों को तलब किया है और अगली सुनवाई से अब इस पूरे मामले में एक पक्षीय सुनवाई शुरू होगी।

टीएल बैठक में समय सीमा प्रकरणों की हुई समीक्षा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 16 मार्च को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में टीएल बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में कलेक्टर मृणाल मीना ने विभिन्न विभागों के समय सीमा संबंधी प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे, श्री डीपी बर्मन, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक, मायाराम कोल, डिप्टी कलेक्टर प्रदीप कौरव एवं अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में सभी एसडीएम, तहसीलदार, जनपद सीईओ एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी वीडियों कांफ्रेंस के माध्यम से उपस्थित थे।

जिले में घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग रोकने के निर्देश

बैठक में सर्वप्रथम कलेक्टर श्री मीना ने जिला आपूर्ति अधिकारी से जिले में उपलब्ध एलपीजी गैस सिलेण्डर की जानकारी ली और निर्देशित किया कि घरेलू गैस सिलेण्डर का व्यवसायिक उपयोग रोकने के लिए जिले में निरंतर जांच की जाए। इस दौरान बताया गया कि जिले में पर्याप्त संख्या में भरे हुए एलपीजी गैस सिलेण्डर उपलब्ध है और उनकी आपूर्ति नियमित रूप से हो रही है। घरेलू गैस सिलेण्डर का व्यवसायिक उपयोग किये जाने पर होटल, रेस्टारेंट आदि का नियमित रूप से निरीक्षण किया जा रहा है। पिछले एक सप्ताह में 283 सिलेण्डर जब्त किये गए है। कलेक्टर श्री मीना ने आपूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया कि जिले में कहीं पर भी गैस सिलेण्डर के लिए उपभोक्ताओं को लाईन लगाने की जरूरत नही पडना चाहिए, इसके लिए व्यापक इंतजाम किये जाए।

पंजीकृत किसानों व व्यापारियों के स्टॉक का जल्द करें सत्यापन

बैठक में समर्थन मूल्य पर गेहूँ, चना एवं भावांतर योजना में सरसो की खरीदी की तैयारी के संबंध में आपूर्ति अधिकारी एवं उपसंचालक कृषि से जानकारी ली गई। कलेक्टर श्री मीना ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गेहूँ, चना एवं सरसो उपार्जन के लिए पंजीयन कराने वाले किसानों का शीघ्रता से सत्यापन किया जाए। सरसो की भावांतर योजना में खरीदी की जाना है अत: इसके लिए व्यापारियों के स्टॉक का सत्यापन शीघ्रता से किया जाए और नियमित रूप से उनके स्टॉक पर निगरानी रखी जाए। इस दौरान बताया गया कि समर्थन मूल्य पर गेहूँ की खरीदी के लिए 4388 किसानों ने अपना पंजीयन कराया है। समर्थन मूल्य पर गेहूँ की खरीदी 07 अप्रैल से प्रारंभ होगी। अब तक 50 प्रतिशत पंजीकृत किसानों का सत्यापन किया जा चुका है। चना एवं सरसो उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन किया जा रहा है।

श्रमयोगी मानधन योजना में अधिक से अधिक पात्र श्रमिकों का पंजीयन कराने के निर्देश

कलेक्टर श्री मीना ने श्रम पदाधिकारी एवं नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को निर्देशित किया कि श्रमयोगी मानधन योजना में अधिक से अधिक पात्र श्रमिकों का शीघ्रता से पंजीयन किया जाए और समय सीमा में इसकी लक्ष्य पूर्ति की जाए। इस दौरान बताया गया कि नगरीय क्षेत्रों में श्रमयोगी मानधन योजना में पंजीयन का लक्ष्य लगभग पूर्ण हो गया है। ग्रामीण क्षेत्रों में पंजीयन की कार्यवाही जारी है।

एचपीवी टीकाकरण के अभिभावकों में लाए जागरूकता

महिलाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए 14 वर्ष की बालिकाओं के एचपीवी टीकाकरण की समीक्षा के दौरान स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि 20 मार्च तक टीकाकरण का लक्ष्य पूर्ण करने का प्रयास करें। बालिकाओं के अभिभावकों को एचपीवी टीकाकरण के प्रति जागरूक करें और बताए कि यही टीका प्रायवेट अस्पतालों में 04 हजार रुपए में लगाया जाता है, लेकिन शासन द्वारा बालिकाओं को यह टीका नि:शुल्क लगाया जा रहा है।

नए शिक्षा सत्र से पहले सभी पात्र बच्चों का स्कूलों में पंजीयन करें सुनिश्चित

कलेक्टर श्री मीना ने जिला शिक्षा अधिकारी एवं सर्व शिक्षा अभियान के जिला परियोजना समन्वयक को निर्देशित किया कि 24 मार्च से प्रारंभ हो रहें नये शिक्षा सत्र के पूर्व सभी पात्र बच्चों का शालाओं में पंजीयन अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें। इसी प्रकार महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया गया कि आंगनवाडी केंद्रो के 03 से 06 वर्ष आयु के सभी बच्चों को स्कूल पूर्व शिक्षा के लिए पंजीयन कराए। लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री को निर्देशित किया गया कि लोक कल्याण सरोवर का कार्य सडक निर्माण करने वाले ठेकेदारों से शीघ्र पूर्ण कराए।

50 दिन से अधिक की लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से करें निराकरण

बैठक में सीएम हेल्पलाईन के प्रकरणों की समीक्षा की गई और 50 दिन से अधिक की लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण करने कहा गया। सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों को निर्देशित किया गया कि आगामी दिनों में आने वाले त्यौहारों के दौरान कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपने क्षेत्र में सभी आवश्यक कदम उठाए।

हट्टा के ग्राम खोड़सिवनी में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा का किया गया अनावरण

आकर्षक झांकी के साथ गांव में निकाली गई शोभायात्रा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हिन्दवी साम्राज्य की स्थापना के लिए छत्रपति शिवाजी महाराज ने मुगलों से लड़कर हिन्दु साम्राज्य स्थापित किया, उनके शासन काल में भेदभाव नही होता था, उनकी सेना में सभी वर्गो का सम्मान एवं समावेश रहता था, आज की युवा पीढी शिवाजी महाराज के बताये आदर्शो पर चले समाज के लोग शिक्षा के

क्षेत्र में जुडकर उच्च स्थान प्राप्त करें, नशा परिवार एवं समाज का नुकसान करता है उससे दूर रहें, उक्ताशय के विचार विधायक परसवाड़ा मधु भगत ने, ग्राम खोड़सिवनी (हट्टा) में नवनिर्मित छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के अनावरण के अवसर पर मुख्य अतिथि के आसंदी के तौर पर रखे ।ग्राम खोडसिवनी में रविवार को छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के अनावरण अवसर पर प्रात: 11 बजे से ग्राम में छत्रपति शिवाजी महाराज एवं जीजा माता की झांकी बनाकर समस्त ग्रामवासियों द्वारा ग्राम में शोभायात्रा निकालकर ग्राम भ्रमण किया गया ।इस अवसर पर प्रगतिशील कुनबी समाज के अध्यक्ष सुनील खोटेले ने अपने विचार व्यक्त करते हुए बताया कि शिवाजी महाराज द्वारा बताये गये मार्ग एवं विचारो पर चलकर आज भी देशभक्त होकर देश की सेवा करने के लिए अपने आपको समर्पित करना चाहिये ।उनके विचारों में परनारी का सम्मान करना दूसरे धर्म में जाने वाले लोगों को वापस हिन्दु धर्म में लाना भेदभाव दूर करना है ।इस दौरान प्रमुख अतिथियों में मंचासीन, उदयसिंह नगपुरे पूर्व सहकारी अध्यक्ष, श्रीमती रंचना वैद्य जनपद सदस्य, श्रीमती ममता बुर्रे ,दिनेश पटेल, सेवकराम कुथे, मुकेश माहुले, सुरेन्द्र गुड्डा चौधरी, पीतम लाल पाँच सरपंच, अनिल चौधरी पूर्व सरपंच, श्रीराम दानी महासचिव, अरविन्द पारधी, जीवनलाल बहेकार, उपस्थित रहे ।कार्यक्रम की सफलतार्थ ग्राम अध्यक्ष अनाराम मते, श्रीराम मते, महेन्द्र मते, संरक्षक हनुमंतराव गायकवाड, श्रीमती गीता यशवंत तिवडे श्रीमती गीता चौधरी, रामेश्वर सोनवाने तेजलाल श्रीभाद्री, बेरीराम झलपे, लोकेश बहेकार, कैलाश डोरस सहित युवा साथियों ने सहयोग किया।

आवश्यकता है

ऑफिस एकाउंट/ऑडिट कार्य हेतु 10वीं, 12वीं, बी.काम. प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण युवक/युवती की आवश्यकता है

मिलने का समय शाम 5 बजे से शाम 8.00 बजे तक

-संपर्क-
बाघरेचा तिजारे एण्ड एसोसिएट्स, श्याम टॉकीज एण्ड मॉल मेन रोड बालाघाट (मप्र)
मो. 9244872544/9201340520

किराये पर देना है

दुकान/ऑफिस 800sq.ft किराए से देना है स्टेट बैंक के पास मेन रोड, बालाघाट

संपर्क करें-8516809720

भरवेली क्षेत्र में बढ़े विवाद, ग्रामीणों ने एसपी से लगाई न्याय की गुहार

ग्राम पायली के आधा सैकड़ा से अधिक ग्रामीण व महिलाएं पहुंचे पुलिस अधीक्षक कार्यालय, शांति व्यवस्था की मांग

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बीते कुछ दिनों से भरवेली क्षेत्र के विभिन्न गांवों में आरोप-प्रत्यारोप के मामले सामने आ रहे हैं। इसी क्रम में ग्राम पायली के लगभग आधा सैकड़ा से अधिक ग्रामीण और महिलाएं पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे और पुलिस से न्यायसंगत कार्रवाई किए जाने की मांग की।

ग्रामीणों ने पुलिस अधीक्षक को दिए गए ज्ञापन में बताया कि गांव में एक मामले को लेकर लगातार आरोप-प्रत्यारोप का माहौल बना हुआ है, जिससे क्षेत्र में तनाव की स्थिति निर्मित हो रही है। उन्होंने पुलिस से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर उचित कार्रवाई करने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते मामले में ठोस कदम नहीं उठाए गए तो क्षेत्र में विवाद और बढ़ सकता है। इसलिए पुलिस को तत्काल संज्ञान लेते हुए आवश्यक कार्रवाई करनी चाहिए। जिले के भरवेली क्षेत्र में बीते कुछ महीनों से अलग-अलग गांवों में विवाद और आरोप-प्रत्यारोप के मामले सामने आ रहे हैं। इन मामलों में ग्रामीण एक-दूसरे के खिलाफ शिकायतें लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंच रहे हैं और कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। लगातार आ रही शिकायतों के कारण पुलिस प्रशासन भी मामलों की जांच में जुटा हुआ है। बीते दिनों ग्राम हीरापुर से जुड़ा एक धार्मिक विवाद भी सामने आया था, जिसमें ग्रामीणों के दो पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक कार्यालय में ज्ञापन सौंपा था। इस मामले में पुलिस दोनों पक्षों को बुलाकर बयान दर्ज कर रही है और जांच प्रक्रिया जारी है। बताया जा रहा है कि यह मामला अभी भी पुलिस अधीक्षक कार्यालय में लंबित है। इसी कड़ी में अब ग्राम पायली का एक नया मामला सामने आया है। गांव की कुछ महिलाओं ने ग्राम के ही युवक शैलेंद्र ठकरेले पर छेड़छाड़ सहित अन्य गंभीर आरोप लगाए हैं। इस मामले को लेकर 16 मार्च को शैलेंद्र ठकरेले भी करीब आधा सैकड़ा ग्रामीणों के साथ पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे और अपनी बात रखी। शैलेंद्र ठकरेले ने पुलिस प्रशासन से मांग की कि बीते कुछ समय से क्षेत्र में चल रहे आरोप-प्रत्यारोप के मामलों पर पुलिस तत्काल संज्ञान ले और निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करे। उन्होंने कहा कि यदि जांच में वह स्वयं दोषी पाए जाते हैं तो उनके खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाए, लेकिन पूरे मामले की निष्पक्ष जांच आवश्यक है ताकि क्षेत्र में शांति और आपसी सद्भाव बना रहे। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि जिन महिलाओं ने उन पर छेड़छाड़ के आरोप लगाए हैं, वे उनकी माता की उम्र की हैं और लगाए गए आरोप पूरी तरह निराधार हैं। उनका कहना है कि उन्हें झूठे मामले में फंसाने और उनके राजनीतिक भविष्य को प्रभावित करने के उद्देश्य से इस प्रकार के आरोप लगाए जा रहे हैं। ग्रामीणों ने पुलिस प्रशासन से मामले की गंभीरता से जांच कर सच्चाई सामने लाने की मांग की है, ताकि क्षेत्र में लगातार हो रहे विवादों पर विराम लग सके और गांव में अमन-चैन का माहौल बना रहे।

खबर प्रकाशन के बाद, जागे जिम्मेदार

मुर्दा घर के पास से हटाई गई गंदगी, कचरे का भी हुआ उठाव

अस्पताल परिसर में करवाई सफाई ,ब्लीचिंग पाउडर का किया गया छिड़काव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। पदमेश न्यूज और बालाघाट एक्सप्रेस अखबार की खबर का असर एक बार फिर देखने को मिला है ।जहा शनिवार को प्रकाशित हुई खबर का संज्ञान लेते हुए नगर पालिका और अस्पताल प्रबंधन द्वारा जिला अस्पताल के मुर्दाघर के समीप एकत्र कर रखी गई गंदगी व कचरे को हटा दिया गया है ।साथ ही उक्त स्थान पर ब्लीचिंग पाउडर डालकर उसे साफ किया गया है जिससे जहा एक ओर यहां आने वाले व यहां से गुजरने वाले लोगो को गंदगी से छुटकारा मिल गया है तो वही सड़न मार रही दुर्गंध से लोगो को निजात मिल गई है।

खबर प्रकाशन के बाद हरकत में आया प्रबंधन

आपको बताए कि हमने शनिवार के अंक में जिला अस्पताल में सेहत से खिलवाड़- मुर्दा घर के पास खुले में फेंकी जा रही गंदगी नामक शीर्षक के साथ एक खबर का प्रकाशन किया था ।जिंसमे हमने परिसर में फैल रही दुर्गंध से मरीजो व परिजनो के परेशान होने की बात का उल्लेख करते हुए कचरे के उठाव का उचित प्रबंध न होने से खुले में गंदगी बिखरी पड़ी रहने की बात बताई थी ।साथ ही अस्पताल प्रबंधन को भी मामले से अवगत कराकर खबर का प्रमुखता से प्रकाशन किया था जहां खबर के प्रकाशित होते ही विभाग हरकत में आया और नगर पालिका से बात करके उक्त कचरा व गंदगी का उठाव कर दिया गया है जिससे मुर्दाघर के पास से गुजरने वाले मरीजों व उनके परिजनों सहित अन्य लोगों को राहत मिल गई है।

पूरे परिसर की सफाई करके ब्लीचिंग पाउडर का किया गया छिड़काव

जिला अस्पताल परिसर एक बार फिर साफ-सुथरा नजर आने लगा है। सढांध मारती दुर्गंध भी बंद हो गई है। जिससे यहां भर्ती मरीज और उनके परिजनों ने राहत की सांस ली है। दरअसल जिला अस्पताल से रोजाना निकलने वाले कचरे का निस्तारण नहीं किया जा रहा था। उचित प्रबंध न होने से अस्पताल परिसर के पीछे पोस्टमार्टम घर के पास ही खुले में गंदगी व कचरा फेंका जा रहा था। पोस्टमार्टम घर के समीप ही नाली का मलमा, चाय, नास्ता की प्लेट, डिस्पोजल, पाउच, खराब अनाज, सब्जी, दाल रोटी सहित अस्पताल व आसपास का कचरा एकत्र होने से पूरे अस्पताल परिसर में दम घोंटू दुर्गंध फैल रही थी ।जिससे मरीज व परिजनों का यहां से निकलना मुश्किल हो रहा था ।उधर खबर प्रकाशन के साथ ही सिविल सर्जन के निर्देश पर नपा कर्मचारियों ने न सिर्फ पूरे परिसर की गंदगी व कचरे की सफाई की, बल्कि ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कर संक्रमण को नष्ट करने का काम भी किया है। अब अस्पताल परिसर पहले की तरफ साफ-सुथरा नजर आने लगा है। यहां पहुंचने वालों ने भी राहत की सांस ली है।

इधर धुएं से हो रही परेशानी

जिला अस्पताल परिसर में जहां एक समस्या से निजात मिल गई तो तुरंत ही दूसरी समस्या भी देखी जा रही है इन दोनों जिला अस्पताल के सामने सडक़ किनारे दुकान लगाने वाले फुटकर व्यापारियों से इन दिनों मरीजों को परेशानी हो रही है। बताया गया कि फुटकर आस पास से कचरा एकत्रित कर दुकानों के समीप उसमें आग जलाकर नष्ट करने का काम कर रहे हैं। इस दौरान प्लास्टिक सहित कचरे से निकलने वाला काला धुआं उडक़र पूरे अस्पताल परिसर और वार्डो में फैल रहा है। कचरा जलाने के दौरान काले धुएं में कुछ समय के लिए अस्पताल गुम हो जाता है। मरीज और उनके परिजनों ने कचरे का नष्टीकरण अस्पताल परिसर के समीप न करते हुए अन्यत्र स्थान ले जाकर उसे डंप करने या फिर नष्टीकरण किए जाने की मांग की है।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0058/ड-154/2025-26
मौजा पांढरवानी, रा.नि.मं. लालबर्रा

आम सूचना

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक सपना साहू पिता देवेन्द्र साहू जाति गढेवाल, निवासी ग्राम पांढरवानी, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा पांढरवानी, रा.नि.मं. लालबर्रा, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपने दादाजी कुन्दनलाल पिता सीताराम का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 22.12.1999 मृत्यु की घटना स्थल ग्राम पांढरवानी के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 25.03.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 16.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 17.03.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय बैहर में मनाया गया विश्व उपभोक्ता दिवस

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय बैहर में विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उपभोक्ता संरक्षण समिति बालाघाट अध्यक्ष संतोष असाटी की अध्यक्षता एवं तहसीलदार बैहर सुखदेव मार्को के मुख्य आतिथ्य में आयोजित इस कार्यक्रम में दौरान उपभोक्ता समिति बालाघाट के पदाधिकारीगण व प्रशासनिक अमला मौजूद रहा। इस अवसर पर अतिथिगणों ,द्वारा लोगों को बाजार में होने वाली ठगी से बचने के बारे में बताया गया तथा वस्तु कम तौलना, शील टूटी वस्तु बेचना, मिलावटी वस्तु बेचना, बाजार के दाम से ज्यादा दाम पर वस्तु बेचना और विक्रेता द्वारा क्रेताओं को बिल न देना। आदि की जानकारी देते हुए अधिकारो के तहत जागरूक किया गया। इस दौरान बताया गया कि इन सभी बातों को गंभीरता से लेने की जरूरत है। इसके अलावा सुरक्षा का अधिकार, सूचना प्राप्ति का

अधिकार, चुनाव का अधिकार, सुनने का अधिकार, उपचार प्राप्ति का अधिकार, उपभोक्ता का शिक्षा का अधिकार इसको लेकर भी विस्तार पूर्व जानकारियां प्रदान की गई। अतिथियों ने कहा कि हर साल 15 मार्च को विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य दुनिया भर में उपभोक्ताओं के मूल अधिकारों के संरक्षण को प्रोत्साहन देना है। 1982 में पहली बार यह मनाया गया। 15 मार्च 1962 को औपचारिकता रूप से उपभोक्ता अधिकारों को मान्यता देने वाले पूर्व अमेरिकी राष्ट्पति जान एफ कैनेडी के भाषण के बाद तारीख चुनी गई थी। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथियों में उपभोक्ता संरक्षण समिति बालाघाट के संरक्षक लोचनसिंह देशमुख, उपाध्यक्ष हरीराम सावलानी, कोषाध्यक्ष शिवशंकर तिवारी, सुभाष गुप्ता, डॉ गोपाल प्रसाद श्रीवास्तव, एडवोकेट संदीप नेमा, एडवोकेट श्रीमति वीणा डोंगरे, राजेश गांधी, श्याम कौशल, दिलीप वडीचार, एल.डी.मेश्राम, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी बैहर आकाश श्रीवास्तव, नापतौल अधिकारी आर.के. कुशवाह, दिनेश साहू फूड कार्यालय बैहर, एकलव्य आवासीय विद्यालय बैहर के प्राचार्य जे.पी.मौर्य, सेवानिवृत्त प्राचार्य एफ.एस. कमलेश, बी.एस.मरावी, उपभोक्ता संरक्षण समिति के बिरसा तहसील अध्यक्ष अशोक यैगारे, उपभोक्ता संरक्षण समिति के बैहर तहसील अध्यक्ष सुखसिंह नेताम, दीपक बाहे सहित अन्य उपभोक्तागण उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन एल.डी. मेश्राम द्वारा किया गया।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

-निर्माता-
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

बालाघाट
मंगलवार 17 मार्च 2026

बालाघाट सिटी न्यूज़

3
पद्मेश न्यूज
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

अल्लाह की रजा के लिए 3 साल के मो कासम और मेंहविश फातिमा ने रखा रमजान का रोजा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। चुभन दे रही गर्मी के बीच, पवित्र माह रमजान में मुस्लिम धर्मावलंबियों की इबादातों का दौर जारी है।जहां अधिकतम 36 डिग्री तापमान में भी रोजेदारों के रोजे गर्मी पर भारी पड़ते नजर आ रहे हैं। कंद सुखा देने वाली इस गर्मी में भी मुस्लिम बच्चों का उत्साह कम होने का नाम नहीं ले रहा है जहां अब महज 3 वर्ष के बच्चे भी इस रमजान में रोजे रख अल्लाह की इबादत कर रहे हैं।इसी

कड़ी में वार्ड नं 17 वाधवानी गली निवासी रमीज रजा के 3 वर्षीय बेटे मो कासम और मो इमरान कच्छी की 3 वर्षीय बेटी मेहविश फातेमा ने रमजान का पहला रोजा मुक्कमल किया।आपको बताए कि दोनों बच्चे हाजी यूनुस कच्छी के भतीजे, भतीजी है।जिन्होंने माहे रमजान का रोजा रख गुनाहों से निजात पाने की दुआएं मांगी।वही रमजान का पहला रोजा रख ,रोजेदारों में अपना नाम दर्ज कराया।आपको बताएं कि मुस्लिम धर्मावलंबियों का सबसे पवित्र माह रमजान 19फरवरी से शुरू हो चुका है।जहां मुस्लिम धर्मावलंबियों के द्वारा कंठ सुखाने वाली इस गर्मी में 13 घंटे से अधिक समय तक निर्जल रोजा रख इबादतें की जा रही है। ऐसे कठिन समय और गर्मी में भूखे प्यासे रहकर रोजा रखने पर दोनो बच्चो के वालिद वालदा, परिजनों सहित अन्य समाजिक बन्धुओ ने हर्ष जताते हुए, बच्चो को तोहफे देकर उनकी हौसला अफजाई की है।वही सभी ने बच्चो के लिए नेक दुवाएं की है।

राजकुमार उर्फ राजा कुकरेजा की फिर बढ़ी मुश्किलें

50 लाख की जबरन वसूली के प्रयास के बाद अब एक और एफआईआर

युवती ने लगाया छेड़छाड़ व ब्लेकमेलिंग का आरोप, अपराध दर्ज, अंजलि ट्रैवल्स के संचालक पर फिर हुई कार्रवाई

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

अंजलि ट्रैवल्स के संचालक राजकुमार उर्फ राजा कुकरेजा की मुश्किलें थमने का नाम नही ले रही है।जहां अभी 50 लाख रु की जबरन वसूली के प्रयास और पुलिस द्वारा नगर में निकाला गया कुकरेजा के जुलूस का मामला अभी थमा भी नही है कि एक युवती ने कोतवाली थाना पहुचकर अंजलि ट्रैवल्स के संचालक राजकुमार उर्फ राजा कुकरेजा के खिलाफ छेड़छाड़ कर ब्लैकमेलिंग करने का आरोप लगाया है।जिसकी शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जाच शुरू कर दी है।ज्ञात हो कि आरोपी राजा कुकरेजा के विरुद्ध पूर्व में धोखाधड़ी, आपराधिक षड्यंत्र, दस्तावेजों में कूट रचना, मारपीट एवं बलात्कार जैसे गंभीर प्रकरण सहित कुल 5 अपराध पंजीबद्ध हैं।वर्ष 2024-25 के दौरान उसके विरुद्ध 12 से अधिक शिकायतें विभिन्न पुलिस कार्यालयों में प्राप्त हुई हैं, जिनमें भूमि कब्जा, सूदखोरी, ब्लैकमेलिंग, चेक का दुरुपयोग, झूठे दस्तावेज तैयार कर संपत्ति हड़पने जैसे आरोप शामिल हैं।इसी बीच पुलिस ने रविवार को उसका नगर में जुलूस निकाला तो वही रविवार को एक युवती की शिकायत पर पुलिस ने पुनः छेड़छाड़ व ब्लेकमेलिंग का अपराध दर्ज कर मामले को विवेचना में लिया है।

मां के उपचार के लिए थे युवती ने 50 हजार उधार

बताया गया कि वारासिवनी थाना क्षेत्र अंतर्गत निवासरत एक युवती ने कोतवाली थाना में राजा कुकरेजा के विरुद्ध की शिकायत में बताया कि सन 2021 में मां की तबियत खराब होने पर उनका उपचार कराने के लिए रुपयों की आवश्यकता होने पर वह व उसका भाई अंजलि ट्रवैल्स के संचालक राजा के पास आए थे, यहां पर उसने 50 हजार रुपये दस प्रतिशत की ब्याज दर पर देने की बात कहीं थी लेकिन ब्याज दर अधिक होने पर उससे पांच प्रतिशत लिए जाने की बात कहने पर उसने सहमति दी, लेकिन उन्होंने खाली स्टांप पर हस्ताक्षर करने की बात कहीं, रुपयों की आवश्यकता होने की स्थिति में स्टाप पेपर पर हस्ताक्षर कर 50 हजार रुपये उधार ले लिये थे।

50 हजार रूपये के ब्याज सहित भर दिए, 1 लाख रु, फिर भी नही माना कुकरेजा

युवती ने अपनी शिकायत में बताया कि एक वर्ष तक हर माह उसने उधारी की राशि का ब्याज दी जिसके 30 हजार रुपये हुए और फिर एक मुस्त राशि 70 हजार रुपये 2023 में वापस कर दिए।जब वह कुकरेजा के ऑफिस गई तो इस दौरान उसने आफिस का दरवाजा बंद कर दिया और कहने लगा कि तुम्हारे उपर कुछ रुपये और है, इसलिए खाली चेक व जमीन की पावती दे दो और नहीं देने पर आफिस से बाहर नहीं जाने दूंगा कहा जिससे किसी घटना के डर से मैं डर गई थी, और दो चेक और जमीन की पावती उसे दे दी। जिसके कुछ दिन बाद मैंने उससे हस्ताक्षर किया हुआ स्टांप, चेक व जमीन की पावती मांगी तो ये कहकर टाल दिया कि घर पर रखे है बाद में ले जाना। जिसके बाद उससे लगातार स्टांप, चेक व जमीन की पावती मांगती रही, वहीं 2025 में हिम्मत कर एक बार फिर से उससे अपना सामान मांगने गई तो उसने बुरी नियत से मेरे साथ छेड़छाड़ किया और गंदी हरकत कर शारीरिक संबंध बनाने की डिमांड करने लगा और कहा कि मेरे साथ ही रहों मैं जैसा बोलता हूं वैसा करों नहीं तो 15 हजार रुपये ओर देने होंगे ,नहीं देने पर ब्लेंक चेक को बैंक में लगाकर कोर्ट केस करुगा। जिसके बाद मैं वहां से चली गई। जिस पर उसने ब्लेंक चेक लगाकर कोर्ट केस किया है, और तीन लाख रुपये देने या फिर शारीरिक संबंध बनाने पर कोर्ट केस वापस लेने की बात कह रहा था। जिससे परेशान होकर उसके खिलाफ मैंने शिकायत की है।

बेरोजगारी से परेशान युवक ने लगाई फांसी ?

सुषमा लेआउट में फांसी के फंदे पर लटका मिला नीलेश का शव, नगर के वार्ड नंबर 4 का मामला, जांच में जुटी पुलिस, शिक्षक पिता ने कहा- बेरोजगारी के चलते लगाई होंगी फांसी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कोतवाली पुलिस ने नगर के वार्ड नंबर 4 सुषमा ले-आउट स्थित एक मकान से फांसी के फंदे पर लटका एक युवक छात्र का शव बरामद किया है। जिसके फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की आशंका जा रही है।हालांकि युवक ने यह कदम क्यों उठाया ,फिलहाल यहा स्पष्ट नहीं हो पाया है।लेकिन मृतक युवक के परिजनों द्वारा बेरोजगारी से तंग आकर आत्महत्या का कदम उठाए जाने की आशंका जताई जा रही है। मृतक युवक का नाम वार्ड नंबर 4 सुषमा ले-आउट निवासी 29 वर्षीय निलेश पिता साहेबलाल दसरिये बताया गया है।जिसके शव को बरामद कर,अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी कर ,शव का सोमवार की दोपहर जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराकर, अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया गया है,तो वहीं कोतवाली पुलिस द्वारा इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है।जहां पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट होने की बात पुलिस द्वारा कहीं जा रही है।

बीएड की पढ़ाई कर रहा था निलेश

प्राप्त जानकारी के अनुसार वार्ड नंबर 4 सुषमा ले-आउट निवासी मृतक नीलेश के पिता साहेबलाल दसरिये हाई सेकेंडरी स्कूल बिठली में बतौर शासकीय शिक्षक के तौर पर पदस्थ है।जबकि छोटा भाई सिद्धांत पढ़ाई करता है, वही बहन ज्योति की शादी हो चुकी है जो अपने ससुराल में रहती है। बताया गया कि निलेश घर में बड़ा भाई था, जो वर्तमान समय में बीएड की पढ़ाई कर रहा था।वही जॉब ना मिलने के चलते घर पर ही रहता था।प्राप्त जानकारी के अनुसार 15 मार्च रविवार की रात करीब 11 बजे परिवार के सभी लोगों ने मिलकर साथ में खाना खाया और अपने-अपने कमरे में सोने चले गए। बताया गया कि निलेश भी ऊपर वाले अपने कमरे में सोने के लिए गया था, जिसने वही फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

छोटे भाई सिद्धांत ने खिड़की से झांका तो फांसी पर लटका था शव

बताया गया कि सोमवार की सुबह करीब 5:30 बजे नीलेश के पिता साहेबलाल जब सोकर उठे तो उन्होंने परिवार के अन्य लोगों को उठाया,वही छोटे लड़के सिद्धांत को बोला कि निलेश को ऊपर कमरें में जाकर उठाओ, जब सिद्धांत ऊपर वाले कमरे में निलेश को उठने गया तो वह चिल्लाते हुए बोला कि भैया ने फांसी लगा ली है। इस पर निलेश की मां बसंती सहित परिवार के सभी लोग दौड़कर नीलेश के कमरे में गए, लेकिन कमरा अंदर से बंद था।खिड़की से देखे तो उनके बड़े बेटे निलेश ने छत के लोहे के हुक में नायलॉन की रस्सी से फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। उसके शरीर पर कोई हलचल नहीं दिख रही थी जिस पर परिजनों ने दरवाजा तोड़कर निलेश के शव को नीचे उतारा और मामले की सूचना पुलिस को दी। जहां मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा सहित अन्य आवश्यक कार्यवाही पूरी कर परिजनों के बयान दर्ज किए, वहीं शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है।

बेरोजगारी से तंग आकर लगाई होगी फांसी- साहेबलाल

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान हायर सेकेंडरी स्कूल बिठली में पदस्थ शिक्षक एवं मृतक के पिता साहेबलाल दसरिये ने बताया कि रोजाना की तरह निलेश परिजनों के साथ खाना खाकर रात्रि करीब 11 बजे सोने के लिए ऊपर वाले कमरे में चला गया था जो सुबह जल्दी सो कर नहीं उठा, जब छोटा पुत्र उसे उठाने गया तो अंदर से दरवाजा बंद था। बार-बार आवाज देने पर भी भीतर से कोई आवाज नहीं आ रही थी जिस पर खिड़की से झांककर देखा तो नीलेश का शव ,फांसी के फंदे पर लटका हुआ था।निलेश ने फांसी क्यों लगाई इसकी हमें कोई जानकारी नहीं है उसके ऊपर कोई जिम्मेदारी नहीं थी, उसके ऊपर कोई कर्ज भी नहीं था, निलेश ने एलएलबी की पढ़ाई की थी, इंग्लिश में एमए की पढ़ाई पूरी की थी, वर्तमान समय में वह बीएड कर रहा था, एमपी ऑनलाइन की एक दुकान भी है । किसी प्रकार का कोई टेंशन नहीं था, बस उसके सभी साथ वाले दोस्त जॉब पर लग चुके है, जबकि वर्तमान में निलेश कुछ भी काम नहीं कर रहा था और घर पर ही रहता था। हो सकता है कि इसी बेरोजगारी से तंग आकर उसने फांसी लगाकर आत्महत्या की होगी।

मामले की जांच जारी है- रहांगडाले

इस पूरे मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान कोतवाली थाना एसआई रामकिशोर रहांगडाले ने बताया कि मृतक के पिता ने दूरभाष पर जानकारी दी थी कि उनके पुत्र ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है।मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचकर मौका स्थल का निरीक्षण किया गया है पंचनामा कार्यवाही कर, शव बरामद कर, शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है। वहीं परिजनों के बयान के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि इस मामले में युवक के कमरे से किसी प्रकार का सुसाईड नोट नहीं मिला है, पर परिजनों द्वारा बताया जा रहा है कि बेरोजगारी के चलते उसने यह कदम उठाया होगा। उसने यह कदम क्यों उठाया, फिलहाल कुछ कहा नहीं जा सकता,जहा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि युवक ने यह कदम क्यों उठाया है।पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही हैं।

सुसाईड नोट लिखकर, छात्र ने लगाया मौत को गले

भरवेली के दुर्गामाई कॉलोनी में फांसी पर लटका मिला सजन का शव

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिंदगी से परेशान एक छात्र ने ,सुसाइड नोट लिखकर मौत को गले लगा लिया। जिसका शव, पुलिस ने सोमवार की सुबह फांसी के फंदे से बरामद किया है।मामला भरवेली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली दुर्गामाई कॉलोनी का है।जहां निवासी 20 वर्षीय छात्र सजन पिता गोपीराम पटेल ने अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या कर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली।जिसके शव को बरामद कर जिला अस्पताल लाया गया।जहां आवश्यक कार्यवाही के बाद भरवेली पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर अंतिम संस्कार के लिए शव उनके परिजनों के सुपुर्द किया है तो वही पुलिस द्वारा मामले की जांच शुरू कर दी गई है।हालांकि युवक ने ऐसा कदम क्यों उठाया, फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है।

बीकॉम का छात्र था सजन

प्राप्त जानकारी के अनुसार सजन बीकॉम की पढ़ाई कर रहा था, बताया गया कि बीती रात सजन, खाना खाने के बाद अपने कमरे में चले गया था।जब बड़ा भाई किसन, रात्रि तकरीबन 11 से 12 बजे के बीच कमरे में पहुंचा तो दरवाजा अंदर से बंद था। बार-बार आवाज देने पर भीतर से जब कोई जवाब नहीं आया तो उसने मामले की सूचना अन्य परिजनों को दी और अन्य परिजनों के साथ मिलकर दरवाजा तोड़ा गया। जहां देखने पर सजन का शव कमरे के पंखे में फांसी के फंदे पर लटका हुआ था।

सुसाइड नोट लिखा, परेशान होकर उठा रहा यह कदम

बताया गया कि युवक सजन, बीकॉम का छात्र था। जिसके बिस्तर से पुलिस ने एक सुसाईड नोट भी बरामद किया है। जिसमें सजन पटेल ने लिखा है कि वह यह कदम, परेशान होकर उठा रहा है। हालांकि वह परेशान क्यों था? यह जांच के बाद ही सामने आ पाएगा। फिलहाल भरवेली पुलिस ने सुसाईड नोट को बरामद

कर, परिजनों के बयान के आधार पर आगे की जांच शुरू कर दी है।

मामले की जांच जारी है- कावरे

मामले को लेकर की गई चर्चा के दौरान भरवेली थाना एएसआई सोमलाल कावरे ने बताया कि सुसाईड नोट को बरामद कर लिया गया है। मामले में परिजनों ने बताया कि सजन ने स्वयं फांसी लगाई है।जब अंदर से बंद दरवाजे को तोड़ा गया था तो सजन, कमरे के पंखे में फांसी पर लटका था। जिसके बिस्तर से एक सुसाईड नोट मिला है, जिसमें युवक ने लिखा है कि, उसने यह कदम परेशानी में उठाया है। फिलहाल मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है। जांच के बाद ही मौत के कारणों का पता चल पाएगा।

अमर शहीद श्रद्धांजलि ट्रॉफी अंडर-15 फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ

स्वर्गीय आशीष शर्मा की स्मृति में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पहले ही दिन दिखा युवाओं का जोश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्य प्रदेश फुटबॉल संघ एवं जिला फुटबॉल संघ के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित प्रदेश स्तरीय अंडर-15 बॉयज स्टेट चैंपियनशिप अमर शहीद श्रद्धांजलि ट्रॉफी का शुभारंभ स्वर्गीय आशीष शर्मा की स्मृति में हर्षोल्लास के साथ किया गया। प्रतियोगिता के उद्घाटन अवसर पर सर्वप्रथम उपस्थित अतिथियों, खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों ने स्वर्गीय आशीष शर्मा के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके खेल और समाज के प्रति योगदान को याद किया।

उद्घाटन समारोह में नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत सिंह ठाकुर, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष एवं आयोजन समिति के अध्यक्ष रमेश रंगलानी, समाजसेवी जितेंद्र कोचर, सुभाष गुप्ता तथा मध्य प्रदेश फुटबॉल संघ के प्रदेश सचिव अमित रंजन देव मुख्य रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया और खिलाड़ियों को खेल भावना, अनुशासन तथा टीम भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान अतिथियों ने कहा कि खेल युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास का महत्वपूर्ण माध्यम है। फुटबॉल जैसे खेल युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम वर्क की भावना विकसित करते हैं। उन्होंने आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बेहतर मंच प्रदान करती हैं। प्रतियोगिता के पहले दिन खेले गए मुकाबलों में खिलाड़ियों का जोश और उत्साह देखते ही बन रहा था।

पहला मुकाबला मदनपुर महाराज और बालाघाट की टीम के बीच खेला गया। इस मैच में बालाघाट की टीम ने शानदार तालमेल, तेज आक्रमण और बेहतरीन खेल कौशल का प्रदर्शन करते हुए प्रतिद्वंद्वी टीम को 7-0 के बड़े अंतर से पराजित कर प्रतियोगिता में दमदार शुरुआत की। बालाघाट के खिलाड़ियों ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया और लगातार गोल करते हुए मैच पर अपना पूरा नियंत्रण बनाए रखा। दूसरा मुकाबला सुबह 10 बजे नर्मदा वैली मंडला और जबलपुर की टीमों के बीच खेला गया। इस मैच में दोनों टीमों के खिलाड़ियों ने शुरुआत में कड़ा संघर्ष किया, लेकिन बाद में मंडला की टीम ने अपनी रणनीति और आक्रामक खेल से बढ़त बना ली। अंततः मंडला की टीम ने जबलपुर को 7-2 के अंतर से हराकर शानदार जीत दर्ज की। मैच के दौरान खिलाड़ियों के बेहतरीन पासिंग, तेज दौड़ और गोल करने की क्षमता ने मैदान में मौजूद दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। प्रतियोगिता के दौरान मैदान में बड़ी संख्या में खेल प्रेमी, स्थानीय नागरिक और युवा खिलाड़ी उपस्थित रहे, जिन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। पूरे वातावरण में खेल भावना और उत्साह का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर आयोजन समिति के सदस्य गणेश अग्रवाल, डॉ. अक्षय कटरे, पूनम धुवारे, दिलीप राजपूत, पूनम गोराले, दीपक जैन, अखिलेश खोबरागड़े सहित अनेक गणमान्य नागरिक, खेल प्रेमी और खिलाड़ी उपस्थित रहे। आयोजन समिति के सदस्यों ने प्रतियोगिता के सफल संचालन के लिए अपनी सक्रिय भूमिका निभाई।

विवादों में घिरा महाविद्यालय का स्नेह सम्मेलन कार्यक्रम

जनप्रतिनिधियों ने प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने का महाविद्यालय प्रशासन पर लगाया आरोप

दो दिवसीय स्नेह सम्मेलन कार्यक्रम आज, जिला पंचायत अध्यक्ष व अन्य प्रमुख जनप्रतिनिधियों का आमंत्रण कार्ड में नही है नाम

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में आयोजित होने वाला स्नेह सम्मेलन कार्यक्रम शुरू होने से पहले ही विवादों की भेंट चढ़ गया है। महाविद्यालय प्रबंधन पर क्षेत्र के प्रमुख जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा करने और वित्तीय कार्यों में भारी अनियमितता बरतने के गंभीर आरोप लगे हैं। इस मामले को लेकर क्षेत्र की राजनीति में हड़कंप मच गया है और जनप्रतिनिधियों ने महाविद्यालय प्रबंधन के विरूध्द कड़ा आक्रोश व्यक्त करते हुए इस दो दिवसीय स्नेह कार्यक्रम को राजनीतिक बनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 20 में शासकीय महाविद्यालय आता है। लेकिन उसी क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य, जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार, जिला पंचायत सभापति डुलेन्द्र ठाकरे, झामसिंह नागेश्वर सहित अन्य जनप्रतिनिधियों का आमंत्रण कार्ड में अतिथि न बनाये जाने एवं कार्यक्रम में लगने वाले टेंट व अन्य सामग्री की निविदा खुलने के पहले ही अपने परिचित को लाभ पहुंचाने हेतु पहले ही टेंट का सामान महाविद्यालय में बुला लिया गया था। इस तरह से 17 मार्च से शुरू होने वाले दो दिवसीय शासकीय महाविद्यालय का स्नेह सम्मेलन विवादों में घिरता हुआ नजर आ रहा है।

आमंत्रण पत्र से जनप्रतिनिधियों के नाम नदारद

शासकीय महाविद्यालय का विवाद का मुख्य कारण स्नेह सम्मेलन के आमंत्रण पत्र में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के नामों का उल्लेख न होना है। वहीं जनप्रतिनिधियों का कहना है कि महाविद्यालय प्रबंधन ने प्रोटोकॉल का उल्लंघन करते हुए क्षेत्रीय नेतृत्व को पूरी तरह नजरअंदाज किया है। वहीं आक्रोशित जनप्रतिनिधियों ने बताया कि आमंत्रण कार्ड में जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार, जिला पंचायत सदस्य, सभापति डुलेन्द्र ठाकरे, झामसिंह नागेश्वर, पांढरवानी सरपंच अनीस खान, पनबिहरी सरपंच विरेन्द्र बनवाले, जनपद सदस्य श्रीमती सुनिता बालकरण पंचेश्वर जैसे प्रमुख नामों को स्थान नहीं दिया गया है। जनप्रतिनिधियों का तर्क है कि यह न केवल उनका अपमान है, बल्कि क्षेत्र की जनता की भावनाओं के साथ भी खिलवाड़ है।

निविदा प्रक्रिया पर उठे सवाल, चहेतों को लाभ पहुंचाने का आरोप

स्नेह सम्मेलन कार्यक्रम के आयोजन के साथ-साथ आर्थिक लेन-देन और व्यवस्थाओं को लेकर भी महाविद्यालय प्रबंधन पर भ्रष्टाचार के आरोप लग रहे हैं। बताया जा रहा है कि कार्यक्रम में डेकोरेशन और अन्य व्यवस्थाओं के लिए किसी भी पारदर्शी निविदा (टेंडर) प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। निविदा जमा करने की अंतिम तारीख 14 मार्च थी और 16 मार्च को खुलना था, लेकिन निविदा प्रकाशन और उसे खोलने की आधिकारिक प्रक्रिया से पहले ही संबंधित डेकोरेशन संचालक की सामग्री कालेज मैदान में पहुंच चुकी थी। जिसके कारण अन्य डेकोरेशन संचालक फार्म जमा नही किये और दो निविदा फार्म के बीच में ही निविदा खोलकर कम दर वाले व्यक्ति को टेंडर दिया गया है। वहीं टेंट संचालकों व अन्य लोगों का आरोप है कि महाविद्यालय प्रबंधन के द्वारा अपने करीबियों को आर्थिक लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से नियमों को ताक पर रखकर यह पूरी प्रक्रिया अपनाई गई है। इस तरह से महाविद्यालय प्रबंधन ने प्रोटोकॉल का उल्लंघन एवं निविदा खुलने के पहले की अपने लोगों को लाभ दिलवाने के लिए टेंट व अन्य सामग्री बुला लेने की इस पूरे घटनाक्रम से स्थानीयजनों और नेताओं में गहरा रोष व्याप्त है। जनप्रतिनिधियों का कहना है कि शासकीय संस्थानों में इस तरह की मनमानी बर्दाश्त नहीं की जायेगी, उन्होंने इस मामले की उच्च स्तरीय जांच और दोषियों पर कार्यवाही करने की मांग की है।

नियमानुसार नही हुई है निविदा की प्रक्रिया - दिनेश

दिनेश फुंडेकर ने बताया कि महाविद्यालय में स्नेह सम्मेलन में डेकोरेशन की सामग्री की निविदा के संबंध में जानकारी मिली थी और फार्म जमा करने गये थे परंतु निविदा की प्रक्रिया पूर्ण होने के पहले ही महाविद्यालय परिसर में डेकोरेशन की सामग्री पहुंच चुकी थी।जबकि निविदा खुलने के बाद सामग्री पहुंचना चाहिए, इस तरह से महाविद्यालय प्रबंधन के द्वारा नियमों का ताक पर रखकर अपनी मनमानी कर अपने लोगों को लाभ पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है जो गलत है।

आमंत्रण कार्ड में स्थानीय एवं प्रमुख जनप्रतिनिधियों के नाम गायब है - बिसेन

ऑल्याकन्हार सरपंच प्रतिनिधि ओपी बिसेन ने बताया कि दो दिवसीय स्नेह सम्मेलन 17 मार्च से कालेज में है लेकिन जब हमने आमंत्रण कार्ड को देखा तो उसमें स्थानीय एवं प्रमुख निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के नाम गायब थे और जिला पंचायत अध्यक्ष सम्राटसिंह सरस्वार जिन्हे रा'यमंत्री का दर्जा प्राप्त है उनका भी नाम आमंत्रण कार्ड में नही है। जिससे एक घटिया राजनीति का समावेश महाविद्यालय में समझ आ रहा है जिसके कारण स्थानीयजन एवं जनप्रतिनिधियों के समर्थकों में नाराजगी है। हमारी मांग है कि तत्काल कार्ड को निरस्त कर पुनः नया कार्ड छपवाकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं जिला पंचायत अध्यक्ष के नाम के साथ जारी होना चाहिए।

प्रोटोकॉल का महाविद्यालय प्रशासन ने किया है उल्लंघन - अनीस

पांढरवानी सरपंच अनीस खान ने बताया कि कॉलेज प्रबंधन के द्वारा लापरवाही बरती जा रही है और स्नेह सम्मेलन कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की अपेक्षा की गई है। प्राचार्य एवं बाबू के द्वारा एक तरफा अपना राज महाविद्यालय पर चलाया जा रहा है, जानकारी यह भी प्राप्त हो रही है कि एक नेता के द्वारा अपने घर में बैठकर महाविद्यालय के आमंत्रण कार्ड में किसके नाम होना चाहिए, किसके नहीं यह तय करता है और उसमें अपना नाम भी छपवाता है इस तरह से महाविद्यालय प्रबंधन के द्वारा प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया गया है। साथ ही कार्यक्रम में लगने वाले सामग्री की निविदा में भी लापरवाही बरती गई है, जिसकी शिकायत उच्च शिक्षा विभाग से की जायेगी।

सभी आरोप निराधार है - भिमटे

प्रभारी प्राचार्य डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे ने बताया कि महाविद्यालय प्रबंधन के द्वारा नियमानुसार लालबर्रा के सभी डेकोरेशन वालों को निविदा की जानकारी दी गई थी और जमा करने की अंतिम तारीख 14 मार्च थी। जिसमें दो लोगों ने फार्म जमा किये थे और 16 मार्च को निविदा खोला गया जिसमें जिसका सबसे कम दर था उसे टेंट व अन्य सामग्री का टेंडर दिया गया है। श्री भिमटे ने बताया कि आमंत्रण पत्र में जो नाम तय हुए हैं, सभी के सर्वसम्मति से तय हुए हैं, किसी तरह का कोई भी प्रोटोकॉल का उल्लंघन नहीं है। यदि कुछ नाम छूट भी रहे तो हम उन्हें सस्मान इस कार्यक्रम में आमंत्रित करते हैं, जो आरोप लगाये जा रहा है वह पूरी तरह से निराधार है।

जाम में 4 दिवसीय ऑल इंडिया महिला-पुरूष कबड्डी प्रतियोगिता 22 से

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी दूर ग्राम पंचायत जाम में 22 मार्च से 4 दिवसीय ऑल इंडिया महिला-पुरूष कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। चर्चा में आयोजन समिति

के पदाधिकारियों ने बताया कि इस ऑल इंडिया महिला-पुरूष कबड्डी प्रतियोगिता जाम के बाजार चौक स्थित मैदान में 22 मार्च से प्रारंभ होगा। जिसमें पुरूष वर्ग में प्रथम पुरस्कार 71,000 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 41,000 रूपये, तृतीय पुरस्कार 21,000 रूपये, महिला वर्ग में प्रथम पुरस्कार 31,000 रूपये, द्वितीय पुरस्कार 21,000 रूपये एवं तृतीय पुरस्कार 11,000 रूपये रखा गया है। वहीं आयोजित 4 दिवसीय ऑल इंडिया महिला-पुरूष कबड्डी प्रतियोगिता का समापन 25 मार्च को समारोहपूर्वक किया जायेगा। इस अवसर पर जिलेभर के खेलप्रेमियों व खिलाड़ियों से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील आयोजन समिति अध्यक्ष, जाम सरपंच सुरेन्द्र बलोने, उपाध्यक्ष, पूर्व सरपंच प्रतिनिधि देवराज ठकरेले, कोषाध्यक्ष, सेन समाज जिलाध्यक्ष सत्यनारायण श्रीवास, मैनेजर राजेश नगपुरे, कोच रमेश चौहान, व्यवस्थापक, पूर्व जनपद सदस्य अशोक नगपुरे, सर्वसमाज अध्यक्ष गनपत तरवरे, कार्यक्रम प्रभारी, समाजसेवी डॉ. कपिल लिल्हारे, सचिव पंडित अखिलेश तिवारी सहित अन्य पदाधिकारियों ने की है।

महाविद्यालय में वार्षिक स्नेह सम्मेलन आज से

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में 17 मार्च से दो दिवसीय वार्षिक स्नेह सम्मेलन का आयोजन किया गया है। चर्चा में महाविद्यालय प्राचार्य प्रो सुमन बरवा ने बताया कि महाविद्यालय का 16 वां दो दिवसीय वार्षिक स्नेह सम्मेलन 17 मार्च से प्रारंभ होगा और इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक व अन्य कार्यक्रम आयोजित किये गये है। जिसमें प्रथम दिन 17 मार्च को प्रातः 11 बजे से ललित कला एवं साहित्यिक गतिविधि कार्यक्रम जनपद अध्यक्ष श्रीमती देवीलता ग्वालवंशी के मुख्य आतिथ्य, उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल एवं मानपुर सरपंच बलराम गौतम के विशिष्ट आतिथ्य में प्रारंभ होगा एवं 18 मार्च को प्रातः 11 बजे से सांस्कृतिक एवं पुरस्कार वितरण कार्यक्रम सांसद श्रीमती भारती पारधी के मुख्य आतिथ्य, विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे, पूर्व केबिनेट मंत्री गौरीशंकर बिसेन, पिछड़ा वर्ग आयोग सदस्य मौसम बिसेन के विशिष्ट आतिथ्य में प्रारंभ होगा। आगे बताया कि 17 मार्च को ललित कला एवं साहित्यिक गीतिविधियों के अन्तर्गत रंगोली, मेहंदी, पोस्टर/ड्रांइग, पुष्प स'जा, केश स'जा प्रतियोगिता एवं 18 मार्च को सांस्कृतिक कार्यक्रम के अन्तर्गत एकल नृत्य, समूह नृत्य, एकल गायन, युगल गायन तथा फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता एवं पुरस्कार वितरण के साथ कार्यक्रम का समापन किया जायेगा।

सिवनीखुर्द मे खेतों मे हाथी के पांव निशान दिखाई देने से किसान स्तब्ध

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत सिवनीखुर्द मे सोमवार की सुबह जब गांव के किसान अपने खेतों की ओर गए तो उन्होंने

अपने खेतों मे किसी बड़े से वन्यजीव हाथी के पांव के निशान दिखलाई देने से किसान आश्चर्य चकित एवं स्तब्ध रहे गए। ग्राम पंचायत सिवनीखुर्द सरपंच कृष्णा रनगिरे के खेतों मे लगी धान की फसल में सबसे अधिक हाथी के पांव के निशान दिखलाई दिए हैं। चर्चा में सरपंच कृष्णा रनगिरे ने बताया कि सुबह किसान खेत के तरफ गए तो खेतों मे उन्हे बड़े बड़े पांव के निशान दिखलाई दिए। हम सभी को जानकारी लगी हमने भी निशान देखे तो किसी बड़े एवं अधिक उम्र के हाथी के निशान देखे, जो ग्राम जानवा कटोरी के नाले की तरफ से गांव मे रात्रि के समय आया होगा और गांव के खेतों से होता हुआ ही वापस उसी दिशा से चला गया होगा ऐसी संभावना गांव के बड़े बुजुर्गों द्वारा जताई जा रही हैं। बहरहाल खेतों मे हाथी के पांव के निशान दिखाई देने पर लोगों ने वन विभाग के कर्मचारियों एवं अधिकारियों को सूचना दी। जिस पर वन विभाग के कर्मचारी हाथी की खोजबीन करने मे जुट गए हैं। लेकिन सुबह से शाम हो जाने पर भी हाथी का सुराग नहीं मिल पाया है। वन विभाग के कर्मचारियों एवं अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार सिर्फ एक ही हाथी है जो कोसमदेही कोसमारा होते हुए पीपलगांव ककोड़ी बेलगांव बेनेगांव होते हुए सिवनी पहुंचा था जो रात्रि मे ही जंगल की ओर चला गया। जिसके पीछे वन विभाग की टीम हाथी एवं आम जनमानस की सुरक्षा के लिए पिछले दो दिनों से चल रही हैं।

चिल्लौद, खमरिया एवं जाम में स्वास्थ्य शिविर का हुआ आयोजन

कुपोषित बच्चों की हुई जांच, उचित उपचार और विशेष देखभाल के बारे में दी गई जानकारियां

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के अंतर्गत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप एवं परियोजना अधिकारी श्रीमती रानु शिवहरे, बीएमओ डॉ. रितु धुर्वे के मार्गदर्शन में सोमवार को विकासखंड के विभिन्न ग्रामों में स्वास्थ्य जांच शिविरों का सफल आयोजन किया गया। महिला बाल विकास विभाग एवं स्वास्थ्य विभाग के समन्वय से आयोजित ग्राम चिल्लौद, खमरिया और जाम में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। वहीं शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों के कुपोषित बच्चों की स्वास्थ्य की जांच करना और उन्हें आवश्यक उपचार प्रदान करना था। आयोजित स्वास्थ्य शिविर में मेडिकल ऑफिसर डॉ. मुकेश चौहान एवं डॉ. कामिनी टेंभरे द्वारा कुपोषित सहित अन्य बच्चों के स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जांच के उपरांत जरूरतमंद बच्चों को निःशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया। साथ ही ब'चों के साथ आये अभिभावकों को पोषण और स्व'छता के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। वहीं गंभीर रूप से कुपोषित ब'चों के अभिभावकों को उचित उपचार और विशेष देखभाल हेतु पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) में भर्ती करने की सलाह दी गई ताकि बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार हो सके। चर्चा में मेडिकल ऑफिसर डॉ. मुकेश चौहान ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत सोमवार को लालबर्रा क्षेत्र के ग्राम चिल्लौद, खमरिया एवं जाम में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया और इस अवसर पर बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हे निःशुल्क दवाईयां भी प्रदान की गई है। साथ ही कुछ कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने उनके अभिभावकों से कहा गया है और उनके बेहतर स्वास्थ्य के लिए उन्हे एनआरसी केन्द्र में भर्ती करने की सलाह दी गई है। डॉ. चौहान ने बताया कि शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में कुपोषित बच्चों की पहचान करना और उन्हें उचित उपचार प्रदान करना था। इस अभियान को सफल बनाने में महिला बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर श्रीमती नाजिया खान (जाम), श्रीमती प्रिया ठाकुर (चिचगांव), श्रीमती पूजा सेनदरे (खमरिया), स्वास्थ्य विभाग से एएनएम, एमपीडब्ल्यू सहित स्थानीय आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और आशा कार्यकर्ताओं का विशेष योगदान रहा।

कालेज में तनाव प्रबंधन की पहलुओं पर आधारित मनोबल सत्र का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशों के परिपालन में नगर मुख्यालय स्थित शासकीय महाविद्यालय में 16 मार्च को विद्यार्थियों की मानसिक स्वास्थ्य एवं कल्याण तथा आत्महत्या के बढ़ते प्रकरण की रोकथाम हेतु तनाव प्रबंधन की विभिन्न पहलुओं पर आधारित मनोबल सत्र का आयोजन किया गया। वहीं आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से महाविद्यालय में अनेक जागरूकता कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं जिसमें आगामी दो-तीन माह में परीक्षा संचालित की जानी है, अनेक विद्यार्थियों के लिए यह समय तनाव पूर्ण एवं चुनौतियों से भरा होता है। ऐसे समय में विद्यार्थियों को न केवल अध्ययन पर ध्यान केन्द्रित करना आवश्यक है। बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाये रखते हुए तनाव का सहज एवं सकारात्मक ढंग से सामना करना भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस संबंध में महाविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु परीक्षा समय पर तनाव प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं पर आधारित मनोबल सत्र का आयोजन आभासी माध्यम से किया गया है। जिसमें गत 13 मार्च को डॉ. तन्मय जोशी सहायक प्राध्यापक मनोचिकित्सा विभाग एआईएमएस भोपाल इनका विषय शैक्षणिक मनोवैज्ञानिक तनाव से कैसे दूर रहे जिस पर उनके द्वारा महत्वपूर्ण तथ्यों पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को शैक्षणिक तनाव के मुख्य कारणों से परीक्षा और परिणाम का डर, उम्मीदों का बूझ, भारी सिलेबस और समय, कड़ी प्रतिस्पर्धा भविष्य और कॉरियर की चिंता तथा मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाये रखने के लिए महत्वपूर्ण बातों से अवगत करवाया। वहीं 14 मार्च को मनोजकुमार शर्मा आईपीएस महानिरीक्षक (आई जी) महाराष्ट्र (मुंबई पुलिस) ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बिना तनाव के महत्वाकांक्षाओं को कैसे प्राप्त करे उस पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को समय प्रबंधन, सही दिशा में कार्य करने और महापुरूषों के जीवन वृत्तांत का अध्ययन करने, बेहतर चारितिक विकास, पारिवारिक रिश्तों के साथ भावनात्मक जुड़ाव रखने तथा क्षमता अनुरूप कार्य करने की बात कही गई। साथ ही मानवीय मूल्यों की दिशा में कार्य करने पर बल दिया।16 मार्च को श्री सत्य साईं सेवा संगठन म.प्र. ने ध्यान सत्र के दौरान मानसिक शांति ध्यान के उपयुक्त वस्तु-ज्योति तथा ब्रम्ह मुहर्त में ध्यान की तैयारी, ध्यान क्या है, ध्यान के महत्व पर महत्वपूर्ण जानकारी से अवगत करवाया ताकि विद्यार्थी बेहतर जीवन के मूल्यों को पहचान सके। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में कार्यक्रम के नोडल अधिकारी डॉ. प्रदीपकुमार भिमटे, डॉ. देवराज चौरे, नरेश सौलखे, डॉ. ऋषिकेश पटेल, श्रीमती संध्या भलावे, मनीश शिवहरे, डॉ. आशीष बागडे, डॉ. कामाक्षा बिसेन, श्रीमती आशा कारे, श्रीमती अनिभा शरणागत, श्रीमती आरती विश्वकर्मा, यादोराव राजुरकर, व्यकटे नगपुरे, श्रीमती सरिता ऐडे, पीतम मुरते, रामदयाल मथारे, श्रीमती वंदना कुर्वे, प्रसिक हुमनेकर, सोनम हरिनखेडे, मिनेश पंचेश्वर, निशांत तलवरे एवं विद्यार्थियों का सराहनीय योगदान रहा।

खापा से झालीवाड़ा मार्ग बदहाल, प्रशासन बेखबर

पत्थरों और गड्ढों के बीच सफर करने को मजबूर ग्रामीण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत खापा से झालीवाड़ा को जोड़ने वाला कच्चा मार्ग वर्तमान में अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। पिछले लंबे समय से इस मार्ग की सुध नही लिए जाने के कारण यह सड़क अब पूरी तरह से जर्जर हो चुकी है। जगह जगह गहरे गड्ढे और बाहर निकले नुकीले पत्थरों ने राहगीरों का चलना दूभर कर दिया है। इस मार्ग से रोजाना सैकड़ों ग्रामीण और स्कूली विद्यार्थी आवागमन करते हैं। सड़क पर गिट्टी के छोटे बड़े पत्थर इस कदर बाहर निकल आए हैं कि आए दिन दुपहिया वाहन चालक फिसलकर चोटिल हो रहे हैं। विशेषकर विद्यार्थियों को स्कूल जाने के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ती है जिससे उनकी शिक्षा और सुरक्षा दोनों प्रभावित हो रही है। उक्त मार्ग कच्चा होने के कारण वर्तमान में आवागमन करते समय गड्ढे और सड़क पर उभरे हुए पत्थर समस्या है। बरसात के समय यह समस्या और जटिल हो जाती है पूरे मार्ग पर कीचड़ का अंबार लगा होता है। जहां आवागमन करना बहुत ज्यादा खतरनाक हो जाता है। ऐसे में इस ३ किलोमीटर की दूरी के मार्ग को छोड़कर लोगों को ८ किलोमीटर दूरी वाला मार्ग का चयन करना पड़ता है। कई बार इस मार्ग पर हदसे भी घटित हो जाते हैं जिसमें राहगीर ग्रामीण विद्यार्थी चोटिल होते हैं उनके कपड़े खराब होते हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि इस मार्ग को पक्का करने या कम से कम ग्रेवल सड़क बनवाने की मांग वे कई बार प्रशासन और संबंधित विभाग के अधिकारियों से कर चुके हैं। लेकिन हर बार उन्हें केवल कोरा आश्वासन ही मिला हैं जिम्मेदार अधिकारी की इस अनदेखी को लेकर अब ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है। सड़क की हालत इतनी खराब है कि आपातकालीन स्थिति में आना जाना भी मुश्किल हो जाता है। यह एक गंभीर समस्या है ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सड़कों का अभाव ना केवल विकास को रोकता है बल्कि सुरक्षा के लिए भी खतरा है।

खापा से झालीवाड़ा मार्ग बनना अति आवश्यक है- कस्तूरचंद ठाकरे

ग्रामीण कस्तूरचंद ठाकरे ने बताया कि खापा से झालीवाड़ा मार्ग हम लोगों के लिए बहुत जरूरी है। यहां से विभिन्न ग्रामीण क्षेत्र के लिए हम आवागमन करते हैं समीप का मार्ग है। वहीं विद्यार्थी लोग शिक्षा अध्ययन के लिए भी आना जाना करते हैं इस मार्ग पर आने जाने में बहुत ज्यादा दिक्कत बनी हुई है। अभी सूखे समय में थोड़ी सुविधा है परंतु बारिश में कीचड़ परेशान कर देता है। वर्तमान में बहुत ज्यादा गड्ढे और धूल के गुब्बारे उड़ते हैं नुकीले पत्थर बाहर निकले हुए हैं जहां पर दुर्घटना होने की संभावना बहुत ज्यादा रहती है। यह ३ किलोमीटर का मार्ग है यहां से खापा, खंडवा सहित अनेक ग्राम के लोग आना.जाना करते हैं। पिछले ५ वर्षों से मार्ग की स्थिति बहुत ज्यादा खराब हो गई है इस मार्ग को पक्का बनाया जाना चाहिए।

मार्ग की जर्जर हालत से सभी विद्यार्थी परेशान है- विशाल मेश्राम

छात्र विशाल मेश्राम ने बताया कि मैं खापा का रहने वाला हूं झालीवाड़ा स्कूल में शिक्षा अध्ययन करने के लिए रोज आना जाना करता हूं। प्रतिदिन की तरह आज भी स्कूल गए थे जहां से वापस आ रहे हैं। यह जो सड़क है वह ३ किलोमीटर की है परंतु हमारे स्कूल के लिए बहुत समीप का रास्ता है जो वर्तमान में बहुत ज्यादा खराब हो चुकी है। यहां से आने जाने पर हमारी साइकिल पंचर एवं खराब हो जाती है धूल के गुबार उड़ने से कपड़े भी खराब हो रहे हैं कभी दुर्घटना हो गई तो बड़ी दिक्कत हो जाती है। परंतु इससे ज्यादा समस्या बरसात में होती है की सड़क पर हम चल नहीं सकते हैं कीचड़ में साइकिल फंस जाती है पूरे कपड़े खराब हो जाते हैं। इस प्रकार रोड़ की स्थिति बनी हुई है यदि यह सड़क को पक्की या मरम्मत कर बना दिया जाता है तो बहुत अच्छा होगा। क्योंकि हर कोई यहां से आना जाना करता है और यदि ऐसा ही रहा तो एक समय लोगों को आना.जाना यहां से बंद करना पड़ेगा।

इस मार्ग को बनाने तीन बार जिला पंचायत में आवेदन दिया पर ग्रेवल सड़क नहीं दे रहे है-देवीप्रसाद गौतम

सरपंच देवी प्रसाद गौतम ने बताया कि हमारे ग्राम खापा से झालीवाड़ा की जो सड़क है इसका पिछले १५ वर्ष पहले ग्रेवल सडक के तहत नवीनीकरण हुआ था तब से आज तक इसका निर्माण नहीं हुआ है। ग्राम पंचायत में ग्रेवल सड़क मिल नहीं रही है फ्लिहाल लोगों ने इस मार्ग से आना जाना बंद या कम कर दिया है सड़क की स्थिति बहुत जर्जर है। झालीवाड़ा जाने के लिए मेहंदीवाड़ा घूम कर जाते हैं इसलिए यह रोड़ बनना जरूरी है। इतनी खराब सड़क होने पर भी इस मार्ग पर खंडवा और खापा के करीब ६० विद्यार्थी रोजाना झालीवाड़ा स्कूल जाते हैं। अभी धूल और गड्ढों से जूझते हुए यह लोग जा रहे हैं बारिश में या सड़क बंद होगी फिर ८ किलोमीटर घूम कर जाते हैं। इस सड़क के लिए हमने तीन बार जिला पंचायत में आवेदन दिया पर हमेशा उनका रहता है कि ग्रेवल सड़क नहीं दे रहे हैं। यदि यह हमें मिल जाती तो ग्रामीण राहगीर विद्यार्थी सभी को सुगमता होंगी बारिश में कीचड़ से भी छुटकारा मिलेगा।

रामपायली में रक्तदान शिविर संपन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/रामपायली। रामपायली में रविवार को रक्तदान शिविर सेवा भारती के द्वारा निरंतर द्वितीय वर्ष सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामपायली में आयोजित किया गया। जिसका शुभारंभ विभाग सेवा प्रमुख रितेश अग्रवाल, शिवदयाल बोपचे , सत्यनारायण अग्रवाल के द्वारा मां भारती के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर किया गया। कहा गया है कि "सा दोस्त बनाता है लेकिन खून भाई बनाता है यह तो सेवाभावी लोगों द्वारा दान किया जाता है। देश पर अभिमान करिए स्वयं भी स्वाभिमानी बनिए किसी की जिंदगी के पर बनी हो तो सहर्ष रक्तदानी बनिए। इस शिविर की योजना में सेवा भारती रामपायली एवं बालाघाट के द्वारा सहकार्य किया गया। शिविर के संबंध में नितेश भजने ने बताया की सेवा भारती रामपायली के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामपायली में डॉक्टर हेडगेवार रक्तदान केंद्र नागपुर के सौजन्य से यह रक्तदान शिविर आयोजित किया गया है। जिसमें डॉक्टर अनिल परमाले, धनश्री जागडे, शुभांगी नेवारे, सुमित गायकवाड ,गीता मेश्राम के द्वारा पूर्ण सहयोग प्रदान किया गया। इसी क्रम में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामपायली के मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर तोहिद खान,अनिल तिवारी, कपिल बघेल, आशा मोहारे ,जगदीश का सहयोग रहा। रामपायली सेवा भारती के सुशील परियानी, तेजप्रताप बिसेन, अंकित भरतिया, कुंज बिहारी दुबे,सुबोध रुसिया, चैनसिंह बैस, खुमानसिंह तितरमारे, राजकुमार गोंदुडे, संकेत जैन, राजेंद्र चित्रिव, देवेंद्र जोमारिया, ईशान चौहान,गीता हनवत, वीणा शुक्ला, झामसिंह बिसेन, शैलेश पाठक, भूपेंद्र ठाकुर, सार्थक अमूले, रूपेंद्र राउत, घनश्याम राउत, राजेश्वर शरणागत ने परिश्रम किया। इस अवसर पर कुल ८६ रक्तदाताओं के द्वारा शिविर में रक्तदान किया गया।

वेदिका मिश्रा का विकसित भारत युवा संसद राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए हुआ चयन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी निवासी राकेश मिश्रा एवं श्रीमती अनिता मिश्रा की सुपुत्री वेदिका मिश्रा एक बार फिर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने जा रही हैं। विकसित भारत यूथ पार्लियामेंट २०२६ की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयन के पश्चात अब वें १७ तारीख को मुंबई विश्वविद्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में अपना प्रभावशाली भाषण प्रस्तुत करेंगी। इस मंच पर महाराष्ट्र के प्रत्येक जिले से चयनित पाँच प्रतिभागी भाग लेंगे। जिसमें वे भारत के युवाओं की भूमिका बजट में युवाओं के लिए किए गए प्रावधानों और विकसित भारत के लक्ष्य पर अपने विचार रखेंगी। वेदिका मिश्रा वर्तमान में महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में परास्नातक की पढ़ाई कर रही हैं। उल्लेखनीय है कि वेदिका पूर्व में भी कई भाषण वाद.विवाद और काव्य प्रतियोगिताओं की विजेता रह चुकी हैं। वेदिका की इस उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। वारासिवनी के नागरिकों शिक्षकों और साथियों ने उन्हें शुभकामनाएँ देते हुए उम्मीद जताई है कि वे राज्य स्तरीय मंच पर भी अपने विचारों से सभी को प्रभावित करेंगी।

खैरलाँजी थाने में ७ व्यक्तियों पर दहेड़ प्रताड़ना का अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी पुलिस थाने में वारासिवनी थाना अंतर्गत निवासी २० वर्षी नव विवाहिता के द्वारा अपने ससुराल पक्ष पर दहेज के लिए शारीरिक मानसिक प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज करवाई थी।

जिसमें पुलिस के द्वारा पीड़िता के ससुराल पक्ष के करीब ७ व्यक्तियों पर दहेज प्रताड़ना का अपराध दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रार्थी २० वर्षीय नवविवाहिता ने शिकायत की है की उसका विवाह अर्जुन नगपुरे से हुआ था। दोनों परिवार के साथ हंसी खुशी रह रहे थे फिर शादी के कुछ समय बाद ही पति अर्जुन नगपुरे और अन्य परिजनों के द्वारा माता पिता से रुपए एवं दहेज मांग कर लाने के लिए प्रताड़ित किया जाने लगा। इस दौरान शारीरिक मानसिक रूप से ससुराल पक्ष के द्वारा प्रताड़ना दी जाने लगी । इसमें पीड़िता को ससुराल पक्ष के द्वारा मोटरसाइकिल ,सोने की चैन और भैंस पालन के लिए नगद १५ लाख की मांग की जाने लगी। मांग पूरी नही होने पर उसे शारीरिक और मानसिक रूप से रोजाना प्रताड़ित किया जाने लगा तो वहीं एक दिन २० वर्षीय नवविवाहिता को घर से बाहर निकाल दिया गया। घटना की जानकारी महिला के द्वारा अपने परिजनों को दी गई और इस संबंध में खैरलांजी थाने में जाकर लिखित शिकायत दी गई। मामले में खैरलांजी पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर पति अर्जुन नगपुरे,सास प्रमिला नगपुरे,जेठ प्रहलाद नगपुरे,जेठानी शारदा नगपुरे, पुरन अटरे, कैलाश लिल्हारे, संतोशिला लिल्हारे के खिलाफभारतीय न्याय संहिता एवं दहेज प्रतिषेध अधिनियम के अंतर्गत विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी गई है।

श्रीराम मंदिर में रामनवमी हनुमान जयंती की बैठक संपन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के श्री राम मंदिर में रविवार को मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम और संकटमोचन श्री हनुमान के जन्मोत्सव हर्षउल्लास के साथ मानने बैठक आयोजित की गई। यह बैठक गणमान्य लोगो की उपस्थिति में प्रारंभ की गयी। जिसमें रामनवमी ,हनुमान जयंती के उत्सव आयोजन को लेकर विस्तार पूर्वक चर्चा प्रारंभ की गई। जिसमें उपस्थित जनों के द्वारा अपने अपने सुझाव दिए गए। जिसमें विचार मंथन के बाद विभिन्न निर्णय लिए गए की श्री रामलला सेवा समिति के तत्वाधान में राजनांदगांव के सुप्रसिद्ध भजन गायक गणेश मिश्रा अपनी सुमधुर आवाज से सुंदरकांड एवं भजन संध्या की मनमोहक प्रस्तुति देंगे। रामनवमी के मुख्य दिन विशेष पूजा.अर्चना के अलावा अंजनी पुत्र सेवा दल के द्वारा एक विशाल रैली निकाली जायेगी। जिसके लिए शहर के चप्पे चप्पे को भगवा ध्वजों से सजाया जायेगा। वहीं हनुमान जयंती पर भव्य शोभा यात्रा और सजीव झांकियां का प्रदर्शन होगा। इस अष्टसिद्धि और नवनिधि के दाता भगवान हनुमान के जन्मोत्सव पर ऐतिहासिक शोभा यात्रा श्री राम मंदिर से प्रारंभ होंगी। इस यात्रा में गाडरवारा और परासिया के प्रसिद्ध कलाकार अपनी विशेष और साहसिक प्रस्तुतियाँ देंगे। रामायण के प्रसंगों पर आधारित भव्य और सजीव झांकियाँ आकर्षण का मुख्य केंद्र होंगी जो श्रद्धालुओं को त्रेतायुग की अनुभूति कराएंगी। रात्रि में जयस्तंभ चौक पर एक विशाल भजन संध्या का आयोजन होगा जिसके पश्चात महाप्रसादी के साथ कार्यक्रम का समापन होगा। एवं ज्योतिबा फुले गार्डन में रात्रि ८ बजे सिकंद्रा चौक पर भव्य भगवा ध्वज १९ मार्च गुरुवार को चैत्र शुक्ल प्रतिपदा हिंदू नव वर्ष के अवसर पर लगाया जाएगा। इस अवसर पर नगर सहित क्षेत्र के लोगों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम में सहभागी बनने की अपील आयोजन समिति ने की हैं।

रमजान के पवित्र माह में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने जामा मस्जिद को दी हाईमास्क की सौगात

रोजा इफ्तार में मुस्लिम समाज ने पूर्व मंत्री के साथ नपा परिवार का किया इस्तकबाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने रमजान के पवित्र माह में जामा मस्जिद में मुस्लिम भाईयों को रोजा इफ्तार कराकर एक नयी सौगात प्रदान की। नगर पालिका परिषद ने जामा मज्जिद के सामने बडे हाई मास्क का लोकार्पण पूर्व मंत्री के हस्ते किया। इस दौरान पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि मनोज दांदरे, संदीप मिश्रा, मोनू लिमजे, मदन धार्मिक, विक्की ऐडे, सोनू जैन मौजूद रहे। मुस्लिम समाज की ओर से जामा मस्जिद के अध्यक्ष ईकबाल खान व वरिष्ठजनों ने पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल का सौगात प्रदान करने के लिये शाल श्रीफल से स्वागत किया। पश्चात पार्षदो व नपा परिवार के सभी सदस्यो का शाल श्रीफ्ल से स्वागत किया गया। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की पवित्र माह में २६ वें रोजे में रोजा इफ्तार करना सामुदायिक एकता और आध्यात्मिक महत्व का प्रतिक है। जो खजूर, पानी व पारंपरिक व्यजंनो से शुरू होता है। इस पवित्र माह में आप सभी की जो भी मनोकामना है वह अवश्य पुरी होंगी। आज समुचे जिले में तहसील होने के बाद भी वारासिवनी नगर की सजावट व बडी बडी सुविधाओं की

सराहना होती है। इस सराहना में विशालकाय व बेहद सुंदर जामा मस्जिद का नाम भी शामिल है। जामा मस्जिद के अध्यक्ष ईकबाल खान ने कहा की हमने जो भी सहयोग पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल से मांगा है वह हमे सदैव मिला है। आज हाईमास्क की सौगात के लिये भी वे पूर्व मंत्री व नपा परिषद का धन्यवाद ज्ञापित करते है। नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि मनोज दांदरे ने कहा की जामा मस्जिद के सामने के हाईमास्क को हम जल्द और उंचाई प्रदान कर निकट कर कांपलेक्स सहित पूरे परिसर में रोशनी की जगमगाहट करने जा रहे है। इस अवसर पर जामा मस्जिद के शाही इमाम नजीर कादरी साहब, मौजन इकरार रजा, मुस्लिम समाज अध्यक्ष इकबाल खान, उपाध्यक्ष हाजी एजाज, अरमान खान, अब्दुल रब कुरैशी,पप्पी भाई, ताहिर हुसैन, नसीम खान, हाजी फरहान बाबू , शाहबाज मंसूरी, साजिद कालू भाई, आबिद भाई, साजिद अंसारी, हाजी नजीर हुसैन, हाजी गुड्डू आजमी, आशिक भाई ,शमीम मौजन, जमीरुल हसन व समाज के सभी लोग उपस्थित रहे।

कोस्टी समाज के तीन युवकों का सहायक लोको पायलट में हुआ चयन

विधायक विवेक पटेल ने शाल श्रीफ्ल से तीनो युवको का किया सम्मान

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। व्यक्ति चाहे तो अपने जीवन में बड़ी से बड़ी मुकाम हासिल कर सकता है। अगर उसने अपने जीवन में मेहनत कर ली तो उसे सफ्लता जरूर हासिल होती है। चाहे कठिनाई कितनी भी रहे अपने मंजिल तक पहुँच ही जाता है। ऐसे ही कड़ी संघर्ष के बाद वारासिवनी नगर के कोस्टी समाज के तीन युवकों ने सफ्लता हासिल की है। वारासिवनी नगर के वॉर्ड नं.११ हैदराबाद मोहल्ला निवासी राहुल पिता सुखदास गोखले और अभिषेक पिता नरेश गोखले का लोको पायलट में हुआ चयन है। तो वहीं रितिक पिता भोला बुरडे ने ग्रुप डी में सफलता हासिल की है। तीनों ही युवकों का विधायक विवेक पटेल ने जनसंपर्क कार्यालय में मिठाई खिलाकर व शाल श्रीफल से सम्मान कर उनके भविष्य में उज्वल की बधाई दीं। इस दौरान राहुल गोखले ने कहा कि ये मेरी ६ वर्षों की मेहनत है मेरा एक बार और असिस्टेंट लोकोपायलट में चयन हुआ था। मगर किसी कारणवस मेरिट लिस्ट से बहार हो गया था। मैं ८ से १० घंटे पढ़ाई करता था मै सभी से कहना चाहता हुं कि मेहनत करते रहे हमेशा सफलता मिलती है। विधायक विवेक पटेल ने कहा कि हमारे क्षेत्र के लिए बड़े हर्ष की बात है। लगातार हमारे क्षेत्र के छात्र छात्राओं का

शासकीय नौकरी में चयन हो रहा ह जो मेहनत करता है उसे सफ्लता जरूर मिलती है। तीनों ही युवकों ने मेहनत करके अपने माता पिता और क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इस दौरान राजकुमार चौधरी,फूलचंद मसखरे,अशोक लिल्हारे,मानिक भगत,ईश्वर दयाल ऊके, गेमेंद्र भगत,मनोहर लिल्हारे,गणेश शाहू, संदेश बिसेन,नेवी पटले मौजूद रहें।

कठपुतली कला से लोगों को जागरूक कर रहे हैं सुनील सरला

कभी मनोरंजन का सशक्त माध्यम रहीं कठपुतलियां जागरूकता का काम भी कर रही हैं। कठपुतलियों के जरिए सामाजिक मुद्दों को रोचक तरीके से भी उठाया जा रहा। वहीं, कठपुतलियां सुशिक्षित और स्वस्थ समाज का भी बुलंद संदेश दे रहीं। इतिहास में दर्ज नामों की प्रेरक कहानियों को कठपुतलियों के जरिए जन-जन तक पहुंचाने के भी प्रयास हो रहे हैं। 21 मार्च को विश्व कठपुतली दिवस मनाया जाता है। कठपुतलियों के खेल मेलों से लेकर गांव-मोहल्लों में अक्सर देखने को मिलते थे, जो बेहद मनोरंजक हुआ करते थे। लेकिन पहले टीवी और फिर इंटरनेट युग ने समय के साथ इन कठपुतलियों को बच्चों से दूर कर दिया। संस्कृति की डोर से बंधी कठपुतली कला केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि परंपराओं और लोककथाओं की एक जीवंत कहानी है। यह कला हमें अतीत से जोड़ती है और समाज को शिक्षाप्रद संदेश भी देती है।कठपुतली के इतिहास के बारे में कहा जाता है कि ईसा पूर्व चौथी शताब्दी में महाकवि पाणिनी के अष्टाध्याई ग्रंथ में पुतला नाटक का उल्लेख मिलता है। साथ ही सिंहासन बत्तीसी नामक कथा में भी 32 पुतलियों का उल्लेख है। पुतली कला की प्राचीनता के संबंध में तमिल ग्रंथ 'शिल्पादिकारम्' से भी जानकारी मिलती है। पुतली कला कई कलाओं जैसे लेखन, नाट्य कला, चित्रकला, वेशभूषा, मूर्तिकला, काष्ठकला, वस्त्र-निर्माण कला, रूप-सज्जा, संगीत, नृत्य आदि का मिश्रण है। अब कठपुतली का उपयोग मात्र मनोरंजन के लिए नहीं बल्कि शिक्षा कार्यक्रमों, रिसर्च कार्यक्रमों, विज्ञापनों आदि अनेक क्षेत्रों में किया जा रहा है। साथ ही साथ यह बच्चों के व्यक्तित्व के बहुमखी विकास में सहायक होता है। बता दें कि, भारत में सभी प्रकार की पुतलियां पाई जाती हैं, जैसे धागा पुतली, छाया पुतली, छड़ पुतली, दस्ताना पुतली आदि। कठपुतली कला को चंद कलाकार अब भी जीवंत बनाए हुए हैं, उनमें से एक हैं बिहार के मुजफ्फरपुर के सुनील सरला। कठपुतली से शिक्षा एवं सामाजिक जागरूकता करते सुनील बच्चों के साथ साथ देश समाज में बो रहे हैं कला का संस्कार।कठपुतली जब जल जीवन हरियाली की बात करें तो शहरी लोगों के साथ साथ ग्रामीण लोग भी पर्यावरण जैसे गंभीर विषय को सरल व सहजतापूर्वक समझ जाते हैं।गीत संगीत कहानियों के माध्यम से कठपुतली सामाजिक विज्ञान,समाज सुधार अभियान को लेकर शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से देश समाज में जागरूक करने वाले सरला श्रीवास सामाजिक सांस्कृतिक शोध संस्थान के संयोजक लोक कलाकार सुनील कुमार मुजफ्फरपुर जिले के मुसहरी प्रखंड मालीघाट निवासी कठपुतली कला का प्रशिक्षण देते है।हुमाना पीपुल टू पीपुल इंडिया (एचपीपीआई) किलकारी,कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय तरियानी(शिवहर) बंजरिया(पूर्वी चंपारण) चनपटिया(पश्चिम चंपारण) थूम्मा (रुन्नी सैदपुर) सीतामढ़ी,जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) रामबाग, मुजफ्फरपुर, विक्रम (पटना)छतौनी (मोतिहारी) पूर्वी चंपारण, पिरोता ,भोजपुर जिला के साथ साथ अन्य राज्यों में कठपुतली कला प्रशिक्षण देने वाले सुनील कुमार की पहचान कठपुतली कलाकार के साथ साथ कठपुतली प्रशिक्षक की भी हैं। कठपुतली को नवाचार का माध्यम बनाने वाले सुनील कुमार कठपुतली के माध्यम से देश समाज में हिंसा समाप्त करने, बाल विवाह, बाल श्रम, नशापान जैसे सामाजिक बुराइयों को के खिलाफ कठपुतली संवाद के माध्यम से जागरूक करते रहते हैं।

दो टूक- गैस की कतारों से उठते सवाल- कितनी सुरक्षित है भारत की ऊर्जा व्यवस्था?

ऊर्जा सुरक्षा की परीक्षा बनता गैस संकट

मध्य-पूर्व में अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच छिड़े संघर्ष ने दुनिया को एक बार फिर यह याद दिला दिया है कि आधुनिक वैश्विक अर्थव्यवस्था की नसों में बहने वाली ऊर्जा कितनी असुरक्षित है। होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव और समुद्री आवागमन के ठप होने से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में गहरा व्यवधान पैदा हुआ है, जिसका सबसे तीखा असर भारत जैसे आयात-निर्भर देशों पर दिखाई दे रहा है। भारत में रसोई गैस अर्थात एलपीजी का संकट संसद से लेकर सड़क तक चर्चा का विषय बन गया है। देश के अनेक शहरों में गैस एजेंसियों के बाहर लंबी कतारें लग रही हैं, कमर्शियल सिलेंडरों की किल्लत के कारण होटल-रेस्टोरेंट बंद हो रहे हैं और कालाबाजारी के समाचार निरंतर सामने आ रहे हैं। यह स्थिति केवल अस्थायी आपूर्ति बाधा का मामला नहीं है बल्कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा की संरचनात्मक कमजोरियों को उजागर करने वाला गंभीर संकेत है।

वैश्विक ऊर्जा मानचित्र में होर्मुज जलडमरूमध्य की भूमिका अत्यंत निर्णायक है। फारस की खाड़ी को अरब सागर से जोड़ने वाला यह लगभग 21 मील चौड़ा समुद्री मार्ग दुनिया का सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा 'चोकपॉइंट' माना जाता है। वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति का लगभग 20 प्रतिशत इसी संकरे मार्ग से होकर गुजरता है। सऊदी अरब, कतर, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और इराक जैसे बड़े ऊर्जा निर्यातक देश अपने तेल और गैस के विशाल भंडार को दुनिया के बाजारों तक पहुंचाने के लिए इसी मार्ग पर निर्भर हैं। ऐसे में जब इस क्षेत्र में युद्ध या सैन्य तनाव बढ़ता है तो पूरी दुनिया की ऊर्जा व्यवस्था अस्थिर हो जाती है। वर्तमान संघर्ष ने भी यही किया है। ईरान द्वारा होर्मुज क्षेत्र में समुद्री गतिविधियों को सीमित करने और जहाजों पर संभावित हमलों की चेतावनी ने कई टैंकरों को रोक दिया है, जिससे एलपीजी और एलएनजी के जहाज समुद्र में फंस गए हैं और आयात पर निर्भर देशों को बड़ा झटका लगा है।

भारत के लिए यह संकट इसलिए अधिक गंभीर है क्योंकि देश की ऊर्जा संरचना में एलपीजी की भूमिका पिछले एक दशक में अत्यधिक बढ़ गई है। भारत आज हर वर्ष लगभग 3 करोड़ टन से अधिक एलपीजी का उपभोग करता है लेकिन घरेलू उत्पादन इस मांग का आधा हिस्सा भी पूरा नहीं कर पाता। शेष आवश्यकता खाड़ी देशों से आयात करके पूरी की जाती है। अनुमान है कि भारत में आने वाली एलपीजी का 80 से 90 प्रतिशत हिस्सा होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर ही गुजरता है। यही कारण है कि जैसे ही इस मार्ग में व्यवधान आया, उसका सबसे पहला और सबसे तेज असर भारत की रसोई पर दिखाई देने लगा। यह एक कठोर सच्चाई है कि भारतीय परिवारों की ऊर्जा सुरक्षा काफी हद तक एक संकरे समुद्री मार्ग पर निर्भर है।

इसी संकट के दौरान पैट्रोल और डीजल की उपलब्धता अपेक्षाकृत सामान्य बनी हुई है। पैट्रोल पंपों पर न तो लंबी कतारें दिखाई दे रही हैं और न ही कीमतों में अचानक उछाल आया है। इसका कारण यह है कि भारत ने पिछले वर्षों में कच्चे तेल की आपूर्ति को लेकर अपेक्षाकृत अधिक लचीला ढांचा विकसित किया है। आज भारत 40 से अधिक देशों से कच्चा तेल आयात करता है और रूस, अमेरिका तथा अफ्रीका के कई देशों से आने वाला तेल ऐसे मार्गों से भारत पहुंचता है, जो होर्मुज पर निर्भर नहीं हैं। इसके अतिरिक्त भारत के पास रणनीतिक पैट्रोलियम भंडार भी मौजूद हैं, जिनमें आपातकालीन परिस्थितियों के लिए लाखों बैरल कच्चा तेल संग्रहीत किया जाता है। इन भंडारों और विविध आपूर्ति स्रोतों के कारण पैट्रोल और डीजल की उपलब्धता तुरंत प्रभावित नहीं होती।

इसके विपरीत एलपीजी के मामले में स्थिति बिल्कुल अलग है। एलपीजी को तरल रूप में सुरक्षित रखने के लिए अत्यधिक दबाव और विशेष टैंकों की आवश्यकता होती है, जिसके कारण बड़े पैमाने पर इसका भंडारण करना महंगा और तकनीकी रूप से जटिल होता है। यही कारण है कि भारत के पास एलपीजी का कोई बड़ा सामरिक भंडार नहीं है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, देश में एलपीजी का जो सीमित भंडार है, वह मुश्किल से दो-तीन दिन की खपत के बराबर ही है। परिणामस्वरूप जैसे ही आयात में थोड़ी भी बाधा आती है, उसका असर तुरंत बाजार और घरेलू उपभोक्ताओं पर दिखाई देने लगता है। यही वह संरचनात्मक कमजोरी है, जिसने मौजूदा संकट को गहरा बना दिया है।

इस संकट का एक दूसरा पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पिछले दशक में 'प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना' के माध्यम से करोड़ों गरीब परिवारों तक रसोई गैस पहुंचाई गई है। इस योजना ने ग्रामीण महिलाओं को धुएं से मुक्ति दिलाने और स्वच्छ ऊर्जा उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्ष 2014 में जहां देश में एलपीजी कनैक्शनों की संख्या लगभग 14 करोड़ थी, वहीं आज यह बढ़कर 33 करोड़ से अधिक हो चुकी है। यह सामाजिक दृष्टि से अत्यंत सकारात्मक परिवर्तन है किंतु इसका अर्थ यह भी है कि भारत की घरेलू ऊर्जा व्यवस्था अब एलपीजी के निरंतर प्रवाह पर पहले से कहीं अधिक निर्भर हो गई है। जब इस प्रवाह में व्यवधान आता है तो उसका प्रभाव करोड़ों परिवारों के दैनिक जीवन पर पड़ता है।

संकट का असर केवल घरेलू रसोई तक सीमित नहीं है। उद्योग, होटल, रेस्टोरेंट, छोटे व्यवसाय और खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां भी बड़े पैमाने पर एलपीजी और प्राकृतिक गैस पर निर्भर हैं। जब आपूर्ति सीमित होती है तो सबसे पहले इन्हीं क्षेत्रों की गैस आपूर्ति घटाई जाती है ताकि घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता दी जा सके। परिणामस्वरूप औद्योगिक उत्पादन प्रभावित होता है, छोटे कारोबारियों पर आर्थिक दबाव बढ़ता है और कई स्थानों पर रोजगार प्रभावित होते हैं। स्टील और धातु उद्योगों से लेकर ढाबों और छोटे भोजनालयों तक, अनेक क्षेत्र इस संकट की मार झेल रहे हैं। हालांकि सरकार ने इस स्थिति से निपटने के लिए कुछ आपातकालीन कदम उठाए हैं। रिफाइनरियों को निर्देश दिया गया है कि वे कच्चे तेल के प्रसंस्करण के दौरान एलपीजी की रिकवरी को अधिकतम करें। कुछ पैट्रोकेमिकल उत्पादों को अस्थायी रूप से रसोई गैस उत्पादन की दिशा में मोड़ा जा रहा है। इसके साथ ही अमेरिका और पश्चिम अफ्रीका जैसे क्षेत्रों से अतिरिक्त एलपीजी कार्गो मंगाने के प्रयास भी किए जा रहे हैं। कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति पर अस्थायी नियंत्रण लगाकर घरेलू उपभोक्ताओं को प्राथमिकता देने का निर्णय भी इसी रणनीति का हिस्सा है। हालांकि ये सभी कदम तात्कालिक राहत प्रदान कर सकते हैं लेकिन दीर्घकालिक समाधान के लिए इससे कहीं अधिक व्यापक नीति की आवश्यकता है।

दरअसल यह संकट केवल एक युद्ध का परिणाम नहीं है बल्कि यह भारत की ऊर्जा नीति के उस खालीपन की ओर संकेत करता है, जिस पर लंबे समय से पर्याप्त ध्यान नहीं दिया गया। कच्चे तेल के लिए रणनीतिक भंडार बनाए गए, आपूर्ति स्रोतों का विविधीकरण किया गया और रिफाइनिंग क्षमता का विस्तार किया गया लेकिन एलपीजी और गैस सुरक्षा के लिए उसी स्तर की दूरदर्शिता नहीं दिखाई गई। यदि देश में एलपीजी का पर्याप्त सामरिक भंडार होता या गैस भंडारण अवसंरचना विकसित की गई होती तो आज स्थिति इतनी गंभीर नहीं होती। यह भी आवश्यक है कि पाइप्ड नेचुरल गैस नेटवर्क का विस्तार तेजी से किया जाए ताकि घरेलू ऊर्जा व्यवस्था केवल सिलेंडर आधारित मॉडल पर निर्भर न रहे।

ऊर्जा सुरक्षा केवल आर्थिक मुद्दा नहीं बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा का भी महत्वपूर्ण आयाम है। जब किसी देश की रसोई, उद्योग और परिवहन व्यवस्था बाहरी आपूर्ति पर अत्यधिक निर्भर होती है तो वैश्विक भू-राजनीतिक घटनाएं सीधे उसके भीतर अस्थिरता पैदा कर सकती हैं। यही कारण है कि विकसित देश ऊर्जा स्रोतों के विविधीकरण, वैकल्पिक ऊर्जा के विकास और बड़े पैमाने पर भंडारण की रणनीतियों पर लगातार काम करते रहते हैं। भारत को भी इसी दिशा में अधिक गंभीरता से आगे बढ़ना होगा। ऊर्जा संकट लंबे समय से विकसित हो रही संरचनात्मक चुनौतियों का परिणाम होता है। इस समय आवश्यकता है संयम, जिम्मेदारी और ठोस नीति निर्माण की। मध्य-पूर्व का संघर्ष कब समाप्त होगा और होर्मुज जलडमरूमध्य में सामान्य स्थिति कब बहाल होगी, इसका स्पष्ट अनुमान फिलहाल किसी के पास नहीं है लेकिन इतना निश्चित है कि इस संकट ने भारत सहित पूरी दुनिया को यह सबक दिया है कि ऊर्जा आपूर्ति जितनी वैश्विक है, उतनी ही नाजुक भी। यदि भविष्य में ऐसे संकटों से बचना है तो ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण, गैस भंडारण अवसंरचना का निर्माण, नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार और घरेलू उत्पादन में वृद्धि जैसे कदम अनिवार्य होंगे अन्यथा हर वैश्विक संघर्ष के साथ भारतीय रसोई और अर्थव्यवस्था इसी तरह असुरक्षा और

- योगेश कुमार गोयल

खाड़ी संकट, तेल आपूर्ति और रेमिटेंस- भारत के सामने उभरता बहुआयामी खतरा

पश्चिम एशिया (मध्य-पूर्व) में बढ़ते तनाव ने पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को चिंतित कर दिया है। विशेष रूप से जलडमरू मध्य और लाल सागर जैसे समुद्री मार्गों की सुरक्षा पर सवाल उठने लगे हैं। ये दोनों मार्ग वैश्विक ऊर्जा और व्यापार की जीवनरेखा माने जाते हैं। भारत, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए आयात पर अत्यधिक निर्भर है और जिसके लाखों नागरिक खाड़ी देशों में काम करते हैं, इस संकट से सीधे और परोक्ष—दोनों तरह से प्रभावित हो सकता है।सबसे पहला और सबसे बड़ा खतरा तेल आपूर्ति से जुड़ा है। भारत अपनी कुल कच्चे तेल की जरूरत का लगभग 88 प्रतिशत आयात करता है, जिसमें बड़ा हिस्सा खाड़ी क्षेत्र

जैसे सऊदी अरब,ईराक,यूएई, और कुवैत से आता है।

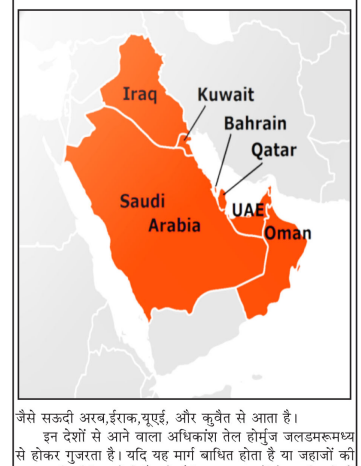

इन देशों से आने वाला अधिकांश तेल होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है। यदि यह मार्ग बाधित होता है या जहाजों की आवाजाही सीमित होती है, तो वैश्विक बाजार में तेल की कीमतें तेजी से बढ़ सकती हैं। तेल महँगा होने का सीधा असर भारत में पेट्रोल-डीजल, परिवहन लागत, बिजली उत्पादन और अंतत: खाद्य वस्तुओं तक पर पड़ता है। परिणामस्वरूप महँगाई बढ़ती है और आर्थिक विकास की गति धीमी हो सकती है।

दूसरा बड़ा प्रभाव समुद्री व्यापार और शिपिंग लागत पर पड़ता है। युद्ध या हमले की आशंका बढ़ने पर जहाज कंपनियाँ अतिरिक्त 卐वॉर-रिस्क इंश्योरेंस卐 लेती हैं, जिससे परिवहन लागत बढ़ जाती है। कई बार जहाज जोखिम वाले मार्गों से बचकर लंबा रास्ता अपनाते हैं, जैसे लाल सागर से होकर आने के बजाय अफ्रीका के दक्षिणी सिरे केप आफ गुड होप से घूमकर आना। इससे यात्रा समय 10ङ्क15 दिन तक बढ़ सकता है और माल ढुलाई महँगी हो जाती है। इसका असर आयातित वस्तुओं—जैसे उर्वरक, खाद्य तेल, मशीनरी और इलेक्ट्रॉनिक्स—की कीमतों पर पड़ता है, जो घरेलू बाजार में महँगाई को और बढ़ा सकता है।

तीसरा महत्वपूर्ण पहलू गैस आपूर्ति का है। भारत अपनी प्राकृतिक गैस की जरूरत का बड़ा हिस्सा आयात करता है, विशेष रूप से कतर से तरलीकृत प्राकृतिक गैस एलएनजी। यदि समुद्री मार्ग असुरक्षित हो जाते हैं, तो गैस की आपूर्ति बाधित हो सकती है या महँगी हो सकती है। इससे बिजली उत्पादन, उर्वरक उद्योग और शहरी गैस वितरण पर प्रभाव पड़ेगा, जिसका व्यापक असर उद्योग और कृषि दोनों पर पड़ सकता है।

चौथा और सामाजिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दा रेमिटेंस (विदेश से भेजा गया पैसा) का है। खाड़ी देशों में लगभग 80 लाख से अधिक भारतीय काम करते हैं, विशेषकर यूएई, सऊदी अरब,कतर,और कुवैत में। ये प्रवासी हर वर्ष अरबों डॉलर भारत भेजते हैं, जो देश के विदेशी मुद्रा भंडार और लाखों परिवारों की आय का महत्वपूर्ण स्रोत है। यदि क्षेत्र में युद्ध या आर्थिक मंदी आती है, तो निर्माण, तेल और सेवा क्षेत्रों में रोजगार घट सकता है, वेतन कम हो सकता है या भारतीयों की बड़े पैमाने पर वापसी हो सकती है। इससे रेमिटेंस घटेगा और उन राज्यों की अर्थव्यवस्था पर विशेष असर पड़ेगा जहाँ प्रवासी आय का बड़ा हिस्सा आता है।

हालाँकि भारत पूरी तरह असहाय नहीं है। देश ने जो रणनीतिक तेल भंडार विकसित किए हैं वे सीमित हैं,और ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाने की कोशिश रूस,ब्राजील और यूएस जैसे देशों से आयात ब?ाकर की जानी चाहिए।इसके अलावा भारतीय नेवी समुद्री क्षेत्र में सक्रिय निगरानी और भारतीय जहाजों की सुरक्षा के लिए तैनात रहती है। भारत की विदेश नीति भी सभी प्रमुख देशों से संबंध बनाए रखने की कोशिश करती है ताकि संकट की स्थिति में आपूर्ति और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके।

फिर भी, सबसे खराब स्थिति—यदि होर्मुज पूरी तरह बंद हो जाए या व्यापक युद्ध छिड़ जाए—तो भारत को 卐दोहरी मार卐 झेलनी पड़ सकती है- एक ओर तेल और गैस की कीमतों में उछाल, दूसरी ओर रेमिटेंस में गिरावट। इससे महँगाई, चालू खाता घाटा, रुपये पर दबाव और आर्थिक विकास दर—सभी प्रभावित हो सकते हैं।

खाड़ी क्षेत्र का संकट भारत के लिए केवल एक दूरस्थ भू-राजनीतिक घटना नहीं है बल्कि एक प्रत्यक्ष आर्थिक और सामाजिक चुनौती है। हालांकि भारत के पास कुछ सुरक्षा उपाय और विकल्प मौजूद हैं, लेकिन दीर्घकालीन समाधान ऊर्जा आत्मनिर्भरता, नवीकरणीय स्रोतों के विस्तार और प्रवासी आय पर अत्यधिक निर्भरता कम करने में ही निहित है। वर्तमान परिस्थितियाँ भारत को अपनी ऊर्जा और आर्थिक रणनीति को और अधिक मजबूत तथा विविध बनाने की आवश्यकता की याद दिलाती हैं। भारतीय तेल स्त्रोत्रों का उत्पादन बढा़ना समय का तकाजा है।क्या ऐसा हो पायेगा ?

- भूपेन्द्र गुप्ता

सीईसी पर महाभियोग का नोटिस- बहुमत से नहीं, 'नैरेटिव की राजनीति' से लड़ाई

भारतीय लोकतंत्र में चुनाव आयोग की निष्पक्षता को लोकतांत्रिक व्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। ऐसे में जब मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग का नोटिस दिया जाता है, तो वह केवल एक संवैधानिक प्रक्रिया नहीं रह जाता, बल्कि उसके राजनीतिक मायने भी गहरे हो जाते हैं। हाल ही में विपक्षी दलों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए संसद के दोनों सदनों में नोटिस दिया है। इस नोटिस पर लोकसभा के 130 और राज्यसभा के 63 सांसदों के हस्ताक्षर हैं, यानी कुल 193 सांसदों ने इसे समर्थन दिया है। यह संख्या नोटिस देने के लिए जरूरी न्यूनतम संख्या से अधिक है, लेकिन राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इसके बावजूद इस प्रस्ताव का संसद में पारित होना लगभग असंभव है।

यही कारण है कि इस पूरे घटनाक्रम को केवल संवैधानिक प्रक्रिया के रूप में नहीं बल्कि राजनीतिक रणनीति के रूप में भी देखा जा रहा है। विपक्षी दलों का यह कदम ऐसे समय आया है जब देश में जल्द ही पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव की घोषणा होने वाली है। चुनाव से ठीक पहले मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ इस तरह का कदम उठाना यह संकेत देता है कि विपक्ष चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर एक राजनीतिक नैरेटिव तैयार करना चाहता है।

मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने की प्रक्रिया भारतीय संविधान के अनुच्छेद 324(5) में तय की गई है। इसके अनुसार उन्हें हटाने के लिए वही प्रक्रिया अपनाई जाती है जो सुप्रीम कोर्ट के किसी न्यायाधीश को हटाने के लिए अपनाई जाती है। इसका अर्थ है कि संसद के दोनों सदनों में विशेष बहुमत से प्रस्ताव पारित होना आवश्यक है। विशेष बहुमत का मतलब है कि सदन की कुल सदस्य संख्या का बहुमत और उपस्थित तथा मतदान करने वाले सदस्यों के दो-तिहाई बहुमत का समर्थन। वर्तमान राजनीतिक समीकरणों को देखते हुए विपक्ष के पास इतनी संख्या नहीं है कि वह इस प्रस्ताव को पारित करा सके।

यही कारण है कि कई राजनीतिक पर्यवेक्षक मानते हैं कि यह प्रस्ताव वास्तव में सत्ता परिवर्तन की कोशिश से अधिक राजनीतिक संदेश देने की रणनीति का हिस्सा है। विपक्ष का आरोप है कि चुनाव आयोग की कुछ प्रक्रियाएं, खासकर मतदाता सूची के विशेष गहन

पुनरीक्षण से जुड़े निर्णय, बड़े पैमाने पर मतदाताओं को मताधिकार से वंचित कर सकते हैं और इससे सत्तारूढ़ दल को लाभ मिल सकता है। इसी आधार पर विपक्ष ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए महाभियोग का रास्ता चुना है।

हालांकि यह भी सच है कि इस तरह का प्रस्ताव भारतीय इतिहास में पहली बार सामने आया है। इससे पहले किसी मुख्य चुनाव आयुक्त को हटाने के लिए संसद में इस स्तर का औपचारिक प्रयास नहीं हुआ था। इसलिए यह कदम अपने आप में एक बड़ा राजनीतिक संकेत भी है। विपक्ष यह संदेश देना चाहता है कि वह चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर है और यदि उसे लगता है कि लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता प्रभावित हो रही है तो वह उसे संसद में चुनौती देने से पीछे नहीं हटेगा।

राजनीतिक दृष्टि से देखें तो इस कदम का सीधा फायदा विपक्ष को तुरंत मिलना मुश्किल है। संसद में बहुमत के अभाव के कारण यह प्रस्ताव संभवत: आगे नहीं बढ़ पाएगा। लोकसभा में अंतिम निर्णय स्पीकर ओम बिरला के पास है, जबकि राज्यसभा में यह अधिकार सभापति के पास होता है। यदि वे नोटिस स्वीकार भी कर लेते हैं तो अगला चरण जांच समिति का होगा। समिति की रिपोर्ट और उसके बाद संसद में मतदान की प्रक्रिया इतनी जटिल और लंबी है कि उसका परिणाम निकट भविष्य में निकलना मुश्किल है।

इसके बावजूद विपक्ष के लिए यह कदम पूरी तरह बेकार भी नहीं है। राजनीति में कई बार किसी मुद्दे को उठाने का उद्देश्य तत्काल परिणाम प्राप्त करना नहीं बल्कि सार्वजनिक विमर्श को प्रभावित करना होता है। विपक्ष शायद यही चाहता है कि चुनाव से पहले चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर बहस छिड़े और मतदाताओं के बीच यह संदेश जाए कि चुनावी प्रक्रिया को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

विशेष रूप से उन राज्यों में जहां जल्द ही विधानसभा चुनाव होने वाले हैं, वहां यह मुद्दा राजनीतिक बहस का हिस्सा बन सकता है। पश्चिम बंगाल, असम, केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी जैसे राज्यों में विपक्ष यह तर्क दे सकता है कि चुनाव आयोग की कुछ नीतियां मतदाता सूची या चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती हैं। इससे विपक्ष को अपने समर्थकों को संगठित करने और राजनीतिक माहौल बनाने का अवसर मिल सकता है।

इसके अलावा यह कदम विपक्षी एकता का भी प्रतीक बन सकता है। इस नोटिस पर कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके और आम आदमी पार्टी सहित कई दलों के सांसदों के हस्ताक्षर हैं। यह दर्शाता है कि विभिन्न विचारधाराओं के दल एक साझा मुद्दे पर एक साथ खड़े हो सकते हैं। भारतीय राजनीति में जहां विपक्ष अक्सर बिखरा हुआ दिखाई देता है, वहां इस तरह की संयुक्त कार्रवाई राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मानी जाती है।

फिर भी यह सवाल बना रहेगा कि क्या केवल नैरेटिव बनाने से चुनावी परिणाम प्रभावित हो सकते हैं। भारतीय मतदाता अक्सर स्थानीय मुद्दों, नेतृत्व और सरकार के कामकाज को अधिक महत्व देते हैं। इसलिए यह जरूरी नहीं कि चुनाव आयोग को लेकर उठाया गया विवाद सीधे चुनावी परिणामों को प्रभावित कर दे।

लेकिन राजनीति केवल परिणामों की गणना नहीं होती, बल्कि धारणा की भी होती है। विपक्ष शायद यही समझता है कि यदि वह चुनाव से पहले लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता का मुद्दा लगातार उठाता है, तो वह कम से कम राजनीतिक बहस की दिशा बदल सकता है। यही कारण है कि संख्या बल की कमी के बावजूद इस तरह का संवैधानिक कदम उठाया गया है।

अंतत: यह घटनाक्रम भारतीय लोकतंत्र के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण भी है। इससे यह स्पष्ट होता है कि संवैधानिक संस्थाओं को लेकर राजनीतिक दल कितने संवेदनशील हैं और वे उन्हें लेकर संसद में किस हद तक जाने को तैयार हैं। चाहे यह प्रस्ताव आगे बढ़े या नहीं, लेकिन इसने एक बड़ी बहस जरूर शुरू कर दी है कि चुनावी संस्थाओं की पारदर्शिता और निष्पक्षता को लेकर राजनीतिक दलों की अपेक्षाएं क्या हैं और लोकतंत्र में उनकी भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है।

-कांतिलाल मांडोत

मार्च की बढ़ती गर्मी से रबी फसलें प्रभावित, गेहूं-सौंफ की पैदावार 20 फीसदी घटने का खतरा

नई दिल्ली। एजेंसी। मार्च की शुरुआत में जिले के कई इलाकों में तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया है। अचानक बढ़ी गर्मी से गेहूं, जौ और सौंफ जैसी रबी फसलें हीट स्ट्रेस का शिकार हो रही हैं। इस समय फसलें दाना बनने और भरने की अवस्था में हैं, इसलिए अधिक तापमान उनके सामान्य विकास में बाधा डाल रहा है और किसानों की चिंता बढ़ा रहा है। एग्रीकल्चर एक्सपर्ट के अनुसार यदि तापमान इसी तरह बढ़ता रहा, तो जिले के कुल उत्पादन पर बड़ा असर पड़ेगा। इस सीजन में जिले में कुल 36 हजार हेक्टेयर में रबी फसलें बोई गई थीं। सामान्य परिस्थितियों में अनुमानित उत्पादन 5.50 लाख क्विंटल था लेकिन अचानक बढ़ी गर्मी के कारण अब लगभग 1.10 लाख क्विंटल उत्पादन कम होने का अनुमान है, यानी कुल पैदावार में गिरावट संभव है। गर्म मौसम से पौधों में फोर्स मैच्योरिटी प्रक्रिया शुरू हो जाती है। इसका असर यह होता है कि दाने पूरी तरह विकसित नहीं हो पाते और समय से पहले सूख जाते हैं। गेहूं और जौ के दाने छोटे, पतले और सिकुड़े रहते हैं। सौंफ की चमक और गुणवत्ता भी प्रभावित होती है, जिससे किसानों की आय पर भी प्रतिकूल असर पड़ता है। गुणवत्ता खराब होने से फसलों के मंडी भाव में भी गिरावट आ सकती है। अनुमान है कि गेहूं की कीमतें लगभग 15 फीसदी कम हो सकती हैं। वर्तमान में 3000-3500 रुपए प्रति क्विंटल बिक रहा गेहूं गिरकर लगभग 2550 प्रति क्विंटल रह सकता है। सौंफ में भी प्रति क्विंटल 1400 रुपए तक का नुकसान हो सकता है। कृषि विशेषज्ञ कहते हैं कि बढ़ते तापमान से फसलों को बचाने के लिए समय पर सिंचाई करना जरूरी है। मार्च के शेष दिनों में कम से कम दो हल्की सिंचाई लाभकारी रहेंगी। सुबह या शाम सिंचाई करने से मिट्टी में नमी बनी रहती है और पौधों को झुलसने से बचाया जा सकता है।

ईरान युद्ध के असर से सूचीबद्ध ऑटो कंपनियों पर दबाव बढ़ा

नई दिल्ली। एजेंसी। ईरान युद्ध के बाद सूचीबद्ध ऑटो कंपनियों पर दबाव बढ़ गया है। आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएं, कच्चे माल की बढ़ती कीमतें और मांग में उतार-चढ़ाव से मार्जिन को लेकर चिंता है। नतीजा यह रहा कि निफ्टी ऑटो इंडेक्स महीने की शुरुआत से अब तक 14 फीसदी गिर चुका है, जबकि निफ्टी 50 केवल 7.8न्न फिसला। घरेलू थोक और खुदरा बिक्री मजबूत रहने के बावजूद निकट भविष्य की अनिश्चितताओं ने बाजार माहौल को थोड़ी घबराहट वाला बना दिया है। अप्रैल 2025ङ्कफरवरी 2026 के दौरान वाहन क्षेत्र के अधिकांश सेगमेंट ने दो अंकों में वृद्धि दर्ज की है, सिवाय पैसेंजर व्हीकल्स। ऐक्सिस सिक्योरिटीज के अनुसार, वित्त वर्ष 2026 में मजबूत मांग, जीएसटी दर में कमी और स्थिर आयकर दर प्रमुख सकारात्मक कारक होंगे। अमेरिका, इज़रायल और ईरान के बीच तनाव ने अनिश्चितता बढ़ा दी है, खासकर पश्चिम एशिया और उत्तर अफ्रीका में निर्यात करने वाले ऑटो निर्माताओं के लिए। इन क्षेत्रों में प्रमुख कंपनियों की हिस्सेदारी इस प्रकार है- अशोक लीलैंड 30, ह्युंडै मोटर इंडिया 40, मारुति सुजूकी 12, आयशर मोटर्स 26 और बजाज ऑटो 10 फीसदी। संघर्ष से निर्यात की मात्रा प्रभावित हो सकती है, लॉजिस्टिक्स लागत बढ़ सकती है और कच्चे माल की कीमतें बढ़ सकती हैं। एंटिक स्टॉक ब्रोकिंग के अनुसार, सुनियोजित सप्लाई श्रृंखला और निर्यात विविधीकरण पर तेजी की जरूरत है। मध्यम अवधि में अनुकूल जोखिम-लाभ अनुपात के कारणमारुति सुजूकी इंडिया, टीवीएस मोटर कंपनी और बजाज ऑटो प्रमुख प्राथमिकता कंपनियां हैं।

ईरान संघर्ष से रुपया दबाव में, आरबीआई के लिए बढ़ी चुनौती

नई दिल्ली। एजेंसी। भारतीय रुपये ने नया ऐतिहासिक निम्नतम स्तर छू लिया है। इस सप्ताह डॉलर के मुकाबले रुपया 91.71 से 92.47 के बीच उतार-चढ़ाव करता दिखा और सप्ताह का बंद 92.46 प्रति डॉलर पर हुआ। यह पिछले सप्ताह के 91.75 प्रति डॉलर से कमजोर है। रुपये की कमजोरी का मुख्य कारण वैश्विक जोखिम में वृद्धि और कच्चे तेल की कीमतों का तेज़ बढ़ना है। ईरान संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमत 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर लगभग 98.7 डॉलर प्रति बैरल हो गई है। ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को बाधित करने की धमकी दी है, जो वैश्विक तेल शिपमेंट के लिए महत्वपूर्ण मार्ग है। अमेरिका ने भी 13 मार्च को ईरान पर हमले तेज किए। आईएफए ग्लोबल के एक प्रमुख अ?धिकारी का कहना है कि रुपये पर दबाव तब तक रहेगा जब तक ब्रेंट क्रूड 100 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना रहेगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लिए यह समय चुनौतीपूर्ण है। उसे रुपये की अस्थिरता को नियंत्रित करने और उधारी की लागत में तेज वृद्धि को रोकने के बीच संतुलन बनाना पड़ रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार 6 मार्च को समाप्त सप्ताह में 716.8 अरब डॉलर रहा, जो कुछ हद तक हस्तक्षेप की क्षमता देता है, लेकिन बढ़ते वैश्विक जोखिमों के बीच सीमित प्रभाव हो सकता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि सरकारी बॉन्ड यील्ड निकट भविष्य में सीमित दायरे में रह सकती है। वहीं, रुपये पर दबाव जारी रहने की संभावना है, जब तक तेल की कीमतें ऊंची हैं और ईरान संकट हल नहीं होता। आरबीआई को सावधानीपूर्वक कदम उठाने की जरूरत है ताकि मुद्रा स्थिर रहे और आर्थिक उधारी की लागत नियंत्रण में रहे।

1 अप्रैल से महंगा होगा फास्टैग पास

नई दिल्ली। एजेंसी। हाइवे पर यात्रा करने वाले वाहन चालकों के लिए फास्टेग एनुअल पास अब महंगा होने जा रहा है। नेशनल अथारिटी आफ इंडिया (एनएचएआई) ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए फास्टेग एनुअल पास की कीमत में संशोधन किया है। यह नई दर 1 अप्रैल से लागू होगी। अब तक इस पास के लिए ग्राहकों को 3000 रुपये देने पड़ते थे, लेकिन 1 अप्रैल से प्राइवेट कार, जीप और वैन मालिकों को 3075 रुपये चुकाने होंगे। हालांकि कीमत में मामूली बढ़ोतरी के बावजूद पास की सुविधाओं और वैधता में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इस पास के जरिए निजी वाहन चालक देश के नेशनल हाईवे और एक्सप्रेसवे नेटवर्क पर 200 टोल क्रॉसिंग तक प्रीपेड एंट्री ले सकते हैं। यह पास तब तक वैध रहता है जब तक 200 टोल क्रॉसिंग पूरी नहीं हो जातीं या डिजिटल एक्टिवेशन के एक साल पूरे नहीं हो जाते।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये बढ़त दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने से आई है। आज बैंकों, ऑटो और एफएमसीजी क्षेत्रों के शेयरों में आये उछाल से बाजार ऊपर आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 939 अंक बढ़कर 75,502.85 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएनई निफ्टी 257.70 अंक उछलकर 23,408.80 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 75,805.27 जबकि निफ्टी 23,502 के अपने दिन के शीर्ष स्तर पर पहुंचा। इस दौरान व्यापक बाजारों का प्रदर्शन बेंचमार्क सूचकांकों से कमजोर रहा। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स में 0.43 फीसदी और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.65 फीसदी की गिरावट रही। सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी ऑटो में सबसे ज्यादा 1.67 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। वहीं निफ्टी एफएमसीजी में

1.14 फीसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज में 1.50 फीसदी और निफ्टी बैंक में 1.22 फीसदी की तेजी रही। वहीं, निफ्टी रियल्टी में 1.57 फीसदी की गिरावट रही। इसके अलावा, निफ्टी ऑयल एंड गैस इंडेक्स में 1.58 फीसदी वहीं निफ्टी आईटी 0.10 फीसदी गिरा। निफ्टीमें बीईएल, मैक्स हेल्थकेयर, विप्रो, कोल इंडिया, ओएनजीसी, डॉ. रेड्डीज, सन फार्मा, श्रीराम फाइनेंस, सिप्ला और पावर ग्रिड के शेयरों में 1 फीसदी से अधिक की गिरावट रही जबकि अल्ट्राटेक सीमेंट, ग्रासिम इंडस्ट्रीज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, इटरनल, ट्रेंट, एचडीएफसी, बजाज फाइनेंस, जेएसडब्ल्यू और बजाज-ऑटो के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी रही। इससे पहले आज बाजार की सपाट शुरुआत हुई। सुबह बीएसई सेंसेक्स गिरावट के साथ करीब 74,415 अंक पर खुला। वहीं निफ्टी भी लगभग सपाट स्तर पर 23,116 अंक पर खुला। शुरुआती कारोबार में इसमें भी मामूली उतार-चढ़ाव देखने को मिला। विशेषज्ञों के अनुसार बाजार पर मध्य पूर्व में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव से निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है। इसके अलावा अंतरराष्टीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी भी बाजार के लिए चिंता का कारण बनी हुई है। दूसरी ओर रुपये में कमजोरी और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली से भी बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है।

देश में थोक महंगाई फरवरी 2026 में बढ़कर 2.13 फीसदी पर पहुंची

नई दिल्ली। एजेंसी। देश में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई फरवरी 2026 में बढ़कर 2.13 प्रतिशत हो गई है। यह लगातार चौथा महीना है जब थोक महंगाई बढ़ी है। जनवरी 2026 में यह दर 1.81 प्रतिशत थी, जबकि फरवरी 2025 में 2.45 प्रतिशत दर्ज की गई थी। सरकार द्वारा सोमवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, खाद्य और गैर-खाद्य वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि इसके प्रमुख कारणों में शामिल है। उद्योग मंत्रालय ने बताया कि फरवरी में महंगाई की सकारात्मक दर मुख्य रूप से अन्य विनिर्माण, बेसिक मेटल, गैर-खाद्य वस्तुएं, खाद्य वस्तुएं और वस्त्रों की कीमतों में बढ़ोतरी से आई है। खाद्य वस्तुओं में महंगाई जनवरी के 1.55 प्रतिशत से बढ़कर फरवरी में 2.19 प्रतिशत हो गई। हालांकि, सब्जियों की महंगाई में राहत मिली और यह जनवरी के 6.78 प्रतिशत से घटकर 4.73 प्रतिशत पर आ गई। इसके बावजूद दाल, आलू, अंडा, मांस और मछली जैसी वस्तुओं की कीमतों में तेजी बनी रही, जिससे कुल खाद्य महंगाई बढ़ी। विनिर्मित उत्पादों में हल्की बढ़ोतरी हुई और उनकी थोक महंगाई जनवरी के 2.86 प्रतिशत से बढ़कर फरवरी में 2.92 प्रतिशत हो गई। वहीं गैर-खाद्य वस्तुओं की महंगाई 7.58 प्रतिशत से बढ़कर 8.80 प्रतिशत हो गई, जो कच्चे माल और औद्योगिक वस्तुओं की कीमतों में दबाव को दर्शाता है। ईंधन एवं बिजली श्रेणी में गिरावट का दौर जारी रहा। फरवरी में इस क्षेत्र में महंगाई दर -3.78 प्रतिशत रही, जबकि जनवरी में यह -4.01 प्रतिशत थी। इसका मतलब है कि इस क्षेत्र में कीमतें पिछले साल की तुलना में कम हैं, लेकिन गिरावट की गति धीमी हुई।

अमेरिका और ईरान तनाव से वैश्विक ऊर्जा संकट बढ़ा- अमेरिकी तेल कंपनियां

वाशिंगटन। एजेंसी। अमेरिका की प्रमुख तेल कंपनियों एक्सॉन, शेवरॉन और कोनोकोफिलिप्स के सीईओ ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन को आगाह किया कि ईरान युद्ध से वैश्विक ऊर्जा संकट और गंभीर हो सकता है। उनका कहना है कि स्ट्रेट आफ होर्मुज से तेल की आपूर्ति में बाधाएं अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार में अस्थिरता बनाए रखेंगी। ट्रंप ने संकेत दिया कि युद्ध को समाप्त करने के लिए बातचीत संभव है, लेकिन शर्तें अमेरिका के लिए पर्याप्त नहीं हैं। उन्होंने कहा कि ईरान समझौता करना चाहता है, लेकिन अमेरिका बेहतर शर्तों पर ही आगे बढ़ेगा। उन्होंने चीन, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया और यूके को स्ट्रेट आफ होर्मुज में युद्धपोत भेजने का आह्वान किया ताकि जलडमरूमध्य खुला रहे। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि ईरान तब तक अमेरिका से बातचीत नहीं करेगा जब तक ट्रंप यह स्वीकार नहीं करते कि वे अवैध युद्ध कर रहे हैं। यूरोपीय संघ के विदेश मंत्री नौसैनिक मिशन बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। जर्मनी ने कहा कि रेड सी में शिपिंग सुरक्षा अब तक प्रभावी नहीं रही। ट्रंप प्रशासन कई देशों के साथ गठबंधन बनाकर जहाजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की योजना बना रहा है। युद्ध ने अब तक लगभग 3750 लोगों की जान ले ली है। ईरान में 3000 से अधिक, खाड़ी और इजरायल में दर्जनों, और अमेरिका ने 13 सैनिक खो दिए। ईरानी हमले जारी हैं और अमेरिका ने खारग द्वीप पर हमले किए। यूएई ने 1600 ड्रोन और 300 से अधिक मिसाइलें रोक ली हैं। फुजैरा में तेल लोडिंग फिर शुरू हुई। तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से अधिक हो गई है। यह बंदरगाह स्ट्रेट आफ होर्मुज के पास स्थित है और यूएई व वैश्विक बाजारों के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है।

मेष- आज का दिन आपको उन्नति की राह पर आगे बढ़ाने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग लाएगी, लेकिन किसी सहयोगी की कोई बात आपको थोड़ी खटक सकती है। यदि आपका कोई सरकारी काम लंबे समय से अटका हुआ था, तो आज उसके पूरे होने के संकेत मिल रहे हैं। जमीन-जायदाद या संपत्ति से जुड़े मामलों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। दूसरों की बातों में आकर अपना मन विचलित न करें, बल्कि अपने लक्ष्य पर ध्यान केंद्रित रखें। सेहत के मामले में थोड़ी सतर्कता बरतना बेहतर रहेगा।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए बेहद खुशनुमा रहने वाला है। आप किसी भी काम में जल्दबाजी में निर्णय नहीं लेंगे, जिससे आपको सही परिणाम मिलेंगे। आपकी ऊर्जा और उत्साह आज भरपूर रहेगा, जिससे आप अपने कार्यों को आसानी से पूरा कर पाएंगे। परिवार के किसी सदस्य को लेकर जो चिंता थी, वह धीरे-धीरे कम होती नजर आएगी। व्यापार से जुड़े किसी काम के लिए आपको यात्रा भी करनी पड़ सकती है। विद्यार्थियों को मानसिक तनाव से राहत मिलने के संकेत हैं।

मिथुन- आज आपको किसी भी काम में लापरवाही से बचना होगा। यदि पिताजी से किसी बात को लेकर मतभेद था, तो वह बातचीत के जरिए सुलझ सकता है। संतान की ओर से कोई अच्छी खबर मिलने की संभावना है। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी रखें, क्योंकि चोट लगने की आशंका हो सकती है। कार्यस्थल पर अपने बॉस की बातों को नजरअंदाज करना आपके लिए ठीक नहीं होगा, वरना आपके प्रमोशन पर भी असर पड़ सकता है।

कर्क- आज का दिन आपके लिए खुशियों और मौज-मस्ती से भरा रहेगा। आप परिवार के साथ अच्छा समय बिताएंगे, जिससे मन की उलझनें भी दूर होंगी। बच्चों के साथ समय बिताकर आपको काफी सुकून और आनंद मिलेगा। जीवनसाथी को नौकरी में प्रमोशन या कोई अच्छी उपलब्धि मिलने से घर का माहौल और भी खुशहाल रहेगा।

सिंह- आज आपके साहस और पराक्रम में वृद्धि होगी। हालांकि लोगों से काम निकालने के लिए आपको थोड़ा नरम व्यवहार अपनाना होगा, क्योंकि आपका तेज स्वभाव कुछ लोगों को असहज कर सकता है। अनजान लोगों से दूरी बनाए रखना ही बेहतर रहेगा। पारिवारिक समस्याएं थोड़ी चिंता बढ़ा सकती हैं, लेकिन समझदारी से काम लेने पर सब संभल जाएगा। संतान से किया हुआ कोई वादा आज आपको पूरा करना पड़ सकता है।

कन्या- आज का दिन आपके लिए निश्चित रूप से फलदायक रहेगा। कार्यक्षेत्र में किसी सहयोगी से हल्की-फुल्की नोक झोंक हो सकती है, लेकिन समझदारी से मामला सुलझ जाएगा। जो विद्यार्थी विदेश में शिक्षा प्राप्त करने का सपना देख रहे हैं, उनके लिए कोई अच्छी खबर आ सकती है। परिवार में चल रही पुरानी नाराजगी बातचीत से दूर होगी और रिश्तों में मधुरता आएगी। नए वाहन की खरीदारी को लेकर आप पिताजी से चर्चा कर सकते हैं।

तुला- आज का दिन आपको दिखावे और अनावश्यक खर्चों से दूर रहने की सलाह देता है। कोई सरकारी मामला आपको थोड़ी परेशानी में डाल सकता है और लेन-देन से जुड़ा कोई विवाद कानूनी रूप भी ले सकता है। संतान के एडमिशन को लेकर आप उनके सीनियर्स या किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह ले सकते हैं। अपने लिए कुछ नए कपड़े या जरूरी सामान खरीदने का भी मन बना सकते हैं। घर में किसी मेहमान के आगमन से माहौल खुशहाल रहेगा।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए खास रहने वाला है। कोई महत्वपूर्ण काम फाइनल होने की संभावना है, जिससे आप खुशी में किसी छोटी पार्टी का आयोजन भी कर सकते हैं। व्यापार में पार्टनरशिप आपके लिए लाभदायक साबित होगी और अच्छा मुनाफा मिलने की संभावना है। आप अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए नई योजनाएं बना सकते हैं। नए वाहन की खरीदारी का विचार भी मन में आ सकता है।

धनु- आज का दिन व्यापार और आय में वृद्धि लेकर आएगा। आपकी आमदनी पहले से बेहतर होगी और आप नए स्त्रोतों से कमाई के अवसर तलाशेंगे। यदि कोई सरकारी काम लंबे समय से अटका हुआ था, तो उसके पूरे होने के संकेत मिल सकते हैं। संतान को किसी नए कोर्स में दाखिला दिलाने का विचार भी बन सकता है। घूमने-फिरने के दौरान कोई महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है जो भविष्य में काम आएगी।

मकर- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। हालांकि जीवनसाथी के साथ तालमेल की कमी के कारण छोटी-छोटी बातों पर बहस हो सकती है। परिवार में किसी सदस्य की सेहत खराब होने से भागदौड़ बढ़ेगी। काम का बोझ भी आज ज्यादा रह सकता है क्योंकि कुछ सहकर्मी छुट्टी पर जा सकते हैं। आय और खर्च के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी रहेगा। आर्थिक स्थिति धीरे-धीरे मजबूत होती नजर आएगी।

मीन- आज आपको अपनी जरूरतों को ध्यान में रखते हुए ही खर्च करना चाहिए, क्योंकि बढ़ते खर्च आपकी चिंता बढ़ा सकते हैं। कोई शारीरिक परेशानी भी आपको थोड़ा परेशान कर सकती है, इसलिए स्वास्थ्य का ध्यान रखें। विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के मार्ग खुल सकते हैं। संतान की ओर से कोई सुखद समाचार मिलने की संभावना है। कार्यस्थल पर आपकी कोई पुरानी गलती सामने आ सकती है, इसलिए स्थिति को संभालने के लिए विनम्रता से माफी मांगना ही बेहतर रहेगा।

शब्दजाल - 8200

मं	स	दौ	ल	त	का	जं	ग	ल	ल्ली	क
ग	फ	रि	श्ता	ला	फि	बा	जी	ग	झ	क
ल	क	ल	म	ह	ला	पू	ना	ण	ट	को
पां	इ	ल	त	हैं	प	ल	ला	रं	ला	आ
डे	श्क	ल	मा	नु	आ	उ	वा	ण	घ	ब
ती	ब	ल	शा	सं	शी	ही	रं	कौ	ला	रु
क	बा	हु	र	मे	र्वा	अ	य	या	श	गा
बे	द	ल	बे	ला	द	स	छू	र	प	न
व	र	ल	प	ग	जी	ना	ल	त	के	दों
फा	क	ल	प	द	म	दि	व्य	ब	क	या
जी	आ	ज	औ	र	क	ल	द्दा	ण	घ	न्या

शब्द जाल में अशोक कुमार की 10 फिल्मों के नाम ढूंढिए. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे भी हैं.

अछूत कन्या, तमाशा, फरिश्ता, काफिला, बेवफा, आज और कल, वारंट, बहु बेगम, आबरु, आशीर्वाद

शब्दजाल - 8199 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7144

ऊपर से नीचे:-

१. 'मेरा नाम है चमेली' गीत वाली संजीव कुमार, नाजिमा, कुमकुम की फिल्म-२,२,२
२. तुषार कपूर, अंतरा माली की 'मैं लव तुमसे' गीत वाली फिल्म-३
४. 'सिर्फतुम ही तो हो जिसपे' गीत वाली शम्मीकपूर, साधना की फिल्म-५
५. अभिषेक बच्चन, भूमिका चावला की 'दिल में जो बात' गीत वाली फिल्म-२
७. 'मधुबन में जो कन्हैया' गीत वाली आमिरखान, ग्रेसीसिंह की फिल्म-३
९. संजयखान, बबीता की 'आ लगजा गले' गीत वाली फिल्म-२,२
१३. 'रूखी सूखी रोटी' गीत वाली अनिल कपूर, रानी मुखर्जी की फिल्म-३
१५. 'क्या सही प्यार है' गीत वाली फिल्म 'रॉकी' में संजयदत्त, के साथ नायिका कौन थी-३
१६. जीतेंद्र, श्रीदेवी की 'आई लव यू आई लव यू' गीत वाली फिल्म-५
१८. 'ओफ्फो जलता है बुझता है' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन अब्राहम, नौहीद की फिल्म-३
२०. संजय दत्त, माधुरी दीक्षित की 'तम्मा तम्मा लोगे' गीत वाली फिल्म-४
२१. 'लो आगई उनकी याद' गीत वाली मनोज कुमार, आशा पारेख की फिल्म-१,३
२४. अक्षय कुमार, करीना कपूर की 'तूने कहा जब से हाँ' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'और क्या अहद ए वफा' गीत वाली सनी देओल, अमृतासिंह की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. जतिन ग्रेवाल, यश पाठक, नेहा की 'चलती है पुरवाई' गीतवाली फिल्म-३
३. 'मेरा मन तेरा प्यासा' गीत वाली देव आनंद, जाहिदा, जाहिरा की फिल्म-४
६. सनी, मीनाक्षी की सोचना क्या जो भी होगा' गीत वाली फिल्म-३
८. 'कब तक हुजूर रूठे रहोगे' गीत वाली जीतेंद्र, बबीता की फिल्म-३
१०. धर्मेन्द्र, हेमा, रीना राय की 'नागिन सा रूप है तेरा' गीत वाली फिल्म-४
११. 'सपने में मिलती है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज, उर्मिला की फिल्म-२
१२. रघुवीर यादव, कुणालकपूर, तब्बू, नादिरा बब्बर की 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'क्या करे क्या ना करें' गीत वाली जैकी श्रॉफ, उर्मिला की फिल्म-३
१६. सनी देओल, करिश्मा की 'छम्मक छल्लो जरा धीरे' गीत वाली फिल्म-३
१७. जैकी श्रॉफ, संजय, माधुरी की फिल्म-५
१९. फारूख शेख, नसीरूद्दीनशाह, दीप्ति नवल की सई परांजपे निर्देशित एक फिल्म-२
२२. 'कंधों से मिलते हैं कंधे' गीत वाली अमिताभ, रितिक, प्रीति की फिल्म-२
२३. राकेश रोशन, रेखा की 'सुन सुन सुन दीदी तेरे लिये' गीत वाली फिल्म-५
२५. 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली अमजद खान, विनोद मेहरा, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-२
२६. संजय दत्त, सलमान खान, रवीना की 'सुनो गौर से' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'जिसका मुझे था इंतजार' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-२
२९. मिलिंद सोमण, विक्रम सलूजा, किरण झवेरी की फिल्म-३
३०. फिल्म 'रफूचक्कर' में नायिका थी-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7143

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

17 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ	समय
सूर्य	मीन में	मीन	06.00 बजे से
चंद्र	कुंभ में	मेष	07.35 बजे से
मंगल	कुंभ में	वृष	09.15 बजे से
बुध	कुंभ में	मिथुन	11.13 बजे से
गुरु	मिथुन में	कर्क	13.26 बजे से
शुक्र	मीन में	सिंह	15.43 बजे से
शनि	मीन में	कन्या	17.54 बजे से
राहु	कुंभ में	तुला	20.05 बजे से
केतु	सिंह में	वृश्चिक	22.20 ब.से
राहुकाल		धनु	00.36 बजे से
3.00 से 4.30		मकर	02.41 बजे से
बजे तक		कुंभ	04.28 बजे से

मंगलवार 2026 वर्ष का 76 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास चैत्र (दक्षिण भारत में फाल्गुन)
पक्ष कृष्ण
तिथि त्रयोदशी 09.23 बजे को समाप्त।
नक्षत्र धनिष्ठा 06.22 बजे को समाप्त।
योग सिद्ध 08.15 बजे को समाप्त।
करण वणिज 09.23 बजे तदनन्तर विष्टि 20.59 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 24.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 01° 26'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872651
जूलियन दिन 2461116.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना रमजान **तारीख** 27
विशेष मासिक शिवरात्रि।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: जनकल्याण की राह

एक बार अयोध्या के राजा रघु के दरबार में इस प्रश्न पर बहस चल रही थी कि राजकोष का उपयोग किन प्रयोजनों के लिए किया जाए? एक पक्ष का मत था कि सैन्य शक्ति बढ़ाई जाए ताकि न केवल अपनी सुरक्षा हो बल्कि राज्य के विस्तार की योजना भी आगे बढ़े। इस अभियान पर जो खर्च होगा उसकी भरपाई पराजित देशों से मिलने वाले संसाधनों से की जा सकेगी। दूसरे पक्ष का कहना था कि राजकोष प्रजा जन के हित में खर्च किया जाए ताकि उनका जीवन स्तर बढ़ सके। अगर सुखी, संतुष्ट, साहसी और सहृदय नागरिक हों तो देश समृद्ध होता है। इस प्रकार युद्ध करके नए क्षेत्र जीतने की अपेक्षा मैत्री का विस्तार कहीं अधिक लाभदायक है। उससे स्वेच्छया सहयोग और अपनत्व की ऐसी उपलब्धियां प्राप्त होती हैं, जिनके कारण छोटा देश भी चक्रवर्ती स्तर का बन सकता है। दोनों पक्षों के तर्क चलते रहे। सबके मन में उत्सुकता थी कि आखिर राजा रघु क्या निर्णय देते हैं। जब सबने अपनी बात समाप्त की तब उन्होंने कहा, 'युद्ध पीढ़ियों से लड़े जाते रहे हैं। उनके कड़वे-मीठे परिणाम भी स्मृति पटल पर अंकित हैं। लेकिन इस बार युद्ध छोड़ दिया जाए और लोकमंगल को अपनाया जाए। देखते हैं क्या होता है। समस्त संपत्ति जनकल्याण की योजनाओं पर खर्च कर दी जाए।' कुछ सभासद दबे-छुपे इस निर्णय की आलोचना करने लगे। उन्हें अनिष्ट की आशंका सताने लगी। उधर रघु के निर्णय के मुताबिक विकास योजनाएं तेज कर दी गईं। धीरे-धीरे प्रजाजन हर दृष्टि से समुन्नत हो गए। आक्रमण की चर्चाएं समाप्त हो गईं। सुख-शांति के समाचार पाकर अन्य देशों के समर्थ लोग वहां आकर बसने लगे। बंजर भूमि सोना उगलने लगी और अयोध्या में खुशहाली फैल गई।

सूडोकु नवताल- 7453

★★★✯☆ मध्यम

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
			9				3	5
	6						7	
4	8				1		6	2
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7452 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

शब्द पहेली - 8668

बाएँ से दाएँ

1. तरंग, हिलोर-3
3. झगड़ा, द्वेष, कहासुनी-3
5. पार्थिव देह-2
6. जरा, थोड़ा-2
8. रहस्य जानने वाला-4
10. दरवेश, औलिया, पीर-3
12. बहुतांश-3
13. राजनीतिक पार्टी-2
14. हिरासत-2
15. साजन, प्रेमी-3
17. देवर्षि-3
19. भगवान, रब, करतार -4
21. श्रवणेंद्रिय-2
23. प्राण, जीवन तत्व-2
24. द्रव पदार्थ-3
25. डोली उठाने वाले-4

ऊपर से नीचे

1. भगवान राम का एक पुत्र-2
2. दया, करुणा-3
3. शर्ट, बुशर्ट-3
4. अधिकार-2
5. भद्र, कुलीन-3
7. बड़ा भवन, कोठी-3
8. हमेशा, हर पल-4
9. यात्री, पथिक, राहगीर-2
12. कुख्यात-2,2
15. तमीज, तहजीब-3
16. रात्रि, रजनी-2
18. शोषण करना, दबाना-3
19. आसान, सीधा-3
20. नाव चलाने वाला-3
22. झुका हुआ-2
23. मर्तबान, रुस का राजा-2

शब्द पहेली -8667 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

वारी में माँ पांढरी पाट देवीधाम के पीछे जंगल में मिला एक व्यक्ति का शव

बंशी उर्फ चुरणगीर जोगी के रूप में हुई शिनाख्त

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लांजी।

लांजी क्षेत्र के प्रसिद्ध पर्यटन एवं धार्मिक स्थल माँ पांढरी पाट देवीधाम वारी के पीछे की ओर जंगल में एक व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई। स्थानीय लोगो के द्वारा उक्त शव के संबध में बहेला पुलिस को सूचना दी गई पुलिस एवं अन्य जनो ने मौके पर पंहुचकर उक्त शव की शिनाख्त चुरणगीर पिता गिरवर जोगी उम्र 33 वर्ष ग्राम रामपुर साल्हेवाड़ा थाना बेमेतरा छत्तीसगढ़ का निवासी होना बताया गया है। बतादे कि चुरणगीर जिसे वारी क्षेत्र में लोग बंसी गिरी के नाम से जानते थे जो कि कुछ समय तक वारी देवी धाम में कार्य करता था। लेकिन पिछले 1 वर्ष से अपने ग्राम वापस जाना बताया गया है। अब जब 16 मार्च को चुरणगीर जोगी का शव प्रातः 9:30 बजे करीब ग्राम वारी कोटवार के द्वारा पुलिस को सूचना दी गई कि चुरणगीर जोगी का शव वारी मंदिर के पीछे जंगल में मृत अवस्था में पड़ा हुआ है। पुलिस के द्वारा मौका स्थल पर पंहुचकर मर्ग पंचनामा कार्यवाही की गई जहां मृतक के पास से अनेको दस्तावेज पाये गये जिसमे मृतक की पहचान की गई। शव को पोस्टमार्टम हेतु बहेला

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले जाया गया जहां पीएम कर शव परिजनों को सौंपा गया। बहेला पुलिस ने मर्ग क्रमांक 04/26 धारा 194 बीएनएस कायम कर जांच में लिया गया है। चुरणगीर उर्फ बंशी गिरी के द्वारा आत्महत्या की गई या कोई और इसके पीछे साजिश है इन सभी विषयो पर अभी पर्दा डला हुआ है पुलिस मामले की विवेचना कर रही है हालांकि संदेह इस विषय पर अधिक कि जब बंशी गिरी विगत 1 वर्ष पहले अपने गृह ग्राम छत्तीसगढ बेमेतरा जा चुका था तो वह वापस क्यों आया और क्यों संदिग्ध अवस्था में बंशी गिरी का शव मिला है। बहरहाल यह पुलिस जांच का विषय है।

बस स्टैंड साडरा में हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा मां दुर्गा प्रतिमा स्थापना दिवस

पद्मेश न्यूज। लांजी। तहसील अंतर्गत ग्राम साडरा बस स्टैंड में स्थित मां सिंहवाहिनी मां दुर्गा उत्सव समिति के तत्वावधान में 17 मार्च 2026 को मां दुर्गा जी की प्रतिमा स्थापना की आठवीं वर्षगांठ बड़े ही उत्साह और भक्ति भाव से मनाया जाएगा।

इस दिन कार्यक्रम के तहत सुबह 6:30 बजे से मां दुर्गा जी का विशेष अभिषेक किया जाएगा। तत्पश्चात दोपहर 12:00 बजे पूजा-अर्चना कर विशेष अनुष्ठान किया जाएगा। कार्यक्रम के तहत शाम 6:30 बजे महाआरती कर 56 भोग लगाया जाएगा तथा शाम 7:30 बजे से महाप्रसादी भण्डारे का आयोजन किया गया है।

समिति के सदस्यों ने बताया कि मां सिंहवाहिनी दुर्गा के दरबार में पूरे वर्ष भर भागवताचार्य पंडित दिनु प्रसाद तिवारी (साडरा) द्वारा सुबह-शाम नियमित पूजा, आरती और भक्ति भजन संपन्न किए जाते हैं। यह मंदिर स्थानीय लोगों के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है।

आयोजन समिति के नरेंद्र घोरमारे, छोटे लाल घोरमारे, के. सी. गुर्दे, डॉ. प्रकाश नगपुरे, दिलीप सोनी, संजय कुमार सोनवाने, भोला रणदिवे, डॉ. प्रहलाद रणदिवे, श्याम रणदिवे, बलराम सोनवाने, शैलेन्द्र रणदिवे, अरुण रणदिवे, लक्ष्मी प्रसाद बिल्हारे, केशरी ट्रेडर्स, सुभाष रणदिवे, राजेश्वर मेहर, अहिरवार अमीन, थानेश्वर रणदिवे आदि समिति के सदस्यों ने सभी भक्तों से

अपील की है कि इस शुभ अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर मां दुर्गा के आशीर्वाद प्राप्त करें।

साडरा में 22 से संगीतमय श्रीमद भागवत ज्ञानयज्ञ सप्ताह

पद्मेश न्यूज। लांजी। क्षेत्र के ग्राम साडरा में संगीतमय श्रीमद भागवत कथा का विशाल ज्ञानयज्ञ सप्ताह महोत्सव आयोजित किया गया है। आचार्या किशोरी चारुलताजी के श्रीमुख से यह त्रिवेणी संगम

22 मार्च से 31 मार्च 2026 तक दोपहर 11 बजे से शाम 5 बजे तक होगा। कार्यक्रम के तहत 22 मार्च रविवार को शाम 5 बजे कलश शोभा यात्रा निकाली जाएगी। 23 मार्च सोमवार को वेदी पूजन व कलश स्थापना उपरांत श्रीमद भागवत कथा प्रारम्भ होगी जिसमें प्रथम दिन गौकर्ण महात्म्य कथा, 24 मार्च मंगलवार को परीक्षित जन्म, कथा संगम, वराह अवतार, 25 मार्च बुधवार को कपिल, ध्रुव, भरत कथा; शिव-पार्वती विवाह कथा, 26 मार्च गुरुवार को अजामिल, ध्रुव चरित्र, नरसिंह अवतार कथा, 27 मार्च शुक्रवार को गज उद्धार, समुद्र मंथन, वामन अवतार; श्री राम-कृष्ण जन्मोत्सव, 28 मार्च शनिवार पूतना उद्धार, ब्रज लीला, कंस वध; श्रीकृष्ण-रुक्मिणी विवाह, 29 मार्च रविवार को राजा वृग, पौंड्रक, सुदामा कथा प्रसंग, 30 मार्च सोमवार को यदुवंशी गोलोक कथा, परीक्षित मोक्ष, चढ़ौत्री तथा 31 मार्च मंगलवार को गीतासार, तुलसी वर्षा, उपरांत हवन, पूर्णाहुति पश्चात प्रसादी वितरण किया जाएगा।

कार्यक्रम के आयोजक लक्ष्मीप्रसाद बिल्हारे, सीताराम बूढ़ानसारा, सौ. लता, दिलीप बिल्हारे, जयमन-सौ. लक्ष्मी बिल्हारे, योगेन्द्र कमाले-सौ. तारावती, सौ. लता, सौ. शांती बिल्हारे, दिनेश बिल्हारे-सौ. रेखा, खेमेन्द्र भटेरे, योगराज भटेरे, राहुल बिल्हारे-सौ. निधी, चि. अर्जुन गजबे, राजु कबीरे, सोमेन्द्र कबीरे, गंगाराम महिश्वरे, पुनाराम धनोले, कु. नंदनी बिल्हारे एवं समस्त बिल्हारे परिवार ने सभी भक्तजनों से कार्यक्रम में उपस्थित होकर पुण्य लाभ अर्जित कर जीवन को धन्य करने की अपील की है।

गुड़ी पड़वा और ईद की छुट्टी.......कामकाज को पूरा करने शनिवार और रविवार को होगी संसद की कार्रवाई

नई दिल्ली। संसद के बजट सत्र के दौरान छुट्टियों और जरूरी विधायी कामकाज को ध्यान में रखकर मोदी सरकार ने आगामी दिनों की कार्यवाही का पूरा खाका तैयार किया है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने संसद की बैठकों, छुट्टियों और अहम विधेयकों पर चर्चा को लेकर जानकारी दी है। संसद की बैठक 19 और 20 मार्च को नहीं होगी। 19 मार्च को उगादि/गुड़ी पड़वा और 20 मार्च को ईद की छुट्टी रहेगी। इसके अलावा 26 मार्च को रामनवमी के कारण संसद की कार्यवाही नहीं होगी। इन छुट्टियों के कारण संसद की कार्यवाही को संतुलित करने के लिए अगले सप्ताह शनिवार और रविवार को बैठक करने का फैसला हुआ है। इसके तहत 28 और 29 मार्च को, जो कि शनिवार और रविवार हैं, संसद की बैठक आयोजित की जाएगी। संसदीय कार्य मंत्री रिजिजू ने बताया कि इस सप्ताह 18 मार्च को मोदी सरकार गिलोटिन प्रस्ताव लाएगी। जिन मंत्रालयों या अनुदानों पर चर्चा नहीं हो पाई है, उन्हें सीधे मतदान के लिए रखकर पारित कराया जाएगा, इस प्रक्रिया को ही गिलोटिन प्रस्ताव कहा जाता है।

18 से 27 मार्च तक वीरांगना रानी अवंती बाई स्टेडियम में कोटेश्वर महोत्सव आयोजित होंगे विविध कार्यक्रम

पद्मेश न्यूज। लांजी। धर्म नगरी लांजी में बाबा कोटेश्वर धाम एवं माँ लंजकाई की पावन धरा पर विधायक राजकुमार करहिे एवं कोटेश्वर महोत्सव समिति के द्वारा धार्मिक आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक लोक आस्था का उत्सव कोटेश्वर महोत्सव का आयोजन 18 मार्च से 27 मार्च तक नगर के वीरांगना रानी अवंती बाई स्टेडियम में आयोजित किया जा रहा है। कोटेश्वर महोत्सव में विविध प्रकार के धार्मिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक, खेल कूद आदि आयोजन आयोजित किये जायेंगे। समिति के द्वारा जानकारी में बताया गया कि कोटेश्वर महोत्सव का शुभारंभ 18 मार्च को वीरांगना रानी अवंती बाई स्टेडियम में किया जायेगा जहां व्यवसायिक मेले का भी आयोजन किया गया है। साथ ही कोटेश्वर महोत्सव में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में कबड्डी प्रतियोगिता 19 एवं 20 मार्च को विधानसभा स्तरीय पंचायती कबड्डी प्रतियोगिता पुरूष वर्ग प्रथम पुरस्कार 15 हजार, द्वितीय पुरस्कार 10 हजार, तृतीय पुरस्कार 5 हजार तथा चतुर्थ पुरस्कार 3 हजार रूपये निर्धारित किया गया है। साथ जिला स्तरीय महिला कबड्डी प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जाना सुनिश्चित है जिसमें भी प्रथम पुरस्कार 15 हजार, द्वितीय 10 हजार, तृतीय 5 हजार तथा चतुर्थ 3 हजार रूपये महिला विजेता टीमों को पुरस्कृत किया

जायेगा। प्रतियोगिता में पंजीयन हेतु 17 मार्च तक समिति के सदस्यो से संपर्क कर किया जा सकता है। इसी कड़ी में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन 21 मार्च को शाम 7 बजे से किया गया जिसमें देश के नामी कवियों के द्वारा कवि सम्मेलन में समा बांध कर काव्य पाठ किया जायेगा। कवि सम्मेलन में मंच संचालक सुनील समैय्या, कवि ओज एवं हास्य, कुंवर जावेद अंतराष्ट्रीय शायर एवं गीतकार कोटा राजस्थान, दिनेश देशी घी हास्य कवि उज्जैन मप्र.,लक्ष्मण नेपाली लाफ्टर फेम काठमांडू, नेपाल, श्रृद्धा मौर्य कवित्री ओज एवं श्रृंगार नागपुर, मुकेश चिराग हास्य कवि हरदा मध्यप्रदेश इन सभी कावियों के द्वारा अपनी एक से बढकर एक काव्य पाठ किया जायेगा। 23 मार्च को माँ भगवती देवी जागरण जहां सुप्रसिद्ध भजन गायिका प्रीति सरगम सिंह जबलपुर एवं उनकी टीम के द्वारा एक से बढकर एक देवी गीतों, भजनों की प्रस्तुती दी जावेगी। 24 एवं 25 मार्च को सांस्कृति समूह नृत्य का आयोजन किया जा रहा है। जो कि दोपहर 12 बजे से आयोजित किया जायेगा। इसके अतिरिक्त अन्य और भी कार्यक्रमो का आयोजन कोटेश्वर महोत्सव के अन्तर्गत संपादित होंगे जिसमे क्षेत्र की प्रतिभाओं को भी अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर प्राप्त होगा। विधायक राजकुमार करहिे एवं समिति के सदस्यो के द्वारा क्षेत्र सहित आस पास के सभी जनों से उक्त कार्यकमों में उपस्थिती की अपील की गई।

मरीज बन लाइन में लगे डिप्टी सीएम फिर अस्पताल में अव्यवस्था देख जताई नाराजगी

सफाई, वार्ड व्यवस्था और जांच प्रक्रिया सुधारने के दिए निर्देश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने सोमवार को लखनऊ के एक सरकारी अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। खास बात यह रही कि उन्होंने निरीक्षण के दौरान मरीज की तरह लाइन में खड़े होकर पर्ची कटवाई और सीधे ओपीडी में डॉक्टर के पास पहुंचे। शुरुआत में किसी ने उन्हें पहचाना नहीं, लेकिन जब उन्होंने बीमारी बताने के बजाय अस्पताल की व्यवस्थाओं के बारे में सवाल पूछना शुरू किया तो डॉक्टर उन्हें पहचान गए।

जानकारी के अनुसार, डिप्टी सीएम मास्क लगाकर चिन्हत कम्यूनिटी हेल्थ सेंटर पहुंचे थे। यहां उन्होंने मरीजों के साथ कतार में खड़े होकर पर्ची बनवाई और ओपीडी में जाकर डॉक्टर को मर्ज बताने की जगह अस्पताल में आने वाले मरीजों की संख्या और व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी लेने लगे, जिससे डॉक्टर ने उन्हें पहचान लिया। इसके बाद उन्होंने अस्पताल के विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। करीब 54 मिनट तक चले इस निरीक्षण के दौरान डिप्टी सीएम ने मरीजों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और स्वास्थ्यकर्मियों से भी व्यवस्था के बारे में पूछताछ की। अस्पताल में गंदगी, वार्डों की खराब स्थिति और लापरवाही देखकर वह नाराज हो गए। जनरल वार्ड में कई बेड पर चादर नहीं बिछी मिली और परिसर में भी सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं थी।

इस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई और चेतावनी दी कि अस्पताल में साफ-सफाई की व्यवस्था जल्द सुधारी जाए। उन्होंने सफाई एजेंसी का एक सप्ताह का भुगतान काटने और जिम्मेदार अधिकारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान वह पैथोलॉजी विभाग भी पहुंचे, जहां मरीजों की लंबी कतार लगी थी। उन्होंने टेक्नीशियन से पूछा कि एक मरीज का ब्लड सैंपल लेने में कितना समय लगता है और जांच प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश दिए ताकि मरीजों को ज्यादा इंतजार न करना पड़े। इसके अलावा एक्स-रे कक्ष के आसपास धूल-मिट्टी मिलने पर तुरंत सफाई के आदेश दिए गए। उन्होंने वहां रखी अलमारी खोलकर दवाओं और उपकरणों का स्टॉक भी जांचा। जनरल वार्ड नंबर 28 में पहुंचने पर वहां की स्थिति देखकर उन्होंने कर्मचारियों को कड़ी फटकार लगाई और कहा कि मरीजों की देखभाल में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही शौचालयों की स्थिति सुधारने के भी निर्देश दिए। हालांकि अस्पताल में लगे फायर एक्सटिंग्यूसर की एक्सपायरी डेट जांचने पर वह सही पाई गई।

भिमोडी में 19 मार्च से 9 दिवसीय संगीतमय श्रीमद देवी भागवत कथा का आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। चैत्र नवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर ग्राम भिमोडी में 9 दिवसीय संगीतमय श्रीमद देवी भागवत कथा का भव्य आयोजन किया जा रहा है। यह धार्मिक आयोजन 19 मार्च 2026 से 27 मार्च 2026 तक ठाकुर देव प्रांगण, ग्राम भिमोडी, तहसील लांजी, जिला बालाघाट (म.प्र.) में आयोजित होगा। कार्यक्रम की शुरुआत 19 मार्च को कलश यात्रा एवं देवी पूजन के साथ होगी। इसके बाद प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक प्रसंगों के माध्यम से श्रद्धालुओं को देवी महिमा का रसपान कराया जाएगा। कथा का समय प्रतिदिन दोपहर 12:30 बजे से श्रद्धालुओं की इच्छा तक रहेगा। कथा वाचन बाल विदुषी देवी ब्राह्मिका जी (धमतरी, छत्तीसगढ़) द्वारा किया जाएगा। वे अपने मधुर वाणी और संगीतमय शैली में देवी भागवत के विभिन्न प्रसंगों का वर्णन करेंगी, जिससे श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ज्ञान और भक्ति का लाभ प्राप्त होगा। आयोजन के दौरान देवी महिमा, श्रीकृष्ण अवतार, महिषासुर वध, तुलसी-नारायण विवाह सहित अनेक धार्मिक प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा। समापन दिवस 27 मार्च को हवन, सहस्त्रधारा, कन्या पूजन, शोभायात्रा तथा महाप्रसादी (भंडारा) का आयोजन भी किया जाएगा। इस धार्मिक आयोजन में समस्त कलशधारी एवं ग्रामवासी भिमोडी द्वारा सभी श्रद्धालु भक्तों को सपरिवार शामिल होने के

लिए आमंत्रित किया गया है। आयोजकों ने क्षेत्र के धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर पुण्य लाभ लेने की अपील की है।

राजस्थान में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर उठे सवाल

जयपुर। राजस्थान में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर हालिया रिपोर्ट चिंता बढ़ा रही है। जनवरी 2024 से दिसंबर 2025 तक राज्य के 41 जिलों से कुल 31,347 सैंपल जांच के लिए, जिसमें से 7,653 यानी करीब 24 प्रतिशत सैंपल अमानक मिले। इन सैंपलों में 273 मिसब्रांडेड थे, 6,625 सब-स्टैंडर्ड और 755 पूरी तरह से फेल थे, जिन्हें खाने योग्य नहीं माना गया। मिसब्रांडेड सैंपलों में पैकेट पर लिखी सामग्री और पोषक तत्व वास्तविक उत्पाद में मौजूद नहीं थे।

सब-स्टैंडर्ड सैंपलों में पोषक तत्व निर्धारित मात्रा से कम पाए गए। फेल सैंपल स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न कर सकते हैं। जिलेवार स्थिति भी चिंताजनक रही। फलोदी में सबसे अधिक 35.63 प्रतिशत सैंपल अमानक पाए गए, इसके बाद कोटपूतली-बहरोड़ 33.46 प्रतिशत, टोंक 32.44प्रतिशत, डूंगरपुर 32.17 प्रतिशत, अलवर 32.02प्रतिशत, बारां 32.01प्रतिशत, सिरोही 31.96 प्रतिशत, बाड़मेर 31.86 प्रतिशत, खैरथल-तिजारा 31.84 प्रतिशत, कोटा 31.57 प्रतिशत और राजसमंद 30.78 प्रतिशत सैंपल मानकों से कम पाए गए। ब्यावर 29.68 प्रतिशत, बालोतरा 28.51 प्रतिशत, चित्तौड़गढ़ 28.19 प्रतिशत और जालोर 28.11 प्रतिशत सैंपल खराब पाए गए। हनुमानगढ़ में 26.38 प्रतिशत और प्रतापगढ़ में 25.62 प्रतिशत सैंपल अमानक पाए गए। राजधानी जयपुर में 3,299 सैंपलों में 830 यानी करीब 25.15 प्रतिशत सैंपल गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरे। पाली 25.03 प्रतिशत और सलूंबर 25.17 प्रतिशत सैंपल अमानक पाए गए।

इसके अलावा झुंझुनूं, बांसवाड़ा, दौसा, सीकर और बूंदी सहित कई जिलों में भी बड़ी संख्या में सैंपल मानकों से कम पाए गए। यह स्थिति राज्य में खाद्य सुरक्षा व्यवस्था की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े करती है और उपभोक्ताओं की सेहत के लिए गंभीर चेतावनी है।

आर्थिक गति बढ़ाने, रोजगार सृजन और पलायन रोकने एक मजबूत आधार तैयार किया

मोहाली। मोहाली में तीन दिवसीय प्रगतिशील पंजाब निवेशक शिखर सम्मेलन के अंतिम दिन उद्यमियों को संबोधित करते हुए पंजाब के सीएम भगवंत सिंह मान ने औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए पूर्ण सरकारी समर्थन और प्रोत्साहन का आश्वासन दिया। उन्होंने वैश्विक और राष्ट्रीय निवेशकों की शिखर सम्मेलन में मजबूत भागीदारी की सराहना करते हुए कहा कि 30 विचार-विमर्श सत्रों ने आर्थिक गति बढ़ाने, रोजगार सृजन करने और युवा प्रतिभा पलायन को रोकने के लिए एक मजबूत आधार तैयार किया है। सीएम मान ने निवेश परियोजनाओं की प्रगति पर नजर रखने के लिए छह महीने में समीक्षा की घोषणा की और पंजाब को एक औद्योगिक शक्ति के रूप में बदलने पर जोर दिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम भगवंत मान ने आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के बदलाव पर विचार करते हुए कहा कि हमें पूर्ववर्तियों से कर्ज, शिकायतें और लंबित मुद्दे विरासत में मिले थे, लेकिन हमने कमियों को दूर किया और पंजाब को विकास के पथ पर वापस ला खड़ा किया। उन्होंने अतीत की दबावपूर्ण समझौता ज्ञापन प्रथाओं की तुलना वर्तमान विश्वास-आधारित दृष्टिकोण से की, जहां निवेशक स्वेच्छा से सामाजिक-आर्थिक विकास में भागीदार बनते हैं, जिससे दबाव डालने की रणनीति समाप्त होती है और पारदर्शिता, डिजिटलीकरण और निर्णायक शासन को बढ़ावा मिलता है।

लांजी में "पद्मेश"

इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें

Mo. 8319969927

प्रधानमंत्री मोदी से मिले सीएम डॉ. मोहन यादव,मप्र सरकार की योजनाओं को लेकर हुई बातचीत, कहा

कृषि विकास और आय बढ़ाने पर सरकार का विशेष फोकस

भोपाल/नई दिल्ली।

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सौजन्य भेंट की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से मार्गदर्शन प्राप्त किया और प्रदेश में चल रहे विकास कार्यों की जानकारी साझा की। मुलाकात के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री को राज्य में मनाए जा रहे किसान कल्याण वर्ष के अंतर्गत आयोजित कार्यक्रमों और गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने किसानों के हित में सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों और प्रदेश की प्रगति से भी अवगत कराया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बताया कि किसान कल्याण वर्ष के तहत प्रदेश में कृषि विकास, किसानों की आय बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण पहलें की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इन कार्यक्रमों के माध्यम से कृषि से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों को भी मजबूत किया जा रहा है ताकि किसानों को व्यापक लाभ मिल सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन प्रयासों की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री को आगे के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया।

16 विभाग मिलकर कर रहे काम

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बताए गए मार्ग के अनुसार किसान, महिला, गरीब और युवा इन चार प्रमुख वर्गों के कल्याण के लिए काम कर रही है। उन्होंने बताया कि किसान कल्याण वर्ष के तहत करीब 16 विभागों को एक साथ जोड़ रे कार्य किया जा रहा है। इनमें पशुपालन, मत्स्य पालन, बागवानी और कृषि विभाग जैसे क्षेत्र शामिल हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी विभागों के समन्वय से प्रदेश में बेहतर परिणाम देखने को मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के समग्र विकास के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए मध्यप्रदेश सरकार लगातार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के बेहतर समन्वय से प्रदेश में निवेश, रोजगार और किसान कल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल होंगी और मध्यप्रदेश विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगा।

चार वर्गों के लिए काम कर रही सरकार

सीएम ने कहा प्रधानमंत्री जी द्वारा बांटी गई चारों श्रेणियां - किसान, महिला, गरीब, युवा के लिए हमारी सरकार काम कर रही है। हम किसान कल्याण वर्ष को बहुत अच्छे से मना रहे हैं। करीब 16 विभागों- पशुपालन, मछली पालन, बागवानी, कृषि जैसे सभी विभागों को जोड़ रे अच्छा काम कर रहे हैं। मुझे खुशी है कि प्रधानमंत्री ने हमारे काम को आगे बढ़ने के लिए आशीर्वाद दिया है, और इसके नतीजे भी भविष्य में अच्छे होंगे।

सांसदों से की चर्चा

नई दिल्ली प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संसद भवन का भ्रमण भी किया और विभिन्न सांसदों से मुलाकात कर मप्र के विकास, केंद्र-राज्य समन्वय और जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनता के हित में विकास कार्यों को और गति देने के लिए निरंतर प्रयासरत है तथा किसान कल्याण वर्ष के माध्यम से कृषि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। संसद भवन परिसर में मध्य प्रदेश के सांसदों शंकर लालवानी (इंदौर), राहुल सिंह लोधी (दमोह), आशीष दुबे (जबलपुर), डॉ राजेश मिश्रा (सीधी) के साथ सीएम डॉ मोहन यादव ने मीडिया से चर्चा की।

छह संभागों में बदल जाएंगे मध्य, मालवा और महाकोशल प्रांत

RSS बदलेगा संरचना, संभाग बनाकर खत्म करेंगे प्रांत व्यवस्था, एकीकृत होगा नेतृत्व

भोपाल

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) मध्य प्रदेश में अपनी दशकों पुरानी संगठनात्मक संरचना में बड़ा बदलाव करने जा रहा है। प्रदेश में मध्य, मालवा और महाकोशल में बंटे संघ संगठन को समाप्त कर इन्हें एकजाई किया जाएगा। यानी अब संघ की गतिविधियां तीन अलग- अलग प्रांतों के बजाय एकीकृत प्रदेश नेतृत्व के तहत संचालित होंगी। वहीं प्रांतों को संभागों में बदला जा सकता है। यह व्यवस्था जल्द ही प्रदेश में देखने को मिल सकती है।

संघ सूत्रों के मुताबिक, हरियाणा के समालखा में हाल ही में हुई आरएसएस की सर्वोच्च निर्णायक संस्था अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक में वर्तमान 46 प्रांतों के स्थान पर 80 से अधिक संभाग बनाने पर विचार किया गया। मध्य प्रदेश में तीन प्रांत हैं। जिन्हें अब संभागों में बदला जाएगा। यहां पर 5 या 6 संभाग बनाए जा सकते हैं। ये सभी संभाग प्रदेश संगठन के अंतर्गत काम करेंगे। यानि प्रांत व्यवस्था समाप्त कर प्रदेश व्यवस्था लागू की जाएगी और प्रांतों को संभागों में तब्दील किया जाएगा। मध्य प्रदेश के लिए एक ही प्रदेश प्रमुख और उनकी कार्यकारिणी काम करेगी, जो संगठनात्मक गतिविधियों का संचालन करेगी।

अपनी स्थापना के 100 साल पूरे कर चुका संघ अब जल्द ही संगठन की प्रशासनिक और संचालन व्यवस्था में बदलाव करने जा रहा है। संघ अब प्रांत व्यवस्था को खत्म कर संभाग बनाने जा रहा है। इसके साथ ही अब प्रांत प्रचारक के स्थान पर अब एक राज्य प्रचारक की नियुक्ति की जाएगी।

प्रदेश में अभी हैं तीन प्रांत

वर्तमान में मध्य प्रदेश में संघ का काम मध्य प्रांत, मालवा प्रांत और महाकोशल प्रांत में बंटा हुआ है। तीनों प्रांतों में अलग-अलग प्रांत संघचालक, प्रांत कार्यवाह और कार्यकारिणी बनी हुई है। शाखाओं के विस्तार, प्रशिक्षण वर्गों और सामाजिक गतिविधियों का संचालन भी इन्हीं प्रांतों के स्तर पर किया जाता रहा है। लेकिन नई व्यवस्था लागू होने के बाद यह पूरी संरचना बदल जाएगी। इन तीन प्रांतों की जगह एक ही प्रदेश इकाई बनेगी, जिसके तहत पूरे मध्य प्रदेश का संगठनात्मक संचालन होगा। इससे संघ की रणनीति और कार्यक्रमों को पूरे प्रदेश में एकसमान तरीके से लागू करने में आसानी होगी।

साभार प्रदेश टूडे

प्रदेश संघचालक होंगे सबसे मजबूत

संघ के भीतर इस बदलाव का एक और बड़ा असर नेतृत्व की भूमिका पर भी पड़ेगा। नई व्यवस्था में जो प्रदेश प्रमुख बनेगा, उसकी संगठनात्मक हैसियत अधिक मजबूत होगी। अभी तीन प्रांतों के कारण नेतृत्व कई स्तरों पर बंटा हुआ रहता है, लेकिन प्रदेश व्यवस्था लागू होने के बाद पूरे मध्य प्रदेश का संगठनात्मक नेतृत्व एक ही व्यक्ति के हाथ में होगा।

विस्तार हुआ, शाखाओं की संख्या भी बढ़ी

संघ से जुड़े जानकारों का कहना है कि प्रदेश में पिछले कुछ वर्षों में संगठन का विस्तार काफी तेजी से हुआ है। शाखाओं की संख्या बढ़ी है और संघ से जुड़े अनुषांगिक संगठनों की गतिविधियां भी व्यापक हुई हैं। ऐसे में तीन प्रांतों की अलग-अलग संरचना के कारण कई बार निर्णय प्रक्रिया में समन्वय की चुनौती सामने आती थी। प्रदेश व्यवस्था लागू होने से यह प्रक्रिया अधिक केंद्रीकृत और तेज हो सकेगी।

AICC कर रही प्रदेश कांग्रेस की संपत्तियों का रिव्यू, दिल्ली पहुंचे जीतू पटवारी-उमंग सिंघार

भोपाल

मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों और शहरों में कांग्रेस की संपत्ति की समीक्षा आज दिल्ली में हो रही है। पार्टी के कोषाध्यक्ष अजय माकन ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के साथ यह समीक्षा की जा रही है। दोनों ही नेता आज दिल्ली में हैं।

प्रदेश कांग्रेस के पास भोपाल सहित प्रदेश के कई शहरों में संपत्तियां हैं, लेकिन लंबे अरसे से इन पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। पिछले वर्ष कोषाध्यक्ष अजय माकन के निर्देश पर प्रदेश कांग्रेस भी अपनी संपत्ति खंगाल रही है। इन सभी संपत्ति की दिल्ली में समीक्षा की जा रही है। पटवारी इन संपत्तियों से संबंधित दस्तावेज और उनकी वर्तमान स्थिति की जानकारी लेकर दिल्ली पहुंचे हैं। जहां पर ये माखन को बताएंगे। वहीं पार्टी फंड और फंड कलेक्शन को लेकर भी इस बैठक में बातचीत हो रही है।

तीन दिन तक नेता प्रतिपक्ष और प्रदेश अध्यक्ष संगठन को लेकर देंगे रिपोर्ट

इधर जिला संगठन महामंत्रियों का प्रशिक्षण

वहीं प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में सोमवार को जिला संगठन महामंत्रियों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण में 71 जिला संगठन महामंत्री शामिल हुए हैं। प्रशिक्षण के दौरान ही इन्हें इनके पॉवर और दायरा बताया गया। इसके तहत अब जिला, ब्लॉक, उप ब्लॉक, मंडलम-सेक्टर में नियुक्तियां संबंधी आदेश ये जारी कर सकेंगे। इसके अलावा संगठन महामंत्री केंद्रीय या प्रदेश संगठन से निर्देशित संगठन के काम-काजों को लेकर जिला पदाधिकारियों को पत्र जारी कर उन्हें बताएंगे। वहीं इन सभी से संगठन के काम कार्जों का समय-समय पर अपडेट लेना, बैठकों का आयोजन करवाना आदि जैसे काम जिला संगठन महामंत्रियों के हवाले किया गया है। प्रदेश संगठन महामंत्री डॉ. संजय कामले, महेंद्र जोशी टिप्स दे रहे हैं। वहीं मीडिया और सोशल मीडिया की ओर से इसमें प्रेजेंटेशन दिया जा रहा है।

निर्माण सामग्री और काम का विभागीय और इंपेनल्ड लैब में परीक्षण कराएगा PWD

भोपाल

लोक निर्माण विभाग द्वारा ठेकेदारों और निजी एजेंसियों के जरिए कराए जाने वाले कार्यों और काम में उपयोग की जा रही सामग्री का विभागीय लैब और विभाग इंपेनल्ड लैबों में परीक्षण कराया जाना अनिवार्य होगा। इसके लिए विभाग ने वर्ष 2019 में जारी निर्देशों में संशोधन कर दिया है। लोक निर्माण विभाग के उपसचिव एआर सिंह ने लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता, लोक निर्माण विभाग भवन के प्रमुख अभियंता, प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम और प्रबंध संचालक मध्यप्रदेश भवन विकास निगम को निर्देश जारी कर कहा है कि लोक निर्माण विभाग द्वारा कराए जाने वाले निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने मोर्थ रिवीजन पांच के चेप्टर 900 में तय आवृति के अनुसार न्यूनतम दस प्रतिशत कार्यों का परीक्षण विभाग की मंडल स्तरीय, परिक्षेत्र स्तरीय प्रयोगशालाओं और दस प्रतिशत परीक्षण विभाग द्वारा इंपैनल की गई एनएबीएल प्रयोगशालाओं के माध्यम से संपादित किए जाए।

जो भी परीक्षण कराए जाएं उसमें सामग्री परीक्षण से संबंधित सभी प्रविष्टि वर्कस मैनेजमेंट सिस्टम में दर्ज और संधारित की जाए। सभी कार्यपालन यंत्रियों को कहा गया है कि इन प्रावधानों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करे हुए सामग्री परीक्षण निर्धारित अनुपात में विभागीय एवं इंपैनल्ड प्रयोगशालाओं से कराए जाए तथा उनकी प्रविष्टि एक अप्रैल 2026 से डब्ल्यूएमएस में दर्ज कराना सुनिश्चित कराएं।

इस तरह होगा परीक्षण-निरीक्षण

निर्माण कार्य पर फाउंडेशन का काम चल रहा है तो उसमें अपने समक्ष कोर कटिंग करवाकर उसको टेस्टिंग के लिए भेजा जाएगा। सभी टेस्टों की वीडियोग्राफी कराना होगा और रिपोर्ट में टेस्टिंग के दौरान जियोटेग फोटोग्राफ लगाना होगा। विभागीय कार्यों पर वाटरप्रूफ प्लाई की शटरिंग अनिवार्य होगी। इसके अलावा ज्वाइंट्स को भी अच्छे से चैक करना होगा जिससे की सीमेंट स्लरी का रिसाव न हो। शटरिंग कार्यों में स्टील प्लास का उपयोग करना होगा। लकड़ी की बल्ली का उपयोग पूर्णतः वर्जित होगा।

सम्राट विक्रमादित्य विवि का दीक्षांत समारोह कल 103 विद्यार्थियों को उपाधि देंगे राज्यपाल-सीएम

उज्जैन

सम्राट विक्रमादित्य विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह 30वां दीक्षांत समारोह मंगलवार 17 मार्च को होगा। जिसमें राज्यपाल मंगुभाई पटेल और सीएम डॉ. मोहन यादव शामिल होंगे। विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती हॉल में आयोजित होने वाले कार्यक्रम में 177 विद्यार्थियों भाग लेंगे। स्नातक यूजी और स्नातकोत्तर पीजी के चयनित विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल दिये किये जाएंगे। मंगलवार को सुबह 11 बजे कार्यक्रम शुरू होगा, जो करीब दो घंटे चलेगा। पीएचडी उपाधि प्राप्त करने वाले 88 शोधार्थियों में से 75 ने अब तक रजिस्ट्रेशन करवाया है। यूजी और पीजी के कुल 103 विद्यार्थियों ने समारोह में शामिल होने के लिए पंजीयन करवाया है। इनमे पीजी के 63 यूजी के 40 विद्यार्थी शामिल हैं।

कार्यक्रम में राज्यपाल और मुख्यमंत्री के आगमन को देखते कलेक्टर रौशन सिंह ने कार्यक्रम स्थल पहुंचकर निरीक्षण किया।

418 करोड़ से अपग्रेड होगा गांधीसागर हाइड्रो पॉवर प्लांट

भोपाल

राज्य सरकार के किसान कल्याण वर्ष 2026 के तहत 418 करोड़ रुपये की लागत से गांधीसागर जल विद्युत गृह (GHPS) की 5 इकाइयों के नवीनीकरण, आधुनिकीकरण और क्षमता वृद्धि (RM&U) का कार्य चरणबद्ध तरीके से किया जाएगा।

गांधीसागर पावर जनरेशन से इंजीनियर अरुण यादव ने बताया कि जल विद्युत गृह की 523 मेगावाट क्षमता वाली इकाइयां पिछले 65 वर्षों से अधिक समय से निरंतर संचालन में हैं। वर्तमान तकनीकी मानकों के अनुरूप विद्युत उत्पादन प्रणाली को अधिक सक्षम, सुरक्षित और विश्वसनीय बनाने के उद्देश्य से इन इकाइयों का व्यापक नवीनीकरण और उन्नयन किया जाएगा। परियोजना को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा। इसमें 2-2-1 इकाइयों को अलग-अलग चरणों में लेकर उन पर RM&U कार्य किया जाएगा। इस दौरान शेष इकाइयां वर्तमान व्यवस्था के तहत विद्युत उत्पादन जारी रखेंगी, जिससे बिजली आपूर्ति में न्यूनतम व्यवधान सुनिश्चित किया जा सकेगा।

बालाघाट पुलिस की पहल, 14 परिवारों को मिली सरकारी नौकरी

समाज से फिर जुड़ने सिलाई-ड्राइविंग सीख रहे पूर्व नक्सली

भोपाल

बालाघाट पुलिस ने नक्सलियों को समाज की मुख्य धारा में वापस लाने और नक्सली हिंसा के पीड़ितों की मदद के लिए एक खास मुहिम शुरू की है। इसके तहत आत्मसमर्पण करने वाले पूर्व नक्सली अब हथियार छोड़कर सिलाई और ड्राइविंग जैसे काम सीख रहे हैं, वहीं हिंसा में अपनों को खोने वाले 14 लोगों को पुलिस में नौकरी दी गई है।

पुलिस लाइन में फिलहाल 10 आत्मसमर्पित नक्सली (5 पुरुष और 5 महिला) सिलाई और ड्राइविंग का प्रशिक्षण ले रहे हैं। पिछले ढेढ़ महीने से चल रही इस ट्रेनिंग में ये लोग शर्ट-पेंट सिलना और जेसीबी चलाना सीख रहे हैं ताकि वे खुद का रोजगार शुरू कर सकें। इनमें सुनीता ओयाम, सुरेंद्र, राकेश और सलीता जैसे कई पूर्व नक्सली शामिल हैं।

आर्थिक सुरक्षा देना मकसद

एसपी आदित्य मिश्रा के नेतृत्व में चल रही इस पहल का मकसद हिंसा से प्रभावित लोगों का पुनर्वास करना और उन्हें आर्थिक सुरक्षा देना है। नौकरी पाने वालों में तेजाबसिंह, अनिल मेरावी, निशा राउत और डिलेश्वरी जैसे 14 लोग शामिल हैं, जो अब पुलिस बल का हिस्सा बनकर समाज की सेवा कर रहे हैं।

पीड़ित परिवारों को मिला सहारा

पुलिस ने उन 14 परिवारों की भी मदद की है जिनके सदस्यों को नक्सलियों ने मुखबिरी के शक में मार दिया था। इन परिवारों के सदस्यों को आरक्षक (कॉन्स्टेबल) के पद पर नौकरी दी गई है। सुमित उइके के पिता की हत्या 2002 में हुई थी। सुमित बताते हैं कि उन्हें पहले पुलिस की नौकरी से डर लगता था, लेकिन अब वे खुश हैं। संजय कुमार पुसाम सिर्फ छवीं तक पढ़े हैं, इन्होंने कभी सोचा नहीं था कि पिता की मौत के बाद उन्हें पुलिस विभाग में काम करने का मौका मिलेगा।

पाक ने अंपायर के फैसले पर उठाए सवाल, मैच रेफरी से शिकायत की

मीरपुर वनडे में बांग्लादेश के रीव्यू को बताया गलत

मीरपुर,एजेंसी। मीरपुर में खेले गए तीसरे वनडे में अंपायर के एक फैसले को लेकर पाकिस्तान क्रिकेट टीम ने मैच रेफरी नियामुर राशिद से शिकायत की है। पाकिस्तान का कहना है कि ऑन-फील्ड अंपायर कुमार धर्मसेना ने बांग्लादेश को गलत तरीके से LBW रीव्यू लेने की अनुमति दी। पाकिस्तान टीम मैनेजमेंट का आरोप है कि बांग्लादेश ने रीव्यू उस समय लिया जब गेंद का रिप्ले पहले ही स्टेडियम की बड़ी स्क्रीन पर दिखाया जा चुका था। घटना मैच की आखिरी दो गेंदों से जुड़ी है। उस समय पाकिस्तान को जीत के लिए दो गेंदों में 12 रन चाहिए थे। रिशाद हुसैन की गेंद शाहीन अफरीदी के पास से लेग साइड की तरफ निकल गई, जिस पर अंपायर ने वाइड दे दिया। इसके बाद बांग्लादेश के खिलाड़ियों ने आपस में चर्चा की और LBW के लिए रीव्यू लिया। पाकिस्तान ने रिव्यू लेने में नियमों का पालन नहीं किए जाने का मुद्दा उठाया है। पाकिस्तान का कहना है कि जब स्क्रीन पर गेंद के बल्ले के पास से गुजरने का वीडियो दिखाया गया, तभी बांग्लादेशी कप्तान ने

अंपायर से रिव्यू लेने की अपील की। जबकि नियमों के अनुसार, DRS का फैसला खिलाड़ी को बिना किसी बाहरी मदद या टीवी फुटेज देखे स्वयं लेना होता है। पाकिस्तान का यह भी कहना है कि रिव्यू लेने के लिए तय 15 सेकंड की समय सीमा का पालन नहीं किया गया। हालांकि, टीवी प्रसारण में कोई टाइमर दिखाई नहीं दिया, जिससे यह स्पष्ट नहीं हो सका कि 15 सेकंड की समय सीमा समाप्त हुई थी या नहीं।

वाइड का फैसला पलटा, शाहीन अफरीदी हुए नाराज

DRS में हॉक-आई पर साफ हुआ कि गेंद बैट के निचले हिस्से को छूकर निकली थी। इसलिए वाइड का फैसला बदल दिया गया। हालांकि बांग्लादेश का रिव्यू खारिज हो गया, लेकिन वाइड हटने के बाद समीकरण बदल गया और पाकिस्तान को आखिरी गेंद पर 12 रन चाहिए थे। आखिरी गेंद पर शाहीन अफरीदी स्टंप आउट हो गए। इसके साथ ही बांग्लादेश ने मैच 11 रन से जीत लिया और सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) इस मामले को गंभीरता से ले रहा है। सूत्रों के मुताबिक, पीसीबी चाहता है कि मैच रेफरी इस बात को स्वीकार करें कि अंपायरिंग और प्रोटोकॉल के पालन में गलती हुई है। पाकिस्तान का मानना है कि अगर वह गेंद वाइड रहती, तो उन्हें एक अतिरिक्त रन और एक अतिरिक्त गेंद मिलती, जिससे मैच का नतीजा बदल सकता था।

बाबर आजम मेंटली अनफिट: बासित अली

पाक के पूर्व क्रिकेटर बासित अली ने बाबर आजम को लेकर एक बड़ा ही सनसनीखेज बयान दिया है। बासित अली ने कहा कि बांग्लादेश के खिलाफ हाल ही समाप्त हुई वनडे सीरीज में सिलेक्शन के लिए बाबर आजम शारीरिक रूप से नहीं, बल्कि मानसिक रूप से अनफिट थे। बासित अली का यह कमेंट पाकिस्तान के सिलेक्टर आकिब जावेद के यह बताने के बाद आया कि बाबर और फखर जमान टी20 वर्ल्ड कप कैंपेन के दौरान चोटों से जूझ रहे थे। आकिब के इस बयान के जवाब में बासित ने कहा कि बाबर में फिजिकल परेशानी के कोई लक्षण नहीं दिखे, लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि स्टार बैटर नंबर 4 पर बैटिंग करने में सहज नहीं था। उम्मीद है कि बाबर को नहीं चुना गया होगा और यह साफ किया कि क्रिकेटर इस मेंटल हालत में परफॉर्म नहीं कर पाएगा। बासित अली ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा, बाबर आजम मेंटली अनफिट हैं।

महिला एकल वर्ग में एलेना रायबाकिना 3-6, 6-3, 7-6 से हारीं

आर्यना सबालेंका और यानिक सिनर ने पहली बार इंडियन वेल्स ओपन जीता

इंडियन वेल्स,एजेंसी। वर्ल्ड नंबर वन आर्यना सबालेंका ने इंडियन वेल्स ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में एलेना रायबाकिना को 3-6, 6-3, 7-6 (6) से हराकर एकल महिला वर्ग का खिताब अपने नाम किया। इससे पहले 2023 और 2025 में उपविजेता रही सबालेंका का यह पहला खिताब है। सबालेंका पहला सेट हार गई थीं, लेकिन उन्होंने जबरदस्त वापसी की। तीसरे सेट के टाइ-ब्रेकर में मुकाबला इतना फंस गया था कि रायबाकिना के पास चैंपियनशिप पॉइंट था, लेकिन सबालेंका ने उसे बचाया और जीत हासिल की। यह दोनों खिलाड़ियों के बीच 16वीं भिड़ंत थी, जिसमें अब तक सबालेंका 9-7 से आगे हैं। कजाकिस्तान की रायबाकिना ने 2025 डब्ल्यूटीए फाइनल चैंपियनशिप और दो महीने पहले ऑस्ट्रेलियन ओपन में सबालेंका को हराया था। सबालेंका ने कहा, मुझे लगता है कि इस मैच में उतरने से पहले मेरा पूरा मकसद मानसिक रूप से मजबूत रहना, हर हाल में डटे रहना और अपनी शारीरिक हाव-भाव से यह दिखाना था कि मैं यहां हूं, मैं लड़ रही हूं।

यानिक सिनर ने पुरुष एकल वर्ग के फाइनल में मेदवेदेव को दी मात

पुरुष एकल वर्ग में यानिक सिनर ने दूसरे सेट के टाइब्रेकर में लगातार सात अंक बनाकर पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए दानिल मेदवेदेव को 7- 6, 7 - 6 से हराकर पहली बार एक भी सेट गंवाये बिना इंडियन वेल्स खिताब जीता। दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी सिनर ने मेदवेदेव को पिछले दस मुकाबलों में नौवीं बार हराया। मेदवेदेव ने सेमीफाइनल में शीर्ष वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज को मात दी थी। सिनर ने इस जीत के साथ हार्ड कोर्ट पर होने वाले सभी बड़े खिताब अपने नाम कर लिए हैं। इनमें छह ATP मास्टर्स 1000, निट्टो ATP फाइनल्स, ऑस्ट्रेलियन ओपन और यूएस ओपन शामिल हैं। इससे पहले यह उपलब्धि सिर्फ रोजर फेडरर और नोवाक जोकोविच के नाम थी।

2023 में हम बेहद करीब थे, 2027 में विश्व कप जीतना लक्ष्य: गिल

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत के एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि 2027 एकदिवसीय विश्व कप जीतना उनकी टीम का सबसे बड़ा लक्ष्य है, विशेषकर तब जब 50 ओवर के इस टूर्नामेंट के पिछले सत्र में वे ट्रॉफी जीतने के बेहद करीब पहुंच गए थे। लगातार 10 मैच जीतने के शानदार रिकॉर्ड के बावजूद भारत को 2023 एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था।

बीसीसीआई नमन पुरस्कार के दौरान जब गिल से पूछा गया कि क्या वे अगले एकदिवसीय विश्व कप के बारे में सोचते हैं, तो उन्होंने कहा, बिल्कुल, मैं सोचता हूं। यही हमारा सबसे बड़ा लक्ष्य है। उन्होंने कहा, हमें लगा था कि पिछली बार जब हम भारत में (फाइनल में) थे तो हम जीत के बेहद करीब पहुंच गए थे। अब दक्षिण अफ्रीका में हमें इसे जीतने का एक और मौका मिल रहा है जो हमारे लिए एक शानदार अवसर होगा। गिल ने कहा, देश के लिए किसी भी प्रारूप में विश्व कप जीतना ही सबसे बड़ा लक्ष्य होता है इसलिए बेशक यह बात कभी-कभी मेरे मन में आती रहती है। वहीं सूर्यकुमार यादव ने कहा कि अगर कोई ऐसा मैच है जिसे वे दोबारा खेलना और जीतना चाहेंगे तो वह 2023 एकदिवसीय विश्व कप का फाइनल मैच है। उन्होंने कहा, अहमदाबाद में हुआ 2023 विश्व कप का फाइनल मैच मैं उसे दोबारा खेलना और जीतना चाहूंगा। टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार ने कहा कि भारत की 2024 टी20 विश्व कप जीत ने एक चिंगारी का काम किया, जिसकी वजह से हाल के वर्षों में अलग-अलग लिंग और उम्र की भारतीय टीम ने आईसीसी के कई खिताब जीते हैं। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमें बस एक चिंगारी या एक कदम की जरूरत थी, जिसे हमने 2024 में पार कर लिया। उसके बाद 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी, फिर 2025 में ही महिला टीम का एकदिवसीय विश्व कप जीतना और फिर 2026 में जीत हासिल करना।

ऑस्ट्रेलिया के सेकुलिच ने कोलकाता में आईटीएफ का खिताब जीता

कोलकाता,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के फिलिप सेकुलिच ने भारत के करण सिंह को सीधे सेटों में हराकर यहां सेंट्रल एक्साइज एंव सीजीएसटी-आईटीएफ एम25 कोलकाता का पुरुषों का एकल खिताब जीत लिया। तीसरी वरीयता प्राप्त सेकुलिच ने 22 वर्षीय करण पर 6-1, 7-6(1) से जीत हासिल की। इस जीत से सेकुलिच को 25 एटीपी अंक और 4,612 अमेरिकी डॉलर (4.27 लाख रुपये) की इनामी राशि मिली।

अवॉर्ड समारोह में राहुल के गले लग गये संजू सैमसन

नई दिल्ली। यहां रविवार को हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के नमन अवॉर्ड्स समारोह में संजू सैमसन ने केएल राहुल ने मिलने लाइन तक दी। इसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने क्रिकेटरों को सम्मानित करने ये समारोह रखा था। इसमें 2025/26 सत्र में आईसीसी विश्व कप जीतने वाली देश की पांचों टीमों को सम्मानित किया गय। ऐसे में विश्वकप विजेता सूर्यकुमार यादव भी टीम सहित समारोह में उपस्थित थे।

इस दौरान खिलाड़ी स्टेज पर जाने के लिए लाइन में खड़े हुए। इसी दौरान सैमसन भी आराम से स्टेज की ओर बढ़ रहे थे। तभी समारोह में मौजूद केएल राहुल ने उन्हें आवाज लगायी। जैसे दी संजू ने राहुल की आवाज सुनी वह लाइन तोड़कर सीधे उनके पास गए और उन्हें गले लगा लिया।

इस बार विश्वकप जीत में सैमसन की मुख्य भूमिका रही थी। संजू ने भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक रन बनाये थे। संजू ने पांच पारियों में लगभग 200 की स्ट्राइक रेट से 321 रन बनाये थे। इसी लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवार्ड भी मिला।

समारोह में सैमसन ने टूर्नामेंट में भारत की शानदार जीत की तुलना किसी फिल्म से की और स्वीकार किया कि उन्हें अभी भी इस उपलब्धि पर पूरी तरह भरोसा नहीं हो रहा है. संजू की माने तो, 'सुबह उठते ही मुझे लगता है, 'क्या सच में ऐसा हुआ है ?' ईमानदारी से कहूं तो, यही एहसास है पर मुझे लगता है कि आने वाले वर्षों में, हमारे देश में मौजूद खिलाड़ियों की प्रतिभा को देखते हुए आगे भी इस प्रकार के अवसर आते रहेंगे।'

बुमराह ने शादी की सालगिरह पर पत्नी संजना को बधाई दी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने शादी की सालगिरह पर अपनी पत्नी और स्पोर्ट्स प्रेजेंटर संजना गणेशन को बधाई दी पर संजना ने इसके बाद मजाकिया अंदाज में उन्हें ट्रॉल कर दिया। संजना और बुमराह की शादी की ये पांचवीं सालगिरह थी। साल 2021 में इनकी शादी हुई थी। सालगिरह पर संजना ने एक खास पोस्ट की। संजना ने उनकी छोटी सी कैप्शन पर मजाकिया अंदाज में जवाब देने के साथ ही दोनों की कुछ तस्वीरें भी साझा की हैं। इस पोस्ट में उन्होंने लिखा कि चाहे जिंदगी उन्हें कहीं भी ले जाए या दुनिया कितनी भी व्यस्त हो जाए, वे हमेशा एक-दूसरे के साथ हैं। उन्होंने बुमराह को अपना सबसे अच्छा दोस्त बताया और कहा कि उनकी साथ की कहानी उनकी सबसे पसंदीदा है। हाल मे हुए टी20 विश्वकप में बुमराह का प्रदर्शन शानदार रहा था। उन्होंने आठ मैचों में 14 विकेट लिए। अब वह आईपीएल में खेलते हुए दिखेंगे। आईपीएल टूर्नामेंट की शुरुआत 28 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में मैच से होगी।

बैसाखी के सहारे पर हैं हर्षित राणा, आईपीएल से भी बाहर हुए

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) को आईपीएल 2026 शुरु होने से पहले ही करारा झटका लगा है। सर्जरी के बाद अबतक पूरी तरह से नहीं उबरने के कारण उसके तेज गेंदबाज हर्षित राणा आईपीएल से बाहर हो गये हैं। वह इससे पहले हुए आईसीसी टी20 विश्व कप से भी बाहर रहे थे। हर्षित चोटिल होने के कारण ही जनवरी से ही खेल के मैदान से बाहर हैं। मुंबई में हुए बीसीसीआई नमन अवॉर्ड्स के दौरान भी वह बैसाखी के सहारे चल रहे थे। यहां तक कि वह मंच पर भी अवार्ड लेने नहीं गये। इससे अंदाजा होता है कि अभी उनकी खेल के मैदान में वापसी में समय लगेगा। आईपीएल चेयरमैन अरुण धूमल ने स्वयं मंच से नीचे आकर राणा को यह सम्मान दिया। राणा का बैसाखी के सहारे इवेंट में पहुंचने का वीडियो भी सोशल मीडिया पर आया है। हर्षित को इस साल की शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए एक टी20 विश्व कप के अभ्यास मुकाबले में घुटने में गेंद लग गई थी। इसी कारण वह टी20 विश्व कप टीम से भी बाहर हो गये थे। पिछले माह 9 फरवरी को उनके घुटने की सर्जरी हुई थी। इसकी मेडिकल रिपोर्ट्स में कहा गया है कि उन्हें ठीक होने में करीब दो से तीन महीने का समय लगेगा। केकेआर ने आईपीएल के लिए पहले ही जिम्बाब्वे के ब्लेसिंग मुजरबानी को मुस्तफिजुर रहमान की जगह टीम में शामिल कर लिया है पर एक अन्य तेज गेंदबाज श्रीलंका के मथीशा पथिराना के भी फिट नहीं होने से केकेआर की मुश्किलें बढ़ गयी हैं।

जल्द होगा IPL के शेष मुकाबलों का कार्यक्रम जारी: राजीव शुक्ला

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के शुरूआती 20 मुकाबलों का कार्यक्रम जारी किया था। बीसीसीआई उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा कि चुनाव की तारीखों के एलान के बाद अब जल्द शेष आईपीएल कार्यक्रम जारी होगा। शुक्ला ने कहा, चुनाव का कार्यक्रम रविवार को जारी कर दिया गया है। पश्चिम बंगाल में दो चरणों में चुनाव होंगे, जबकि अन्य राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में एक ही चरण में चुनाव होंगे। हम इस घोषणा का इंतजार कर रहे थे। अब, हम आईपीएल का पूरा कार्यक्रम जारी कर सकते हैं, क्योंकि लॉ एंड ऑर्डर और पुलिस फोर्स के तैनाती के नजरिए से हमने उसे रोके रखा था। पहले हमने सिर्फ 20 मुकाबलों का शेड्यूल जारी किया था, लेकिन अब आगे के मुकाबलों का कार्यक्रम भी जारी होगा। भारत निर्वाचन आयोग ने रविवार को पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, असम और पुदुचेरी के विधानसभा चुनावों की तारीखों का एलान किया। केरल, असम और पुदुचेरी में 9 अप्रैल को मतदान होंगे, जबकि तमिलनाडु में 23 अप्रैल को वोट डाले जाएंगे। बीसीसीआई ने 11 मार्च को आईपीएल 2026 के पहले फेज का कार्यक्रम जारी किया था, जो 28 मार्च से 12 अप्रैल के बीच खेला जाना है। पहले फेज में कुल 20 मैच 10 वेन्यू पर होंगे।

रोड्रिग्ज के दो गोल से नॉर्थ ईस्ट यूनाईटेड ने पहली जीत दर्ज की

गुवाहाटी,एजेंसी। स्पेन के मिडफील्डर एंडी रोड्रिग्ज के दूसरे हाफ में दागे दो गोल की बदौलत नॉर्थ ईस्ट यूनाईटेड एफसी ने जमशेदपुर एफसी को 2-1 से हराकर इंडियन सुपर लीग फुटबॉल टूर्नामेंट के मौजूद सत्र में पहली जीत दर्ज की। रोड्रिग्ज ने 53वें और 69वें मिनट में गोल दागा। जमशेदपुर एफसी की ओर से एकमात्र गोल मेस्सी बाउली ने 68वें मिनट में किया। इस जीत से नॉर्थ ईस्ट यूनाईटेड की टीम छह अंक के साथ सातवें स्थान पर पहुंच गई है। जमशेदपुर एफसी की टीम सत्र की अपनी पहली हार के बावजूद 12 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है।

शीर्ष स्थान पर मजबूत पकड़ बनाई, राफिन्हा ने दागे 3 गोल

ला लिगा: बार्सिलोना ने सेविला को 5-2 से हराया

मैड्रिड,एजेंसी। ब्राजीलियाई विंगर राफिन्हा की शानदार हैट्रिक की बदौलत बार्सिलोना ने सेविला को 5-2 से हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में शीर्ष स्थान पर अपनी मजबूत पकड़ बना ली है। बार्सिलोना के कोच हंसी फ्लिक ने आगामी चैंपियंस लीग मुकाबले को ध्यान में रखते हुए युवा स्टार लैमिन यामल और फर्मिन लोपेज को मैच में नहीं उतारा था। इसके बावजूद बार्सिलोना ने शुरुआत से ही मैच पर नियंत्रण बना लिया और आक्रामक खेल दिखाया।

मैच के सातवें मिनट में ही बार्सिलोना को पहली पेनल्टी मिल गई, जब सेविला के डिफेंडर ने पेनल्टी बॉक्स के अंदर जोआओ कैंसेलो की शर्ट खींच ली। राफिन्हा ने इस मौके का पूरा फायदा उठाते हुए टीम को शुरूआती बढ़त दिलाई। मैच के अंतिम क्षणों में सेविला के जिब्रिल सो ने हेडर के जरिए टीम का दूसरा गोल किया, लेकिन तब तक मैच में उनकी हार तय हो चुकी थी। बार्सिलोना ने 5-2 से शानदार जीत हासिल की।

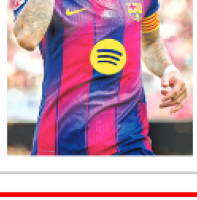

सोसिएदाद ने ओसासुना को हराया

ला लिगा के अन्य मुकाबलों में रियल सोसिएदाद ने ओसासुना को 3-1 से हराया। मिकेल ओयारजाबाल ने पेनल्टी से गोल कर टीम को बढ़त दिलाई, जबकि बेनाट टुरिएंटेस और गोंकालो गुएडेस ने भी गोल किए। ओसासुना के लिए विक्टर मुनोज ने एक गोल किया। मैलोर्का ने भी शानदार वापसी करते हुए एस्पेनयोल को 2-1 से हराकर रेलीगेशन जोन से बाहर निकलने में सफलता हासिल की। ला लिगा में शीर्ष स्थान की दौड़ और भी दिलचस्प हो गई है। बार्सिलोना फिलहाल चार अंकों की बढ़त के साथ पहले स्थान पर बना हुआ है।

मोदी सरकार ने बताया कब होंगे भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली । भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते पर औपचारिक हस्ताक्षर तब होने हैं, जब दोनों देशों के बीच नए टैरिफ ढांचे को अंतिम रुप दे दिया जाएगा। मोदी सरकार ने इसकी जानकारी दी। वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने कहा कि भारत और अमेरिका समझौते के कई बारीक पहलुओं पर अभी बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा, अभी हम अमेरिका के साथ समझौते पर विस्तारपूर्वक चर्चा कर रहे है। उन्होंने बताया कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौते पर वास्तविक हस्ताक्षर तब होगा, जब दोनों देशों के बीच नए टैरिफ ढांचे को लागू किया जाएगा। मोदी सरकार की ओर से जारी ताजा व्यापार आंकड़ों के मुताबिक फरवरी में भारत के माल निर्यात में हल्की गिरावट दर्ज की गई। इस दौरान निर्यात 0.81 प्रतिशत घटकर 36.61 अरब डॉलर रहा। वहीं फरवरी में आयात में तेज बढ़ोतरी देखी गई। इस महीने आयात 24.11 प्रतिशत बढ़कर 63.71 अरब डॉलर हो गया, जबकि पिछले साल इसी महीने यह 51.33 अरब डॉलर था। इसके चलते फरवरी में व्यापार घाटा बढ़कर 27.1 अरब डॉलर तक पहुंच गया। हालांकि महीने के आंकड़ों में गिरावट के बावजूद राजेश अग्रवाल ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत का निर्यात प्रदर्शन मजबूत बना हुआ है। वित्त वर्ष 2025-26 में अप्रैल से फरवरी के दौरान भारत का निर्यात 1.84 प्रतिशत बढ़कर 402.93 अरब डॉलर हो गया।

पीएम मोदी के परियोजनाओं के उद्घाटन करते ही कर दिया चुनाव तारीखों का ऐलान

कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने कहा- आयोग बीजेपी के प्रति अत्यधिक पक्षपातपूर्ण है

नई दिल्ली। एजेंसी।

कांग्रेस सांसद सुखदेव भगत ने सोमवार को भारतीय चुनाव आयोग पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि आयोग बीजेपी के प्रति अत्यधिक पक्षपातपूर्ण है। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी द्वारा पश्चिम बंगाल में विकास परियोजनाओं की घोषणा के ठीक अगले दिन ही चुनाव कार्यक्रम घोषित कर दिया गया। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग पक्षपातपूर्ण तरीके से काम कर रहा है। पीएम मोदी पश्चिम बंगाल में विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करते हैं और ठीक अगले दिन राज्य चुनावों की तारीखों का ऐलान यह सरासर धांधली है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भगत ने केंद्र सरकार पर सुनियोजित तरीके से काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि सरकार एक राष्ट्र एक चुनाव की बात करती है, लेकिन आगामी विधानसभा चुनावों में चारों राज्यों के लिए मतदान की तारीखें और परिणाम घोषित होने का दिन एक दूसरे से बहुत दूर रखा गया है। तो क्या आपको नहीं लगता कि यह सब सुनियोजित तरीके से किया जा रहा है? जितना ज्यादा विलंब होगा, उतना ही परिणाम बीजेपी के पक्ष में जाएगा। आप पिछले रिकॉर्ड देख सकते हैं। इन सब कारणों से लोग उन पर भरोसा नहीं कर पा रहे हैं।

ये टिप्पणियां रविवार को चुनाव आयोग द्वारा चार राज्यों पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु और असम और पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के बाद आई है। कार्यक्रम के मुताबिक पश्चिम बंगाल में मतदान दो चरणों में 23 और 29 अप्रैल को होगा। केरल और असम में 9 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होगा, जबकि तमिलनाडु में 23 अप्रैल को पुडुचेरी में 9 अप्रैल को मतदान होगा। चुनाव आयोग ने घोषणा की है कि चारों राज्यों और पुडुचेरी में वोटों की गिनती 4 मई को होगी। वर्तमान विधानसभाओं का कार्यकाल अलग-अलग तिथियों पर समाप्त हो रहा है। पश्चिम बंगाल में 7 मई, तमिलनाडु में 10 मई, असम में 20 मई, केरल में 23 मई और पुडुचेरी में 15 जून।

दो दिन पहले उद्घाटित ग्रीन कॉरिडोर के पास सड़क धंसी, 5 फीट गहरा गड्ढा बना

लखनऊ,। राजधानी लखनऊ में हाल ही में बने ग्रीन कॉरिडोर के पास सड़क धंसने का मामला सामने आया है। लखनऊ के बीरबल साहनी मार्ग पर खाटु श्याम मंदिर के सामने सड़क में लगभग 5 फीट गहरा गड्ढा हो गया। यह घटना ग्रीन कॉरिडोर के उद्घाटन के महज दो दिन बाद सामने आई, जिससे निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं।

जानकारी के अनुसार, सड़क धंसने की वजह सीवर लाइन में हुए लीकेज को बताया जा रहा है। घटना के बाद नगर निगम की कार्यदायी संस्था स्यूज इंडिया की टीम मौके पर पहुंची और मरम्मत कार्य शुरू कर दिया। इंजीनियरों का कहना है कि सड़क चौड़ीकरण के दौरान मिट्टी को दबाने (कंप्रेशन) की प्रक्रिया में सीवर लाइन के जॉइंट में लीकेज हो गया था। समय के साथ यह लीकेज बढ़ता गया और अंततः सड़क का हिस्सा धंस गया।

बताया जा रहा है कि ग्रीन कॉरिडोर के निर्माण के दौरान ही जलकल विभाग ने इस सीवर लाइन को थोड़ा शिफ्ट करने की सलाह दी थी। हालांकि अधिक खर्च आने की वजह से इस सुझाव को नजरअंदाज कर दिया गया। अधिकारियों के अनुसार, कुकरैल पंपिंग स्टेशन की ओर जाने वाली यह एक बड़ी सीवर लाइन है, जिसे स्थानांतरित करने में काफी लागत आती।

राम मंदिर में सुरक्षा हुई सख्त, 19 मार्च को वीआईपी दर्शन पर रोक, मोबाइल-हथियार बैन

अयोध्या। श्रीराम मंदिर में 19 मार्च राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राम मंदिर परिसर में श्री राम यंत्र की स्थापना और वैदिक अनुष्ठानों में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। यह कार्यक्रम चैत्र नवरात्रि के पहले दिन (वासंतिक नवरात्र) और हिंदू नववर्ष (वर्ष प्रतिपदा) के अवसर पर आयोजित हो रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे, जिससे भारी भीड़ की उम्मीद है। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की हैं। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के मुताबिक 19 मार्च को वीआईपी पास या विशेष दर्शन की सुविधा उपलब्ध नहीं होगी। केवल आमंत्रित अतिथियों को ही निर्धारित रास्ते (रंगमहल बैरियर/क्रासिंग वन) से प्रवेश मिलेगा। वहीं, आम श्रद्धालुओं के लिए दर्शन सुबह छह बजे से देर शाम तक निर्बाध रूप से चलते रहेंगे। किसी भी तरह की बाधा नहीं आएगी। सुरक्षा के मद्देनजर मंदिर परिसर में मोबाइल फोन लेकर जाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। इससे भक्त पूरी तरह भक्ति में लीन रह सकें और सुरक्षा मजबूत हो। यदि कोई व्यक्ति अपने साथ सिक्योरिटी गार्ड लाता है, तो उन्हें भी परिसर में एंट्री नहीं मिलेगी। परिसर में लाइसेंसी रिवॉल्वर, तलवार, बंदूक आदि ले जाना मना है। हालांकि, सिख समुदाय के सदस्यों को कानूनी रूप से अनुमत छोटा कृपाण (गले में पहना हुआ) रखने की छूट रहेगी। आमंत्रित अतिथियों के पास व्यक्तिगत होंगे; इन्हें किसी और को सौंपा नहीं जा सकेगा। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने बताया कि कार्यक्रम में करीब 3500-5000 लोग शामिल होंगे, जिनमें यूपी-उत्तराखंड के निधि समर्पण अभियान के कार्यकर्ता, विश्व हिंदू परिषद के 45 पदाधिकारी, लगभग 350 संत और मंदिर निर्माण में योगदान देने वाले श्रमिक शामिल हैं। राम मंदिर आंदोलन के कई पुराने सहयोगियों को इस बार निमंत्रण नहीं दिया गया है। भक्तों की सुविधा के लिए नवरात्रि व्रत रखने वाले भक्तों के लिए परिसर में फल, मखाना, मूंगफली, आलू के चिप्स जैसे उपवास-अनुकूल भोजन उपलब्ध होगा। साथ ही पीने का पानी और शौचालयरू पर्याप्त व्यवस्था की गई है। ट्रस्ट का कहना है कि ये कदम भक्तों की सुरक्षा, व्यवस्था और भक्ति के निर्विघ्न अनुभव के लिए उठाए गए हैं। राष्ट्रपति के दौरे के दौरान मंदिर परिसर में वैदिक विद्वानों द्वारा अनुष्ठान होंगे, और श्रमिकों को सम्मानित किया जाएगा।

चित्तौड़गढ़ किले से योगी की हुंकार....क्या खिलजी, बाबर, औरंगजेब के वंश का कोई अस्तिव दिखाता

चित्तौड़गढ़। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जौहर मेला के मौके पर राजस्थान के चित्तौड़गढ़ किला में आयोजित कार्यक्रम में राजस्थान की वीर भूमि और उसके ऐतिहासिक गौरव की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि जब भी वे इस पवित्र भूमि को देखते हैं, तब उन्हें एक प्रसिद्ध पंक्ति याद आती है—卐यह एकलिंग का आसन है, इस पर न किसी का शासन है। इस कथन के माध्यम से उन्होंने मेवाड़ की स्वतंत्रता, स्वाभिमान और शौर्य की परंपरा को रेखांकित किया।

अपने संबोधन में योगी ने कहा कि आज अलाउद्दीन खिलजी और उसके वंश के बारे में बहुत कम लोग जानते हैं। इसतरह बाबर, औरंगजेब और अकबर के वंश का कोई स्पष्ट अस्तित्व दिखाई नहीं देता, जबकि महाराणा प्रताप की वंशावली आज भी जीवित है और हमारे समाज में सम्मानित है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार रानी पद्मिनी (पद्मावती) की परंपरा भी आज हमारे सामने प्रेरणा का स्रोत बनी हुई है।

सीएम योगी ने कहा कि राजस्थान की वीर भूमि से पूरे देश को प्रेरणा मिलती है। उन्होंने महाराणा सांगा, महाराणा कुंभा और बप्पा रावल जैसे महान योद्धाओं का उल्लेख कर कहा कि इनकी वीरता और बलिदान की परंपरा को हर भारतीय नमन करता है। उनके अनुसार, देश के किसी भी कोने—उत्तर, दक्षिण, पूर्व या पश्चिम—में भारत के लोग इन महान वीरों की गाथाओं से प्रेरणा लेते हैं।

अपने भाषण में मुख्यमंत्री ने यूपी में कानून-व्यवस्था और महिला सुरक्षा के मुद्दे पर भी बात की। उन्होंने कहा कि जब उत्तर प्रदेश में उनकी सरकार बनी, तब उन्होंने प्रदेशवासियों से वादा किया था कि अपराध और अपराधियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति रहेगी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि कोई व्यक्ति किसी बहन या बेटी की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ करने की कोशिश करेगा, तब उस अपराधी को कड़ी सजा दी जाएगी।

योगी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में 25 करोड़ की आबादी होने के बावजूद कानून-व्यवस्था में बड़ा सुधार हुआ है। पहले कई लड़कियों को पढ़ाई के लिए दूर रिश्तेदारों के यहां रहना पड़ता था, लेकिन अब वे अपने घर से ही 5-10 किलोमीटर दूर स्कूल या कॉलेज जा रही हैं। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में महिलाएं अब रात की शिफ्ट में भी कार्यालयों और कारखानों में काम कर सुरक्षित अपने घर लौट रही हैं, जो महिला सुरक्षा में सुधार का बड़ा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में जो सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे रहा है, वह नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में संभव हुआ है। योगी के अनुसार, इस परिवर्तन के पीछे राजस्थान की वीर भूमि की प्रेरणा भी महत्वपूर्ण है। योगी ने कहा कि चित्तौड़गढ़ किला केवल पत्थरों से बना एक किला नहीं है, बल्कि यह भारत की अस्मिता और गौरव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जब भी भारत संकट में होता है या युवाओं को प्रेरित करने की बात आती है, तब लोगों के मन में अक्सर तीन महान नाम आते हैं, महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी महाराज और गुरु गोविंद सिंह। ये सभी महानायक भारत के शौर्य, साहस और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक हैं, जिनकी गाथाएं आज भी देशवासियों को नई ऊर्जा और प्रेरणा प्रदान करती हैं।

जेल में चींटियों ने याद दिलाया संघर्ष, सोनम वांगचुक ने शुरू की किताब 'फॉरएवर पॉजिटिव'

जोधपुर। लद्दाख के प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने जोधपुर सेंट्रल जेल में बिताए अपने 169 दिनों के अनुभवों को शब्दों में पिरोना शुरू कर दिया है। वे 27 सितंबर 2025 से 14 मार्च 2026 तक जेल में रहे। इस दौरान उन्होंने एक नई किताब लिखना शुरू की, जिसका संभावित शीर्षक फॉरएवर पॉजेटिव बताया जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे अंग्मों ने इसकी जानकारी देते हुए बताया कि जेल में बिताए गए अनुभवों ने उन्हें गहराई से प्रभावित किया और वहीं से पुस्तक लिखने का विचार आया। यह किताब उनके संघर्ष, विचारों और जेल के अनुभवों पर आधारित होगी। जेल में वांगचुक को एकांत कारावास में रखा गया था। इस दौरान उनसे न तो अन्य कैदी मिल सकते थे और न ही जेल का सामान्य स्टाफ उनसे बातचीत कर सकता था। अकेलेपन के उस समय में उन्होंने पढ़ने और लिखने को अपना साथी बना लिया। एकांत में बिताए समय के दौरान एक दिलचस्प बात यह रही कि उनकी बैरक में मौजूद चींटियां उन्हें लगातार प्रेरित करती रहीं। वांगचुक अक्सर इन छोटी-छोटी चींटियों को देखते और सोचते थे कि कैसे वे मिलकर बड़े-बड़े काम कर लेती हैं। यह दृश्य उन्हें लद्दाख में चल रहे पर्यावरण और सामाजिक संघर्षों की याद दिलाता था। जेल में रहते हुए वे फर्श पर कंबल बिछाकर सोते थे और सादगीपूर्ण दिनचर्या का पालन करते थे। कठिन परिस्थितियों के बावजूद उन्होंने सकारात्मक सोच बनाए रखी और उसी भावना के साथ अपनी किताब लिखना शुरू किया। इस दौरान उनकी पत्नी गीतांजलि समय-समय पर उनसे मिलने जेल जाती थीं। मुलाकात के बाद वह वांगचुक के अनुभव और विचार सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों तक पहुंचाती थीं। वांगचुक का मानना है कि संघर्ष के कठिन दौर में भी सकारात्मक सोच बनाए रखना जरूरी है। यही संदेश उनकी आगामी पुस्तक के माध्यम से लोगों तक पहुंचाने की कोशिश की जा रही है।

जयशंकर ने बताया कैसे ईरान ने भारतीय टैंकरों को गुजरने की इजाजत दे दी

नई दिल्ली। ईरान पर अमेरिकी-इजरायली हमले के बाद मिडिल ईस्ट में जंग छिड़ी हुई है। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट को अपने कब्जे में लेकर समुद्री रास्ते को रोक दिया है। इस बीच तेहरान ने भारतीय टैंकरों को इस रास्ते से गुजारने की इजाजत दी है। इस लेकर विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने खुलासा किया है। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि बातचीत से ही कुछ नतीजे निकलते हैं और यह लगातार चलने वाली एक प्रक्रिया है। उन्होंने कहा, अभी मैं उनसे बातचीत करने में लगा हुआ हूं और इस बातचीत के कुछ नतीजे भी निकले हैं। यह प्रक्रिया अभी भी जारी है। अगर मुझे इससे नतीजे निकलते हुए दिख रहे हैं, तब जाहिर है मैं यह बातचीत आगे भी जारी रखूंगा। उन्होंने कहा, निश्चित रूप से भारत के ऊर्जा समस्याओं के नजरिए से यह बेहतर काम हुआ है कि हम आपस में तर्क-वितर्क करें, बातचीत के दौरान आपस में तालमेल बिठाएं और कोई समाधान निकालें। विदेश मंत्री ने स्पष्ट किया कि भारतीय ध्वज वाले जहाजों के लिए ईरान के साथ कोई व्यापक व्यवस्था नहीं है और जहाजों की हर आवाजाही एक अलग घटना है। उन्होंने इस बात से भी इंकार किया कि ईरान को बदले में कुछ मिला है। जयशंकर ने कहा कि दिल्ली और तेहरान का एक-दूसरे के साथ लेन-देन का एक इतिहास रहा है और इसी आधार पर उन्होंने बातचीत की। उन्होंने कहा, यह एक्सचेंज का मुद्दा नहीं है। भारत और ईरान के बीच संबंध हैं। हम इस संघर्ष को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण मानते हैं। डॉ. जयशंकर ने कहा, अभी शुरुआत ही हुई है। हमारे पास वहां और भी कई जहाज हैं। इसलिए, हालांकि यह एक स्वागत योग्य कदम है, फिर भी बातचीत जारी है, क्योंकि इस पर काम लगातार चल रहा है। दो भारतीय झंडे वाले टैंकर, जिनमें लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस भरी थी होर्मुज स्ट्रेट से सुरक्षित रूप से गुजर गए। मिडिल ईस्ट में चल रहे संघर्ष के कारण यह स्ट्रेट अब एक चोकपॉइंट (अवरोधक बिंदु) बन गया है। यह जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी का अरब सागर तक पहुंचने का एकमात्र मार्ग है।

अहमदाबाद सिविल अस्पताल में मानवता की मिसाल- रमजान के महीने में मुस्लिम महिला के अंगदान से बचीं कई जिंदगियां

जूनागढ़ की 51 वर्षीय जेबुनबेन के परिवार ने धार्मिक सीमाओं से ऊपर उठकर किया अंगदान, 14 घंटे में दो दान से 6 मरीजों को मिला नया जीवन

अहमदाबाद। शहर की सिविल अस्पताल के कॉरिडोर में 15 मार्च को ऐसा भावुक दृश्य देखने को मिला जिसने धर्म और सामाजिक रूढ़ियों की सीमाओं को जैसे हमेशा के लिए हिला दिया। रमजान के पवित्र महीने में जब मुस्लिम समुदाय इबादत में लीन है, उसी समय जूनागढ़ के चावड़ा परिवार ने अपनी प्रिय स्वजन 51 वर्षीय जेबुनबेन के अंगदान का निर्णय लेकर मानवता की सेवा का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत किया।

जूनागढ़ के केशोद के पास एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुईं जेबुनबेन को डॉक्टरों ने ब्रेन डेड घोषित कर दिया था। इस खबर से परिवार पूरी तरह स्तब्ध था। इसी कठिन घड़ी में ऑल इंडिया मुस्लिम वेलफेयर एसोसिएशन की अग्रणी यास्मीनबेन वोरा और शहर के एक प्रतिष्ठित मौलाना ने परिवार को अंगदान का महत्व समझाया। मौलाना के मार्गदर्शन में परिवार ने यह स्वीकार किया कि किसी जरूरतमंद के जीवन में रोशनी लाना ही सच्ची बंदगी है। धार्मिक आस्था और सामाजिक जिम्मेदारी के बीच जब समझ का पुल बना, तब परिवार ने अंगदान की अनुमति दे दी।

सबसे भावुक क्षण तब आया जब जेबुनबेन को ऑर्गन रिट्रीवल के लिए ऑपरेशन थियेटर ले जाया जा रहा था। आम तौर पर सिविल अस्पताल का स्टाफ दाता के सम्मान में मौन प्रार्थना करता है, लेकिन इस बार दृश्य कुछ अलग था। एक ओर डॉक्टर और नर्सिंग स्टाफ शांत प्रार्थना में खड़े थे, वहीं दूसरी ओर जेबुनबेन के परिजन नम आंखों से 'कलमा' पढ़ रहे थे। प्रार्थना और कलमे की इस संयुक्त गूंज ने जैसे अस्पताल की दीवारों पर यह संदेश अंकित कर दिया कि पीड़ा और पुण्य का कोई धर्म नहीं होता। जेबुनबेन के अंगदान से दो किडनी और एक लीवर प्राप्त हुआ, जिससे तीन जरूरतमंद मरीजों को जीवनदान मिलने का रास्ता खुल गया।

इसी दिन सिविल अस्पताल में एक और अंगदान हुआ। अस्पताल के आईसीयू में भर्ती 25 वर्षीय एक युवती को भी 15 मार्च को ब्रेन डेड घोषित किया गया था। इसके बाद सिविल अस्पताल की अंगदान टीम के डॉ. मोहित चंपावत ने युवती के परिवार को अंगदान के बारे में समझाया। डॉक्टरों की सलाह और परिवार के मानवीय निर्णय के चलते युवती के अंगों का गुप्तदान किया गया। इस दान से भी दो किडनी और एक लीवर प्राप्त हुए, जिनका उपयोग सिविल मेडिसिटी कैंपस की किडनी अस्पताल में जरूरतमंद मरीजों के प्रत्यारोपण के लिए किया जाएगा।

सिर्फ 14 घंटे के भीतर सिविल अस्पताल में हुए इन दो अंगदानों से कुल छह लोगों को नया जीवन मिलने की उम्मीद जगी है। मुस्लिम समुदाय से यह नौवां अंगदान है, जो समाज में बढ़ती जागरूकता और सकारात्मक बदलाव का प्रमाण माना जा रहा है। सिविल अस्पताल के सुपरिटेंडेंट डॉ. राकेश जोशी ने इस घटना को एक सामाजिक क्रांति बताते हुए कहा कि अंगदान जैसे संवेदनशील विषय में धार्मिक और सामाजिक नेताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। जब समाज के सम्मानित नेता और धर्मगुरु परिवारों को जागरूक करते हैं, तो लोगों में विश्वास बढ़ता है और अंगदान का संदेश समाज के अधिक लोगों तक पहुंचता है।

अहमदाबाद सिविल अस्पताल में अब तक 231 दाताओं द्वारा कुल 995 अंगों और ऊतकों का दान किया जा चुका है, जिससे 742 जरूरतमंद लोगों को नया जीवन मिला है। रमजान त्याग और समर्पण का महीना माना जाता है। ऐसे में जेबुनबेन का यह महान त्याग अब तीन अनजान लोगों के शरीर में धड़कता रहेगा और मानवता के इस पवित्र संदेश को और भी मजबूत करेगा।

स्मार्ट मीटर से बढ़ेगा बिजली का लोड, हर महीने बढ़ सकता है बिल

भोपाल। मध्यप्रदेश में प्रस्तावित विद्युत अधिनियम 2025 के तहत स्मार्ट मीटर लागू होने के बाद बिजली उपभोक्ताओं को अधिक बिल देना पड़ रहा है। नए नियम के अनुसार यदि कोई उपभोक्ता अपने स्वीकृत लोड से अधिक बिजली का उपयोग करता है और यह स्थिति तीन बार दर्ज होती है, तब स्मार्ट मीटर स्वतः उस अधिकतम खपत के आधार पर कनेक्शन का लोड बढ़ा देगा। इस प्रक्रिया में उपभोक्ता को अलग से आवेदन देने या बिजली विभाग के कर्मचारी द्वारा जांच कराने की आवश्यकता नहीं होगी। स्मार्ट मीटर ही बिजली खपत का पूरा रिकॉर्ड रखेगा और उसी के आधार पर लोड अपडेट कर देगा। लोड बढ़ने का सीधा असर बिजली बिल पर पड़ेगा, क्योंकि लोड बढ़ने के साथ ही फिक्स्ड चार्ज भी बढ़ेगा। फिक्स्ड चार्ज वह राशि होती है जो बिजली कंपनियां उपभोक्ताओं से उनके कनेक्शन के स्वीकृत लोड के आधार पर हर महीने वसूलती हैं, चाहे उपभोक्ता बिजली का उपयोग करे या नहीं। वर्तमान व्यवस्था के अनुसार घरेलू उपभोक्ताओं के लिए 150 यूनिट तक बिजली खर्च करने पर 129 रुपये का फिक्स्ड चार्ज निर्धारित है। इसके बाद हर 0.1 किलोवॉट अतिरिक्त भार पर करीब 28 रुपये तक फिक्स्ड चार्ज बढ़ जाता है। वहीं संस्थानों के लिए 10 किलोवॉट तक स्वीकृत लोड पर करीब 161 रुपये प्रति किलोवॉट फिक्स्ड चार्ज लिया जाता है। प्रस्तावित नए टैरिफ में इस लगभग 15 प्रतिशत तक बढ़ाने की भी योजना है। उदाहरण के तौर पर यदि किसी घरेलू उपभोक्ता ने 1 किलोवॉट का कनेक्शन लिया है और वह महीने में 151 से 300 यूनिट बिजली खर्च करता है, तो उसे अतिरिक्त फिक्स्ड चार्ज देना पड़ सकता है। इस स्थिति में 129 रुपये के बेस चार्ज के अलावा लगभग 280 रुपये अतिरिक्त जुड़ सकते हैं, जिससे कुल फिक्स्ड चार्ज करीब 409 रुपये तक पहुंच सकता है। इसी तरह यदि किसी उपभोक्ता का स्वीकृत लोड 2 किलोवॉट है और वह साल में तीन बार 5 किलोवॉट तक बिजली का उपयोग करता है, तो वर्ष के अंत में उसका लोड स्वतः 5 किलोवॉट कर दिया जाएगा। इसके बाद उसे हर महीने बढ़े हुए लोड के आधार पर अधिक फिक्स्ड चार्ज देना होगा। नई व्यवस्था लागू होने के बाद बिजली उपभोक्ताओं को अपनी खपत पर अधिक ध्यान देना होगा, क्योंकि जरूरत से ज्यादा बिजली उपयोग करने पर स्मार्ट मीटर के माध्यम से लोड और बिजली बिल दोनों बढ़ सकते हैं।

पूर्व बिहार में अचानक बदला मौसम, चली ठंडी हवा छा गया घना कोहरा

पटना। सोमवार सुबह लखीसराय के सूर्यगढ़ा प्रखंड में मौसम अचानक बदल गया। मार्च महीने में ही इलाके में दिसंबर जैसी ठंड और घना कोहरा छा गया, जिससे लोग हैरान रह गए। सुबह होते ही पूरे क्षेत्र में कोहरे की मोटी चादर फैल गई, जिससे दृश्यता कम हो गई और जनजीवन प्रभावित हुआ। पूर्व बिहार के लखीसराय, जमुई समेत सभी जिलों में कुछ इसी प्रकार का मौसम रहा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सूर्यगढ़ा बाजार से गुजरने वाले एनएच-80 पर कोहरे का सबसे अधिक असर देखा गया। सड़क पर दृश्यता कम होने के कारण वाहन चालकों को सावधानी से वाहन चलाने पड़े। कई चालक हेडलाइट जलाकर धीमी गति से वाहन चला रहे थे, जबकि कुछ वाहन रेंगते हुए नजर आए। इसके कारण कुछ समय के लिए यातायात धीम हो गया। अचानक बदलते मौसम के कारण लोगों को दिसंबर जैसी ठंड का एहसास हुआ। सुबह टहलने निकले लोग गर्म कपड़ों में नजर आए। ठंड और कोहरे के कारण बाजार में भी सामान्य दिनों की तुलना में कम चहल-पहल दिखी। सुबह छह से सात बजे के बीच बाजार में आवाजाही कम रही।

रिपोर्ट के मुताबिक स्थानीय लोगों का कहना है कि मार्च महीने में इस तरह का घना कोहरा कम ही देखने को मिलता है, लेकिन पिछले दो दिनों से मौसम में अचानक बदलाव ने लोगों को चौंका दिया। इस असामान्य स्थिति को लेकर लोग दिनभर चर्चा करते रहे और अपने अनुभव साझा करते रहे। सुबह करीब नौ बजे के बाद धूप निकलने लगी, जिससे धीरे-धीरे कोहरा छंटने लगा और स्थिति सामान्य होने लगी। कोहरा छंटते ही यातायात व्यवस्था भी सुचारू हुई और बाजार में धीरे-धीरे चहल-पहल बढ़ी।

दुबई में सुरक्षा संकट- दुबई के लिए उड़ा विमान वापस कोच्चि लौटा

नई दिल्ली। दुबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सुरक्षा घटना के चलते हवाई यात्रा में बड़ी बाधा आई है। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि एयरपोर्ट के ईंधन टैंक में एक संदिग्ध ड्रोन हमले के कारण आग लग गई, इसके बाद एमिरेट्स एयरलाइन ने सभी उड़ानों को अस्थायी रूप से निलंबित किया। एयरलाइन ने यात्रियों से अपील की है कि फिलहाल एयरपोर्ट न जाएं। एमिरेट्स ने पोस्ट पर चेतावनी जारी कर कहा कि दुबई आने-जाने वाली सभी उड़ानें रोक दी गई हैं। एयरलाइन ने स्पष्ट किया कि यात्रियों और चालक दल की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। अधिकारियों ने बताया कि ड्रोन के टकराने से आग लगने के कारण एयरपोर्ट पर हवाई यातायात तुरंत बंद कर दिया गया। यह घटना मध्य-पूर्व में पहले से बढ़ते तनाव के समय हुई है, जिससे क्षेत्रीय विमानन प्रभावित हो रहा है। इस संकट का असर भारत से दुबई जाने वाली उड़ानों पर भी पड़ा। उड़ान संख्या कोच्चि से 325 यात्रियों के साथ सुबह 4:30 बजे रवाना हुई थी, लेकिन सुरक्षा कारणों से बीच रास्ते में वापस कोच्चि लौटने का निर्देश दिया गया। विमान सुबह 8:30 बजे सुरक्षित रूप से कोच्चि एयरपोर्ट पर उतरा। यात्रियों को विमान में ही बने रहने की सलाह दी गई ताकि स्थिति स्पष्ट होने पर उड़ान को फिर से शुरू किया जा सके। दुबई के अधिकारियों ने आग लगने की पुष्टि करते हुए बताया कि हवाई यातायात तत्काल बंद करना पड़ा। कोचीन इंटरनेशनल एयरपोर्ट के प्रवक्ता ने कहा कि अधिकारी स्थिति का आकलन कर रहे हैं और सुरक्षा समीक्षा के बाद ही आगे की कार्रवाई तय होगी। इस बीच, एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने मध्य-पूर्व के लिए कुल 48 उड़ानें संचालित करने की योजना बनाई है। एयरलाइंस जेद्दा और मस्कट के लिए नियमित सेवाएं चलाएंगी, जिसमें दिल्ली और मुंबई से एक-एक वापसी सेवा और बेंगलुरु, कोझिकोड और मैंगलोर से एक-एक उड़ान शामिल है।

दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर सड़क हादसा....दो ट्रकों की भीषण टक्कर में दो लोगों की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे पर सोमवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें दो ट्रकों की भीषण टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा गाजियाबाद के लोनी क्षेत्र में गढ़ी कटैया अंडरपास के पास हुआ, जहां सुबह के समय अचानक हुई दुर्घटना से एक्सप्रेसवे पर अफरा-तफरी मच गई। तेज आवाज और चीख-पुकार के बीच कुछ ही पलों में व्यस्त एक्सप्रेसवे का माहौल सन्नाटे में बदल गया। बात दें कि एक ट्रक सीमेंट से लदा हुआ था और वह राम पार्क की ओर सड़क पार करने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान दिल्ली के खजूरी की दिशा से आ रहा ईंटों से भरा एक तेज रफ्तार ट्रक अचानक उससे टकरा गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों ट्रक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए और उनमें सवार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद आसपास से गुजर रहे राहगीरों ने तुरंत पुलिस को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत व बचाव कार्य शुरू किया। घायलों को तुरंत संयुक्त चिकित्सालय ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने पावी सादिकपुर निवासी 23 वर्षीय जावेद और बुलंदशहर के गंगावली निवासी 38 वर्षीय लोकेश को मृत घोषित किया। दोनों की मौत की खबर से उनके परिवारों में शोक की लहर दौड़ गई। हादसे में घायल अन्य पांच लोगों की हालत गंभीर है। उनकी नाजुक स्थिति को देखकर डॉक्टरों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए दिल्ली के अस्पताल रेफर कर दिया, जहां उनका इलाज जारी है। बताया जा रहा है कि सभी घायल अभी भी जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहे हैं।

पद्मेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव
बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज गैलरी

होटलों में अवैध रूप से उपयोग हो रहे 7 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग पर रोक लगाने के लिए खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 16 मार्च 2026 को कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी मिलन तिवारी एवं गेंदलाल सनोडिया ने संयुक्त रूप से नगर परिषद लांजी और ग्राम पंचायत बिसौनी क्षेत्र में होटलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विभिन्न प्रतिष्ठानों में घरेलू गैस सिलेंडरों का अवैध रूप से व्यावसायिक उपयोग पाया गया। कार्रवाई के दौरान ग्राम बिसौनी स्थित जय मां अंबे होटल से 1 घरेलू गैस सिलेंडर, लांजी स्थित ओम साई राम चाय एवं नाश्ता पॉइंट से 1 सिलेंडर, महोबिया होटल (सालेटेकरी रोड, लांजी) से 1 सिलेंडर, अशोक रेस्टोरेंट (जनपद पंचायत के सामने, लांजी) से 1 सिलेंडर तथा शर्मा स्वीट्स बिसोनी से 2 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए। इस प्रकार कुल 7 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त कर आगे की कार्रवाई के लिए प्रकरण तैयार किया गया है। अधिकारियों के अनुसार प्रकरण को अग्रिम कार्रवाई हेतु कलेक्टर मृणाल मीना के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। खाद्य एवं आपूर्ति विभाग ने होटल संचालकों को चेतावनी दी है कि घरेलू गैस सिलेंडर का व्यावसायिक उपयोग करना नियम विरुद्ध है और भविष्य में ऐसी अनियमितता पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नपा. में नहीं है नेता प्रतिपक्ष का पद, नेता प्रतिपक्ष पर बोले कांग्रेस जिलाध्यक्ष

पार्षदों का आपसी मामला, संगठन ने नहीं दिया कोई पद, पार्टी स्तर से नहीं हुई कोई नियुक्ति

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

नगर पालिका में पिछले कुछ दिनों से कांग्रेस पार्षदों के बीच नेता प्रतिपक्ष के पद को लेकर चल रही खींचतान और विवाद के बीच अब एक नया मोड़ सामने आया है। इस पूरे मामले को लेकर कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने पद्मेश न्यूज से अनौपचारिक चर्चा करते हुए महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि नगर पालिका में कांग्रेस पार्टी की ओर से किसी भी पार्षद को नेता प्रतिपक्ष का आधिकारिक पद नहीं दिया गया है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि जब कांग्रेस संगठन की ओर से किसी पार्षद को नेता प्रतिपक्ष के रूप में अधिकृत ही नहीं किया गया है, तो ऐसे में किसी नेता प्रतिपक्ष के पद के इस्तीफे को स्वीकार करने का सवाल ही नहीं उठता। उन्होंने कहा कि पार्टी स्तर पर इस तरह का कोई निर्णय नहीं लिया गया है और न ही संगठन ने किसी पार्षद को इस पद के लिए अधिकृत किया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि कांग्रेस पार्षदों ने आपसी सहमति से किसी एक पार्षद को अपना प्रतिनिधि मान लिया हो, तो यह उनका आंतरिक मामला हो सकता है। इस प्रकार का निर्णय पार्षद दल के बीच आपसी सहमति से लिया गया होगा, लेकिन इसे कांग्रेस पार्टी की आधिकारिक नियुक्ति नहीं माना जा सकता। उन्होंने तो यह भी कहा की सभवतः नगर पालिका में कोई नेता नेता प्रतिपक्ष का कोई पद नही होता हैं।

नगर पालिका बालाघाट में पिछले कुछ दिनों से कांग्रेस पार्षदों के बीच असंतोष और आपसी खींचतान की स्थिति देखने को मिल रही है। यह पूरा विवाद नेता प्रतिपक्ष के पद को लेकर सामने आया है। कांग्रेस के कुछ पार्षदों का मानना था कि वार्ड क्रमांक 2 के पार्षद योगराज लिल्हारे नेता प्रतिपक्ष के रूप में कार्य कर रहे हैं, लेकिन परिषद के शुरुआती दिनों की तरह इन दिनों वे नगर पालिका के मुद्दों को उतनी मजबूती से नहीं उठा पा रहे हैं, जितनी उनसे अपेक्षा की जा रही थी। यह विवाद एक बार सोशल मीडिया पर भी खुलकर सामने आ चुका है। बताया जाता है कि वार्ड क्रमांक 27 की पार्षद आसुतोष और योगराज लिल्हारे के बीच किसी बात को लेकर कहा-सुनी हो गई थी, जिसके बाद पार्षद आसुतोष डहरवाल ने सोशल मीडिया पर ही अपने वरिष्ठ पार्षद योगराज लिल्हारे को लेकर टिप्पणी कर दी थी। इसके बाद योगराज लिल्हारे ने भी फेसबुक पर ही प्रतिक्रिया देते हुए अपने पद से इस्तीफा देने की घोषणा कर दी थी और सभी पार्षदों से कहा था कि वे अपना-अपना प्रतिनिधित्व स्वयं करें। हालांकि कुछ समय बाद यह मामला शांत हो गया था, लेकिन हाल ही में फिर यह चर्चा सामने आने लगी कि योगराज लिल्हारे ने नेता प्रतिपक्ष के पद से अपना इस्तीफा ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष और कांग्रेस जिला अध्यक्ष तथा बैहर विधायक संजय उइके को सौंप दिया है। हालांकि अब तक उनके इस्तीफे को मंजूरी नहीं मिली है। इसी बीच इस पद को लेकर कांग्रेस पार्षदों के बीच एक बार फिर हलचल तेज हो गई और कुछ पार्षदों ने इस पद के लिए अपनी दावेदारी भी जतानी शुरू कर दी। वहीं कुछ पार्षदों का कहना है कि यदि पार्टी उन्हें जिम्मेदारी देगी तो वे इस पद और दायित्व को पूरी निष्ठा के साथ निभाने के लिए तैयार हैं। इस पूरे मामले को लेकर 16 मार्च को जब कांग्रेस जिला अध्यक्ष और बैहर विधायक संजय उइके से अनौपचारिक चर्चा की गई, तो उन्होंने स्थिति को स्पष्ट करते हुए कहा कि उनके द्वारा नगर पालिका में किसी भी कांग्रेस पार्षद को इस प्रकार का कोई पद नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि नगर पालिका में नेता प्रतिपक्ष जैसा कोई पद होता ही नहीं है, ऐसे में वे किसी से इस्तीफा कैसे स्वीकार कर सकते हैं। जिलाध्यक्ष संजय उइके ने यह भी स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्षदों के बीच जो विवाद चल रहा है, वह पूरी तरह स्थानीय स्तर का मामला है। इसे सुलझाने की जिम्मेदारी उन्होंने बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे को सौंप दी है, ताकि आपसी संवाद के माध्यम से इस विवाद का समाधान निकाला जा सके।

लोक शांति भंग करने वालों पर कोतवाली पुलिस की त्वरित कार्रवाई, दो आरोपी गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने और लोक शांति भंग करने वाले तत्वों के विरुद्ध पुलिस द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में कोतवाली पुलिस ने इंदिरा नगर क्षेत्र में विवाद कर आवागमन बाधित करने वाले

दो आरोपियों को गिरफ्तार कर एसडीएम न्यायालय में प्रस्तुत किया। पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा द्वारा शहर में अपराध की रोकथाम और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस अधिकारियों को विशेष निर्देश दिए गए हैं। उनके निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक निहित उपाध्याय एवं नगर पुलिस अधीक्षक मयंक दतवारी के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली पुलिस ने यह कार्रवाई की।

जानकारी के अनुसार 16 मार्च को थाना कोतवाली को सूचना मिली थी कि वार्ड क्रमांक 24 इंदिरा नगर में दो व्यक्ति सड़क पर आपस में विवाद कर रहे हैं और गाली-गलौज करते हुए मार्ग को अवरुद्ध कर रहे हैं, जिससे आम लोगों का आवागमन प्रभावित हो रहा है। शिकायत मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध थाना कोतवाली में धारा 170, 126 बी एवं 135(3) बीएनएसएस के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर उन्हें एसडीएम बालाघाट के समक्ष पेश किया। गिरफ्तार आरोपियों में श्रीकांत उर्फ कालू कांडा सरोले उम्र 42 वर्ष निवासी इंदिरा नगर, बालाघाट तथा मोनू उर्फ मयंक जोशी उम्र 38 वर्ष निवासी इंदिरा नगर, बालाघाट शामिल हैं। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी कामेश धमुकेती, उप निरीक्षक संजय किरार, उप निरीक्षक गौरव धुर्वे, प्रधान आरक्षक गजेन्द्र माटे, प्रधान आरक्षक हितेश राहंगडाले, प्रधान आरक्षक युगल किशोर पटले, आरक्षक शहजाद शेख, आरक्षक कमल तथा आरक्षक सुशील धुर्वे की सराहनीय भूमिका रही। पुलिस का कहना है कि शहर में शांति व्यवस्था भंग करने वाले असामाजिक तत्वों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

स्वास्थ्य विभाग में प्रभार परिवर्तन, डॉ. शुभम शैयाम को लामता का खंड चिकित्सा अधिकारी बनाया गया

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के सुचारू संचालन के लिए प्रशासन द्वारा प्रभार परिवर्तन किया गया है। कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. परेश उपलप ने आदेश जारी कर दो चिकित्साधिकारियों को नई जिम्मेदारी सौंपी है।

जारी आदेश के अनुसार डॉ. शुभम शैयाम, चिकित्साधिकारी जिला चिकित्सालय बालाघाट को आगामी आदेश तक विभागीय राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के सुचारू क्रियान्वयन तथा प्रशासनिक एवं चिकित्सा कार्यों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लामता का खंड चिकित्सा अधिकारी नियुक्त किया गया है। उन्हें केंद्र का समस्त प्रशासनिक कार्य,आहरण एवं संवितरण का प्रभार तत्काल प्रभाव से सौंपा गया है। वहीं डॉ. श्वलेश गौपाले, चिकित्साधिकारी प्रभारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लामता को केंद्र के प्रभार से तत्काल प्रभाव से मुक्त करते हुए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र परसवाड़ा का खंड चिकित्सा अधिकारी बनाया गया है। उन्हें वहां का समस्त प्रशासनिक, आहरण एवं संवितरण का प्रभार भी सौंपा गया है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार यह व्यवस्था विभागीय कार्यों के प्रभावी संचालन और राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों के बेहतर क्रियान्वयन को ध्यान में रखते हुए की गई है।

दो मासूम बच्चियों से अश्लील हरकत के दोषी बुजुर्ग को 5 वर्ष का कारावास

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। दो मासूम बच्चियों के साथ अश्लील हरकत करने के मामले में बालाघाट न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए सख्त सजा सुनाई है। बालाघाट न्यायालय के विशेष न्यायाधीश गौतमसिंह मरकाम की अदालत ने आरोपी तुलसीदास बारमाटे उ59 वर्ष निवासी भरवेली थाना क्षेत्र को पांच वर्ष के कठोर कारावास तथा कुल 8 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित करने का आदेश दिया है। सजा सुनाए जाने के बाद आरोपी को न्यायालय से जेल भेज दिया गया।

मामले में अभियोजन की ओर से पैरवी कर रही विशेष लोक अभियोजक आरती कापले ने बताया कि यह घटना 21 फरवरी 2025 की है। भरवेली थाना क्षेत्र के एक गांव में पीड़ित बच्चियों की मां ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार 20 फरवरी को दोपहर करीब 2ः30 बजे पांच वर्षीय बड़ी बेटी आंगनबाड़ी से घर लौटकर अपनी तीन वर्षीय छोटी बहन के साथ घर के आंगन में खेल रही थी। करीब 20 मिनट बाद जब मां ने बच्चियों को आवाज लगाई तो दोनों बच्चियां पास ही रहने वाले बुजुर्ग तुलसीदास के घर से घबराई हुई बाहर आईं। बच्चियों ने अपनी मां को बताया कि तुलसीदास ने उनके साथ अश्लील हरकत की है। इसके बाद पीड़िता की मां ने भरवेली थाना में आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ पॉक्सो अधिनियम 2012 तथा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया और विवेचना पूरी कर न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया। प्रकरण की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी करार दिया। अदालत ने आरोपी तुलसीदास बारमाटे को बीएनएस की धारा 75(1)(प) तथा पॉक्सो

अधिनियम की धारा 9/10 के तहत 5-5 वर्ष के कठोर कारावास और 4-4 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित करने का फैसला सुनाया।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेढापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया इलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने की छापामार कार्रवाई

चिल्लौद में गैस गोदाम से 232 सिलेंडर जब्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने 14 मार्च 2026 को चिल्लौद स्थित अली गो-गैस एजेंसी के गो-गैस गोदाम पर छापामार कार्रवाई की। यह कार्रवाई जिला आपूर्ति अधिकारी रविकांत

ठाकुर के नेतृत्व में कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सुनील किरार एवं आकाश श्रीवास्तव की उपस्थिति में की गई।

जांच के दौरान गोदाम की स्थिति अत्यंत खराब पाई गई। गोदाम की छत क्षतिग्रस्त थी तथा गैस सिलेंडरों के भंडारण के लिए आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था भी मौजूद नहीं थी। निरीक्षण में पाया गया कि गोदाम में अग्निशामक यंत्र की वैधता समाप्त हो चुकी थी और रेत की बाल्टियां सहित अन्य जरूरी सुरक्षा इंतजाम भी उपलब्ध नहीं थे। इसके अलावा मौके पर विस्फोटक लाइसेंस, एनओसी, स्टॉक बोर्ड तथा गैस सिलेंडरों से संबंधित संधारित अभिलेख भी उपलब्ध नहीं पाए गए, जो नियमों का स्पष्ट उल्लंघन है।

जांच के दौरान गोदाम में रखे 202 खाली गैस सिलेंडर और 30 भरे गैस सिलेंडर जब्त किए गए। सभी सिलेंडरों का पंचनामा तैयार कर उन्हें आगामी आदेश तक श्री माँ इंडेन, वारासिवनी की सुपुर्दगी में दे दिया गया। खाद्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट